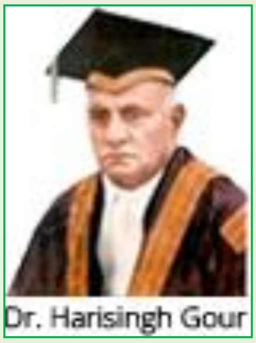

न्यूजलेटर

अगस्त 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

संरक्षक

प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय,
सागर (म.प्र.)

सहयोग एवं परामर्श

डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय

कुलसचिव (प्र.)

संपादक

डॉ. विवेक जायसवाल

जनसंपर्क अधिकारी (प्र.)

संपादक सदस्य

डॉ. हेमंत पाटीदार
डॉ. आशुतोष
डॉ. शालिनी चोइथरानी
डॉ. संजय शर्मा
माधव चंद्रा

पेड़ प्रकृति के प्रति व्यक्त की गई निर्मल कृतज्ञता है: प्रो. नीलिमा गुप्ता

युवक छात्रावास, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत छात्रावास परिवार की ओर से 'प्रकृति के प्रति वृक्षारोपण की एक छोटी सी भेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन मा. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने छात्रावास के मुख्य कार्यालय पर अमलतास का पौधा लगाकर किया. उपस्थित लोगों के साथ संवाद करते हुए कुलपति जी ने कहा कि "पेड़ प्रकृति के प्रति व्यक्त किया गया आश्वासन है. यदि हम आज एक पेड़ लगाते हैं तो हम अपने भविष्य को समृद्ध बना रहे हैं, इसलिए हमें पौधरोपण को अपने व्यवहार का एक जरुरी हिस्सा बनाना चाहिए."| प्रतिपालकों, छात्रावासियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में आत्मीयता के साथ हिस्सा लेते हुए 100 पेड़ लगाये. इस अवसर पर कुलपति जी ने छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों से संवाद भी किया.

इस अवसर पर अध्यक्ष, प्रतिपालक परिषद प्रो.रत्नेश दास, प्रो. सुशील काशव, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. बबलू राय, डॉ. अरविन्द गौतम, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. आशुतोष, सुनील दुबे, अनीस खान, सत्यनारायण सारथी, राम शरण सिंह, महेन्द्र काकोटिया, रेशमपाल सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में छात्रवासी उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय: रसायन विभाग में धूमधाम से मनाया जा रहा है आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे का जन्म दिवस

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग में 2 अगस्त को आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया जा रहा है। कार्यक्रम को किसी नेशनल कांफ्रेंस के तर्ज़ पर तैयार किया गया है, लेकिन स्थानीय विद्वान इसमें व्याख्यान दे रहे हैं। इस कसे हुए कार्यक्रम में साइंटिफिक लेक्चर्स भी हैं, विद्यार्थियों की सहभागिता क्विज और ओरल प्रेजेंटेशन के द्वारा भी है। साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा का ढंग से समन्वय भी किया गया है। इस विषय पर विभागाध्यक्ष प्रो ए पी मिश्रा ने कहा कि समय आ गया है कि हम अपनी चीजों को अपना कह सके। आज भी यह कठिन है कि हम भारतीय विज्ञान परंपरा को स्थापित कर सके और हम यह कठिनाई महसूस करते हैं। आचार्य सर पीसी रे के समय यह चुनौती और भी बड़ी थी। और उन्होंने केवल हम में विश्वास नहीं भरा है, बल्कि दुनिया के सामने भारतीय योगदानो को मजबूती से स्थापित किया है। आचार्य सर पी सी रे भारतीय रसायनज्ञों के आत्मविश्वास को चरम तक पहुंचने वाले व्यक्ति हैं। और इसीलिए हम हर साल उनकी जयंती इतनी श्रद्धा के साथ मनाते हैं। हमें हमारे शास्त्रों में बसे हुए ज्ञान विज्ञान को खोज कर अब बाहर निकालना है और आज के संदर्भ में उनके महत्व को स्थापित करना है। विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आत्म गौरव बहुत जरूरी है। क्योंकि अन्वेषण के लिए इंस्पिरेशन, इनट्यूशन और मोटिवेशन तीनों बहुत जरूरी है। पहले भी हमने किया था, अब भी हम ही करेंगे और हम कुछ भी कर सकते हैं। अपने पुरानी चीजों को स्थापित करके हमें नई खोज की तरफ बढ़ने की जरूरत है।

कार्यक्रम के प्रथम दिन आज चार वैज्ञानिक व्याख्यान रखे गए। डॉ पुष्पम घोष ने "ऐन ओडिसी ऑफ इंडियन साइंसेज फ्रॉम एंसिएंट टू रेनेसस" पर अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने प्राचीन समय में भारत में हुए वैज्ञानिक उत्थान के बारे में विस्तार से तथ्यो के साथ बताया। उस चरम समय के बाद भारत के वैज्ञानिक पतन और उसके कारणों को भी बताया। अब हम फिर से वैज्ञानिक उत्थान की तरफ बढ़ रहे हैं। कार्यक्रम में भारतीय विज्ञान परंपरा के साथ-साथ मौजूदा वैज्ञानिक खोजों का बड़ा सुंदर समावेश किया गया। डॉक्टर अभिलाषा दुर्गवंशी ने क्रोमेटोग्राफी पर अपना वक्तव्य दिया। और विद्यार्थीयों को बताया कि मौजूदा वैज्ञानिक परिस्थिति में सेपरेशन टेक्निक कितना जरूरी है। एक बंधे हुए लेक्चर में

उन्होंने क्रोमेटोग्राफी के सिद्धांत से लेकर उसके एप्लीकेशन के बारे में सब कुछ बताया।

तीसरा व्याख्यान वैदिक गणित के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर आयुष गुप्ता जी ने दिया। उन्होंने कहा नाम बदल देने से ज्ञान नहीं बदल जाता। हमारे यहां यौगिक के नाम जरूर अलग हो सकते हैं। परंतु गुणधर्म सही ढंग से रिपोर्ट किया गया है। परमाणु के इतिहास को जब आप पढ़ते हो तो जहां आप डाल्टन, थॉमसन, रदरफोर्ड और नील्स बोर के बारे में बताते हो वहीं महर्षि कनाद के बारे में बताना भी उतना ही जरूरी है। इतना ही नहीं भारत में सबएटोमिक पार्टिकल और प्रकाश विज्ञान और प्रकाश से कण तक के विज्ञान को बड़े अच्छे से श्लोकों के द्वारा बताया गया है। जब हम गैर भारतीयों के योगदान को बढ़-चढ़कर बताते हैं, समझते हैं, समझाते हैं तो भारतीय योगदानो का नाम ना लेना भी भारत के साथ सही नहीं है।

चौथा लेक्चर डॉक्टर कश्टी बल्लभ जोशी ने दिया उन्होंने बताया कि निश्चित तौर पर नैनोपार्टिकल्स पर भारत में पहले भी काफी काम हो रखा है। लेकिन आज भी नैनोपार्टिकल्स के विज्ञान में भारत का योगदान कम नहीं है। अपने प्रयोगशाला से हुए खोज के बारे में उन्होंने बताया कि स्मॉल पेप्टाइड के संरचनात्मक परिवर्तन और उसके एनवायरमेंट, एनर्जी और भी कई क्षेत्रों में होने वाले एप्लीकेशन के मामले में उनकी प्रयोगशाला दुनिया में अग्रणी है। जिसका गवाह मौजूदा समय में होने वाले उनके बेहतरीन पब्लिकेशन हैं।

पहला दिन सारगर्भित रहा। जिसमें हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा के बारे में ही नहीं बल्कि मौजूदा समय में विज्ञान में हमारे योगदानों के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉक्टर रितु यादव, डॉक्टर अभिलाषा दुर्गवंशी, डॉक्टर केबी जोशी और डॉक्टर कल्पतरु दास थे। कार्यक्रम को चेयर किया था प्रोफेसर ए पी मिश्रा ने। कार्यक्रम में प्रोफेसर नेत्रपाल सिंह, डॉक्टर के के राज, डॉक्टर मिलिंद देशमुख, डॉक्टर विवेक तिवारी, डॉक्टर विजय श्री, डॉक्टर अमूल केशरवानी, डॉक्टर संदीप शुक्ला और डॉक्टर अनिल बाहे उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मुस्कान मालवीय, प्रिया

शर्मा और कृष्णकांत ने किया। उम्मीद है आचार्य पी सी रे का जन्मदिन यानी 2 अगस्त 2024 और भी धूमधाम से और और भी सारगर्भित तरीके से मनाया जाएगा।

विवि: पीजी की बची सीटों पर प्रवेश हेतु पुनः रजिस्ट्रेशन शुरू

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में स्नातकोत्तर प्रोग्रामों की चौथी काउंसिलिंग के लिये पुनः पंजीकरण प्रारंभ हो गया। वि.वि. के विभिन्न स्नातकोत्तर प्रोग्रामों में तीन काउन्सिलिंग उपरान्त रिक्त सीटों पर प्रवेश लेने हेतु पुनः नवीन

पंजीकरण हेतु समर्थ पोर्टल खोला गया है। पुनः पंजीकरण की अन्तिम तिथि 05.08.2024 (रात्रि 11:59 बजे तक) है। जो आवेदक वि.वि. के पोर्टल पर पूर्व में पंजीकृत है उन्हें पुनः पंजीकरण नहीं कराना है। जिन आवेदकों ने सीयूपीटी पीजी की परीक्षा दी थी परन्तु किन्ही अपरिहार्य कारणें से समर्थ पोर्टल पर प्रथम काउन्सिलिंग पूर्व पंजीकृत नहीं हो सके थे वे पंजीकरण के पात्र होंगे। इस काउंसिलिंग में किसी एक विषय या डोमेन में पंजीकृत आवेदक अन्य विषयों एवं डोमेन में भी प्रवेश ले सकते हैं.

विद्यार्थी मनुष्यता की राह चुनें, बेहतर इंसान बनें और देश की सेवा करें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता
नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ का हुआ आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न हुआ. देवी सरस्वती एवं डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई. कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा कुलपति महोदया का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया. स्वागत वक्तव्य देते हुए अधिष्ठाता, छात्र-कल्याण प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. गौर के स्वप्नों और विरासत को विश्व भर में पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आप सब के कंधों पर है.

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आपको डॉ. गौर की धरती पर उनके स्वप्नों के विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का अवसर मिला है. विश्वविद्यालय एक ऐसा स्थल है जहाँ आप अपने जीवन को बेहतर बनाते हैं. उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का पूरा लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त ज्ञान प्रदान करना और कौशल शिक्षा देना है जिससे विद्यार्थी आत्मनिर्भर बन सकें. इस विश्वविद्यालय में व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास, चारित्रिक विकास सहित विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए कई केंद्र और गतिविधियाँ संचालित हैं. सभी विद्यार्थी इसमें पूरे मनोयोग से सहभागी बनें और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें. उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के शिक्षा संबंधी विचार आज के समय में भी अति प्रासंगिक हैं क्योंकि उनका मानना था कि वह शिक्षा किसी काम की नहीं जो एक बेहतर इंसान न बना सके. इसलिए आप यहाँ शिक्षा ग्रहण करते हुए एक बेहतर इंसान बनें, मनुष्यता की राह चुनें और देश की सेवा करें. आप इस अवसर को परिणाम में बदलते हुए अपनी अकादमिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मेधा को विश्व पटल पर स्थापित कीजिये. यहाँ के प्रत्येक विद्यार्थी में डॉ. गौर की मेधा का प्रतिविम्ब परिलक्षित होना चाहिए.

कुलानुशासक प्रो. चन्दा बैन ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन व्यवस्था बनाये रखने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया. प्रो. नवीन कांगो, निदेशक, अकादमिक गतिविधियां एवं विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये गए विभिन्न पाठ्यक्रम संरचनाओं, विषयों के चयन एवं अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों से विद्यार्थियों को अवगत कराया. अध्यक्ष, प्रतिपालक परिषद् प्रो. रत्नेश दास ने विश्वविद्यालय छात्रावासी सुविधाओं, सांस्कृतिक परिषद्

के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों, खेल एवं शारीरिक शिक्षा के निदेशक डॉ. विवेक साठे ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध खेल-कूद संबंधी सुविधाओं, डॉ. संजय शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रो. उत्सव आनंद ने छात्रवृत्ति संबंधी विभिन्न योजनाओं, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने पुस्तकालय, प्रो. पुणताम्बेकर

ने प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, आईटी सेल से डॉ. रूपेंद्र चौरसिया, कन्या छात्रावास के बारे में डॉ. रश्मि सिंह एवं डॉ. अभिषेक जैन ने विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं संबंधी जानकारी दी. कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशि कुमार सिंह ने किया. कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक परिषद् की ओर से विद्यार्थियों ने सांगीतिक प्रस्तुतियां दीं. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे.

विश्वविद्यालय: महिला समाज की नई कार्यकारिणी का गठन

डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के महिला समाज के सत्र 2024-2025 की नई कार्यकारिणी का गठन संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार किया गया। कार्यकारिणी गठन के लिए प्रो अर्चना पांडेय को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया, जिनके कुशल निर्देशन और सौहार्दपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी की अध्यक्षा श्रीमति ओमिका सिंह को नियुक्त किया गया। सचिव श्रीमति सरोज आनंद, सहसचिव श्रीमति अनुराधा उपाध्याय एवम् कोषाध्यक्ष श्रीमति अंजली भागवत जी को बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्या श्रीमति कल्पना शर्मा और श्रीमति कीर्ति राज नियुक्त हुई। इस अवसर पर महिला क्लब के सदस्यों की पर्याप्त संख्या में उपस्थिति सराहनीय थी। नवनियुक्त अध्यक्षा श्रीमति ओमिका सिंह ने सभी सदस्यों से विनम्र आग्रह किया कि सभी सदस्य इस सत्र में होने वाले सामाजिक और अन्य कार्यक्रमों में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति बनाये रखें और समाज के विकास एवं उत्थान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

श्रम अध्ययन में विशेषज्ञता आर्थिक क्षेत्रों में रोजगार के लिए प्रासंगिक- कुलपति
विश्वविद्यालय में इसी सत्र से शुरू होगी अर्थशास्त्र में श्रम अध्ययन की पढ़ाई

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के अर्थशास्त्र विभाग में नवाचारी पाठ्यक्रम श्रम अध्ययन में पीजी डिप्लोमा शुरू किया जा रहा है. विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर अर्थशास्त्र की पढ़ाई पूर्व से संचालित है लेकिन विशेषज्ञता वाले इस विशेष पाठ्यक्रम को इसी सत्र से संचालित किये जाने की योजना है. गौरतलब है कि अर्थशास्त्र विषय से जुड़े कई क्षेत्रों में विशेषज्ञों की मांग बढ़ी है. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में पारंपरिक विषयों से जुड़े विशेषज्ञता वाले कौशल की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है. इसी को दृष्टिगत रखते हुए स्पेशलाइजेशन वाले पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे हैं. श्रम अध्ययन विषय आर्थिक क्षेत्रों जैसे बैंकिंग, बैंकिंग, वित्त, बीमा, उद्योग एवं शिक्षा से जुड़े में काफी प्रासंगिक है. निश्चित रूप से यह पाठ्यक्रम कौशल के साथ रोजगार दे पाने में सक्षम होगा. विभागाध्यक्ष प्रो. प्रकाश काम्बले ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में श्रम अर्थशास्त्र के व्यापक क्षेत्रों में दक्षता विकसित करना, उनमें श्रम बाजार विश्लेषण और व्याख्या से संबंधित कौशल विकसित करना तथा छात्रों को अर्थशास्त्र, उद्योग, सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में रोजगार के लिए तैयार करना है. इसमें किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं. कुल सीटों की संख्या 30 है जिनमें मेरिट के आधार पर प्रवेश होगा. यह स्ववित्तपोषित पीजी डिप्लोमा है. इस पाठ्यक्रम को करने के बाद विद्यार्थी श्रम अध्ययन के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल का उपयोग कर सकेंगे. शीघ्र ही विवि वेबसाईट पर इसकी प्रवेश सूचना जारी की जायेगी.

विश्वविद्यालय: ज्ञान के सभी अनुशासनों से जुड़ी है भारतीय ज्ञान परंपरा- कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्थापित "स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र" द्वारा 'वर्ल्ड इंडिजेनस डे' मनाया गया. इस अवसर पर भारतीय ज्ञान परम्परा पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. ओमप्रकाश पांडे, सेवानिवृत प्रोफेसर, भौतिकी विज्ञान कलकत्ता विश्वविद्यालय ने विशिष्ट व्याख्यान दिया। उन्होंने भारतवर्ष के इस अनुपम ज्ञान पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि आज हम अपनी संस्कृति को भूल कर पश्चिमी देशों की संस्कृति को अपनाकर

महान मान रहे है जो कि हमारी भूल है. आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने मूल रहस्य को समझ कर इसे आम जनमानस के सामने रखे. जिसका ध्यान भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रयास हो रहा है. जबकि इसी संस्कृति से अन्य संस्कृतियों का जन्म हुआ है. हमारी भारतीय ज्ञान परम्परा सर्वश्रेष्ठ है. यह बात हमें इस युवा पीढ़ी को अवगत कराना होगा. हमारे वेद उपनिषदों में कई प्रमाण है जिसकी पश्चिमी देश ने किया है.

कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान समय में भारत में भारतीय ज्ञान परम्परा पर खोले गये केन्द्रों की स्थिति को बताया. भारत सरकार इस क्षेत्र में तेजी से काम कर रही है जिस

पर देश के सभी विश्वविद्यालय को अपना योगदान करना चाहिए. उन्होंने कहा कि संभवतः देश का यह पहला विश्वविद्यालय है जहाँ पर वैदिक विभाग के साथ साथ स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र खोला गया है जहाँ पर पठन पाठन तथा अनुसंधान कार्य हो सके। इसमें हमे सफलता भी मिलती जा रही है. उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ज्ञान के सभी विषयों एवं अनुशासनों से जुड़ी हुई है। सभी विषय के अध्येताओं को इसमें रुचि लेनी चाहिए।

स्वागत भाषण में केंद्र के प्रभारी प्रो. के. के. एन. शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया की इस केंद्र की स्थापना मार्च 6, 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वीकृति के बाद इसके स्वतंत्र भवन तथा चार फेकल्टी स्टाफ का अनुमोदन मिला. अपने कम समय में इस केंद्र द्वारा अब तक विभिन्न विद्वानों द्वारा विशिष्ट व्यख्यान का आयोजन किया गया, जिसमे भारत में जल मानव श्री राजेन्द्र सिंह, प्रो. के. सी, मल्होत्रा, प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्रो. प्रेमानंद पांडा, प्रो. एल. पी. चौरसिया द्वारा स्वदेशी ज्ञान के विभिन्न आयामों पर व्याख्यान दिया. इस केंद्र द्वारा तीन राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ साथ एक अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया था जिसमे विदेश के छः विशेषज्ञ ने भाग लिया था. इसके अलावा इस केंद्र

द्वारा पारंपरिक चिकित्सको, नाडी वैध का कैंप लगाया गया जिसमे सागर की जनता ने अपने पारंपरिक तरीके से अपना उपचार करवाया जिससे आम जनमानस का कहना था कि इस प्रकार का कैंप लगा कर लोगों को लाभान्वित किया जाना चाहिए भविष्य में इस दिशा में केंद्र द्वारा प्रयास किये जा रहे है. कार्यक्रम का शुभारम्भ द्वीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती एवं संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया. इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों का स्वागत पौधा दे

कर किया गया. आभार प्रदर्शन स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. शत्रुधन प्रसाद द्वारा किया गया. इस अवसर पर प्रो. ए. पी. मिश्रा., प्रो. जी. एल. पुताम्बेकर, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. राजेंद्र कुमार यादव, डॉ. विवेक साठे, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. परवेन्द्र कुमार, डॉ. रीना बासु, डॉ. ज्योति तिवारी, डॉ. निकलेश कुमार इत्यादि अनेक शिक्षको सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी कौस्तव, निकिता दास, वर्षा, दामिनी पदमिनी एवं काव्या सहित अन्य शोधार्थी उपस्थित थे.

‘नशा मुक्त भारत’ अभियान के तहत नशे के खिलाफ शपथ दिलाई गई

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत ‘विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र’ कार्यक्रम का आयोजन की शुरुआत की गई. इस अभियान के तहत

अकादमिक अफेयर्स के निदेशक प्रो. नवीन कानगो ने नशा न करने की शपथ दिलाई. इस शपथ में नशा न करने और परिवार में नशा न आने देने पर केंद्रित है. इसी अभियान के तहत विश्वविद्यालय के डॉ. अम्बेडकर चेयर के तत्त्वावधान में नशे के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान की भी शुरुआत की गई. अभियान के तहत विद्यार्थियों द्वारा नशे के खिलाफ पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. अभियान के तहत विद्यार्थियों का पोस्टर-बैनर के साथ विश्वविद्यालय परिसर और आस-पास के गाँवों में भी जागरूकता रैली जारी है जिसमें विद्यार्थियों ने लोगों को नशे से दूर रहने की अपील की. शपथ कार्यक्रम में प्रो. उत्सव आनंद, प्रो. विवेक साठे, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसपी गादेवार, डॉ संजय शर्मा, डॉ. देवेंद्र कुमार सहित विवि के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे.

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भोजन में रोगजनक और हानिकारक आयन धातुओं की पहचान करने विकसित कर रहे हैं नई तकनीक, सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक होगा यह शोध

रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. के.बी.जोशी के निर्देशन में संचालित शोध परियोजना को आईआईटी बॉम्बे में आयोजोत प्रतियोगिता में विजयी घोषित किया गया

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के रसायन विज्ञान के डॉ. के बी जोशी के प्रोजेक्ट को भारतीय नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स यूज़र प्रोग्राम (आईएनयूपी) और आईआईटी-बॉम्बे के संयुक्त तत्त्वावधान में आईआईटी-बॉम्बे में आयोजित आईएनयूपी-यूजर्स मीट में, आइडिया टू इनोवेशन (i2i) के तहत हैकथॉन प्रतियोगिता में विजेता घोषित किया गया। यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के अंतर्गत आता है। पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव श्री एस. कृष्णन ने की. यह समारोह ग्रुप कोऑर्डिनेटर (रिसर्च एंड डेवलपमेन्ट) श्रीमती सुनीता वर्मा, प्रो आश्विन तलुपुरकर, आईआईटी बाम्बे के प्रो के नागेश्वरी, पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, भारत सरकार डॉ. आर. चिदंबरम, आईआईटी दिल्ली के पूर्व निदेशक प्रो. वी. रामगोपाल राव की गरिमामयी उपस्थित में संपन्न हुआ. पुरस्कृत प्रोजेक्ट का नेतृत्व डॉ. के.बी. जोशी ने किया जिसमें उनकी रिसर्च टीम डॉ. सिद्धार्थ चोपड़ा, माइक्रोबिओलॉजिस्ट सीडीआरआई लखनऊ, शोधार्थियों आनंद कौतु, श्रुति शर्मा, और नारायण स्वैन ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

विवि के शोध छात्र आनंद कौतु ने आईआईटी-बॉम्बे में इस पुरस्कार प्राप्त कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया। यह प्रोजेक्ट विश्वविद्यालय के रसायन विभाग में डॉ. जोशी के निर्देशन में चल रही तीन प्रमुख परियोजनाओं की सहभागी परियोजना का हिस्सा बन गया है जिसमें भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित, टेक्नोलॉजी इनेबलिंग सेंटर (टेक), एसईआरबी और INUP-i2i परियोजनायें प्रमुख रूप से शामिल है। टेक-सेंटर का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों के भीतर प्रौद्योगिकी विकास को सुविधाजनक बनाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) का निर्माण करना है तथा इस प्रोजेक्ट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह प्रोजेक्ट भोजन में रोगजनकों और नुकसानदायक धातु आयनों की पहचान के लिए एक अत्याधुनिक फैब्रिकेटेड बायोकॉम्पैटिबिल नैनोमैटेरियल विकसित करेगा जिसका निर्माण सीडीआरआई लखनऊ के साथ हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन और आईआईटी-बॉम्बे आईएनयूपी प्रोग्राम के तहत किया जाएगा। यह टेक्नोलॉजी अभी टीआरएल 4 स्टेज पर है और टीआरएल 9 (अन्तिम चरण) पर पहुँचने के लिए

टीम प्रयत्नशील है। यह डिवाइस के सामाजिक उपयोग में लाया जाएगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के क्षेत्र में एक नई इबारत लिखेगा।

समारोह में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के इस प्रोजेक्ट को व्यापक सराहना मिली। डॉ जोशी ने बताया कि यह सफलता न केवल विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को बढ़ाती है, बल्कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण योगदान भी है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा के नए मानक स्थापित करेगी। यह प्रोजेक्ट हमारे राष्ट्रीय उद्देश्यों के लिए अत्यधिक प्रासंगिक होगा जो 'सरकार के राष्ट्रीय पहल कार्यक्रम' पर आधारित है जिसका उद्देश्य 'मेक इन इंडिया', 'स्वस्थ भारत' और 'नवोन्मेषी भारत' के उद्देश्यों के साथ बायोमेडिकल अनुसंधान को बढ़ावा देना है। हमारे सामूहिक प्रयास से हम चुनौतीपूर्ण शोध समस्या को सिद्धांतों, कार्यप्रणालियों और तकनीकों को लागू करके हल करेंगे। हमारी तकनीकी विशेषज्ञता हमारे समाज के लिए लाभदायक होगी साथ ही भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए नई दिशा तय करते हुए कई नए अवसरों के द्वार खोलेगा।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बुलेटिन निकाले, अंग्रेजों के खिलाफ नारेबाजी की, जेल गए, फिर भी आन्दोलन जारी रखा

विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ताराचंद जैन ने सुनाये अंग्रेजों के खिलाफ आन्दोलन के किस्से

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी एवं विशेष व्याख्यान आयोजित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 14 अगस्त 2024 को विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, एनसीसी और सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में अभिमंच सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया गया. दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण कर प्रदर्शनी एवं कार्यक्रम की शुरुआत हुई. विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. पी. के. कठल की अध्यक्षता में सागर

के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री ताराचंद जैन ने विभाजन विभीषिका चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया. इस अवसर पर भारतीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली द्वारा निर्मित विभाजन की विभीषिका पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया. कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री ताराचंद जैन का सम्मान किया गया जिसमें उन्हें शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति स्मृति चिन्ह भेंट किया गया. इतिहासकार प्रो. ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव का व्याख्यान भी हुआ.

स्वागत एवं उद्घाटन वक्तव्य देते हुए प्रभारी कुलपति प्रो. पी. के. कठल ने कहा कि यह इतिहास का एक दुखद पहलू है कि भारत की आजादी के एक दिन पूर्व हमें विभाजन की त्रासदी भी झेलनी पड़ी. हमारे देश की आजादी में कई महापुरुषों,

स्वतंत्रता सेनानियों एवं आम जनमानस ने अपना बलिदान दिया है. आज की युवा पीढ़ी अपने इतिहास से परिचित हो सके और अपने देश की आजादी की संघर्ष गाथा को जान सकें इसके लिए आज का दिन स्मृति दिवस के रूप में मनाया जा रहा है. इतिहास से हम सबक लेकर ही हम अपने सुनहरे भविष्य को संवार सकते हैं.

स्वतंत्रता सेनानी श्री ताराचंद जैन ने अपने बीते दिनों की स्मृति में पहुँचकर कई ऐसे किस्से सुनाये जो आजादी के आन्दोलन का हिस्सा थे. उन्होंने बताया कि अगस्त 1942 में जब भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के लगभग सभी नेताओं

को जेल में बंद कर दिया था तब उनके जैसे सैकड़ों छात्रों ने सागर शहर में आन्दोलन किये और कई बार जेल गए. उन्होंने कहा कि हमलोग उन दिनों स्कूलों में पहुंचकर छात्रों को आन्दोलन के लिए प्रोत्साहित करते थे और अंग्रेजों के खिलाफ नारेबाजी किया करते थे. उन्होंने बताया कि वे किस तरह बुलेटिन निकाला करते थे. कैसे उन पर लाठी चार्ज भी हुए. उन्होंने स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़े अपने कई अनुभव साझा किये और आजादी के संघर्ष के दिनों को याद किया.

प्रो. ब्रजेश श्रीवास्तव ने भारत की आजादी के इतिहास के कई अनछुए पहलुओं को तथ्यों के साथ बताते हुए कहा कि जब हमें आजादी मिल रही थी तब एक तरफ चारों तरफ खुशी की लहर थी और दूसरी तरफ हमें विभाजन के दंश को झेलना पड़ा और असंख्य लोग विभाजन के दौर की वीभत्स हिंसा के शिकार हुए. उन्होंने चौरी-चौरा, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, खिलाफत आन्दोलन जैसे कई आन्दोलनों का जिक्र करते हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को व्याख्यायित किया.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशि कुमार सिंह ने किया. आभार ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वंदना विनायक ने किया. इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी. उपाध्याय, प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. राजेन्द्र यादव, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष, डॉ. रजनीश, विभिन्न स्कूलों के

अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एनएसएस, एनसीसी के छात्र भी उपस्थित रहे.

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत फहराया तिरंगा एवं निकाली रैली

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों एवं परिसरों में तिरंगा में फहराया जा रहा है. इस

अवसर पर एनसीसी, एनएसएस एवं विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों, शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगा रैली निकाली. रैली स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ताराचंद जैन, प्रभारी कुलपति प्रो. पी. के. कठल, कुलानुशासक प्रो. चंदा बैन के नेतृत्व में निकाली गई.

जीवंत अनुशासन, समृद्ध नैतिकता, संवेदित मनुष्यता और सांस्कृतिक एकता से ही राष्ट्र की प्रगति संभव - कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतवर्ष का राष्ट्रीय पावन पर्व स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने ध्वजारोहण किया तथा राष्ट्रगान के बाद सभा को संबोधित किया. उन्होंने भारतवर्ष के राष्ट्रीय पावन पर्व 78वें स्वतंत्रता दिवस की बधाइयाँ एवं शुभकामनायें देते हुए कहा कि आज के ही दिन 1947 को हमारे देश ने वर्षों की दासता की जंजीरों को तोड़ कर स्वतंत्रता के सूर्य का वरण किया था। स्वंतत्रता केवल स्थिति ही नहीं बल्कि एक भावनात्मक रूहानी उपलब्धि है। स्वतंत्रता अधिकार है तो एक जिम्मेदारी भी है, स्वतंत्रता नीति भी है और निष्ठा भी है। हमें उन लोगों को भी याद रखना होगा जिन्होंने आजादी के

लिए अपने जीवन का उत्सर्ग कर दिया। हमारी आज की ख़ुशी की नीव में आजादी के दीवानों का बलिदान छुपा हुआ है। अपने महान राष्ट्र निर्माताओं के त्याग और संघर्ष के प्रति आदर रखना हमारा कर्तव्य है. आज का दिन अपनी स्वाधीनता का सम्मान करने के साथ ही हमारे अमर सेनानियों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करने का भी दिन है।

उन्होंने कहा कि कुलपिता ज्ञान ऋषि और अद्वितीय भविष्यदृष्टा डॉ. सर हरीसिंह गौर के जीवन और कर्म को भी स्मरण करना होगा जिन्होंने अपनी मातृभूमि के लिए ज्ञान के वसंत का सपना देखा और अपना सम्पूर्ण जीवन एवं अपनी सम्पूर्ण संम्पत्ति का दान कर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। हम सभी डॉ. सर हरीसिंह गौर के उत्तराधिकारी हैं, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी बहुत बढ़ जाती है। हम अपने देश की स्वतंत्रता का सम्मान करने के साथ-साथ इसे और अधिक प्रखर, सर्वसमावेशी और समृद्ध करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहें। हम जिस भी भूमिका में हैं, उसके प्रति न्याय करें। देश की प्रगति में अपनी त्रुटिहीन भूमिका का निर्वहन करते रहे हैं। जीवंत अनुशासन, समृद्ध नैतिकता, संवेदित मनुष्यता, और सांस्कृतिक एकता के द्वारा ही हम स्वतंत्रता के वसंत को अपने जीवन में उतार सकते हैं और देश को सुनहरा भविष्य दे सकते हैं। देश के एक महत्वपूर्ण ज्ञान-केन्द्र का हिस्सा होने के कारण यह हमारा दायित्व है कि स्वंतत्रता के मूल्य, प्रभाव और प्रक्रिया को और अधिक तार्किक, समावेशी, लोकतांत्रिक बनाते हुए ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक चुनौतियों हेतु खुद को समर्थ बना सकें। भारतीयता के मूल्यबोध को, भारतीय भूमि की अद्वितीय ज्ञान-परम्परा को नये सिरे से हमें खोजना, पाना और व्याख्यायित करना होगा। उधार की सम्पदा और आयातित ज्ञान तात्कालिक तौर पर हमें कुछ राहत दे सकते हैं किन्तु हमारे होने का वास्तविक स्वत्व-बोध और भारत की आत्मप्रतिमा का सही अक्स भारतीय ज्ञान की समृद्ध पूँजी से ही स्थापित किया जा सकता है।

भारत सरकार इस दिशा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 जैसी नवाचारी, तार्किक और भविष्योन्मुखी शिक्षा-परम्परा के साथ पूरे देश को पारम्परिक भारत-बोध और आधुनिक भाव-बोध से परिचित और प्रशिक्षित कराने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। भारत सरकार के इस महान और जरूरी संकल्प के साथ हमारा विश्वविद्यालय स्वयं को सार्थक सिद्ध कर रहा

है। मेरी यह सदिच्छा है कि डॉ. गौर के सपनों के अनुकूल हमारे विद्यार्थी अपनी प्रतिभा, दक्षता और कौशल के साथ राष्ट्र की प्रगति में अपनी श्रेष्ठमत हिस्सेदारी का निर्वहन करें। हम विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों की बेहतर शैक्षणिक एवं प्रशासनिक संलग्नता के साथ अपने विद्यार्थियों में संवेदनशील बौद्धिकता, संस्कारित अनुशासन, लोकतांत्रिक चेतना, वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सक्षम के साथ उच्चतम मानवीय मूल्यों से युक्त नागरिक बनाने की दिशा में विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रहे हैं.

उन्होंने वर्ष भर की विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं कर्मचारियों की उपलब्धियों को साझा करते हुए कहा कि हम लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर तेजी से प्रगति और समृद्धि के रास्ते पर हैं. उन्होंने वर्ष की शैक्षणिक, प्रशासनिक, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं आयोजनों की लम्बी श्रृंखला का जिक्र करते हुए निरंतर ऐसी गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर भौतिक स्थापत्य की दिशा में भी प्रगति कर रहा है.

उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि आज का दिन उत्सव के साथ-साथ आत्मनिरीक्षण का भी दिन है। विकास और प्रगति के पथ पर हम कई पड़ाव हासिल कर चुके हैं , पर यह हमारी मंजिल नहीं हैं। अभी हमें विश्वस्तरीय शिक्षा केन्द्र बनने के लिए लम्बी दूरी तय करनी है। यदि हमारा संकल्प पक्का है, हमारी निष्ठा अगाध है तो हम निश्चित ही डॉ. गौर के सपनों के अनुरूप अपने विश्वविद्यालय को संवार सकेंगे। मेरा विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की प्रतिभा राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर ज्ञान-विज्ञान और शोध के क्षेत्र में अवश्य प्रतिष्ठित होगी। हमारा देश एक बार फिर वैश्विक स्तर पर नेतृत्व हेतु सक्षम होगा। स्वतंत्रता दिवस के इस पावन पर्व पर हम माँ, माटी और मातृभूमि की सच्ची सेवा और समर्पण का संकल्प लें.
इस अवसर पर विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने सलामी दी. समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं, शोध-छात्र, अधिकारी, कर्मचारी, शहर के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

कुलपति ने गौर भवन में भी किया ध्वजारोहण

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने परंपरानुसार गौर भवन में भी ध्वजारोहण किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और एनसीसी कैडेट्स मौजूद रहे.

ऑटोमेशन पद्धति आधुनिक पुस्तकालय की पहचान-कुलपति

विवि पुस्तकालय में अब ऑनलाइन पद्धति से किताबें आगत-निर्गत होंगी, बार कोड तकनीक शुरू, सुरक्षा के लिए आरएफआईडी का होगा उपयोग

डॉक्टर हरीसिंह विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में अब पुस्तकों का आगत-निर्गत ऑनलाइन पद्धति से शुरू हो गया है। पुस्तकों की सुरक्षा के लिए आरएफआईडी तकनीक का इस्तेमाल होगा। सभी पुस्तकों, संदर्भ ग्रंथों की

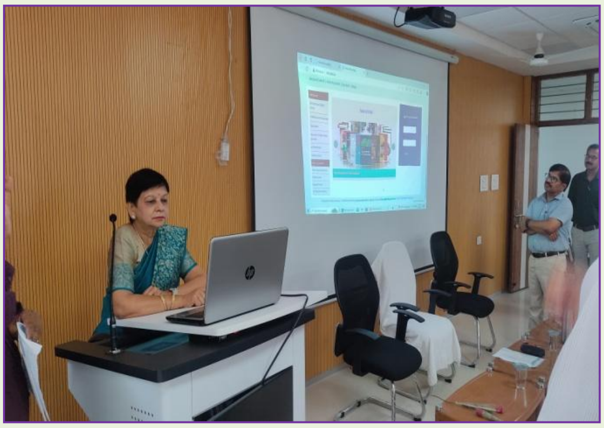

जानकारी ऑनलाइन सिस्टम पर अपलोड कर दिया गया है। अब विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक घर बैठे विवि में उपलब्ध पुस्तकों के बारे में जान सकेंगे। अपने कार्ड पर आगत-निर्गत कर सकेंगे और उनके ईमेल पर सभी प्रकार की जानकारी उन्हें मिलती रहेगी। लाइब्रेरी में उपलब्ध ई सामग्री भी को भी वे एक्सेस कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने रंगनाथन भवन में आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन ओपेक सिस्टम का

उद्घाटन करते हुए कहा कि लाइब्रेरी ऑटोमेशन आधुनिक पुस्तकालय की पहचान है। पूरी दुनिया की बेहतरीन लाइब्रेरी इसी सिस्टम से संचालित हो रही हैं। हमारा विश्वविद्यालय अब इस सिस्टम को अपनाकर समृद्ध हो रहा है और प्रगति का एक नया मुकाम हासिल कर चुका है। इससे सभी लाइब्रेरी उपयोगकर्ताओं को सुविधा होगी। विश्वविद्यालय के साथ-साथ

पूरी दुनिया के अध्येता हमारी समृद्ध लाइब्रेरी में उपलब्ध ज्ञान संपदा से परिचित हो सकेंगे और इसका लाभ भी ले सकेंगे। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टी ए ने लाइब्रेरी ऑटोमेशन की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और इसके विविध चरणों को बताया।संचालन करते हुए सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. अनुराग ने ओपेक सिस्टम एवं इसके महत्त्वपूर्ण सॉफ्टवेयर के बारे में बताते हुए पुस्तकों की जानकारी सर्च करने, इसके माध्यम से लाइब्रेरी का उपयोग करने एवं पुस्तक आगत-निर्गत की प्रविधि को समझाया। आभार डॉ दयानंदपा कोरी ने दिया। इस अवसर पर विवि के प्रभारी कुलसचिव डॉ एस पी उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, डॉ अनिल तिवारी, डॉ मुकेश साहू, डॉ विवेक जायसवाल सहित विवि के कई शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

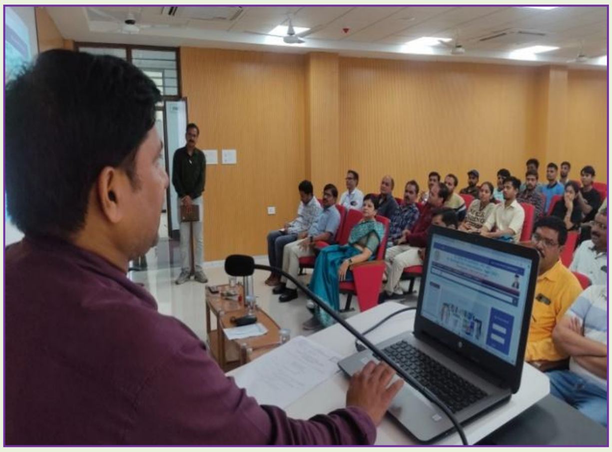

विश्वविद्यालय में हुआ होली नाटक का मंचन

रैगिंग जैसी कुप्रथा के प्रति विद्यार्थियों को नाटक के माध्यम से किया गया जागरूक

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्याल, सागर में चलाये जा रहे एंटी रैगिंग सप्ताह के तहत स्वर्ण जयंती सभागार में विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद और युगसृष्टि समिति, सागर के संयुक्त तत्वाधान में "होली" नाटक का मंचन किया गया. मूल रूप से मराठी भाषा में लिखित होली नाटक के लेखक महेश एल. कुचवार हैं. इस नाटक में छात्रावास में रहने

वाले युवाओं की दिनचर्या, मौजमस्ती के साथ ही रैगिंग जैसी कुप्रथा के दुष्प्रभावों का मार्मिक ढंग से चित्रण किया गया है. छात्रावासी युवाओं के बीच कब मज़ाक क्रूरता में और क्रूरता कब अपराध में बदल जाता है इसको नाटक में अत्यंत कुशलता के साथ दिखाया गया है.

नाटक के मंचन का उद्देश्य विश्वविद्यालयी विद्यार्थियों को रैगिंग जैसी अमानवीय प्रथा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने एवं उन्हें इस तरह की गतिविधियों से बचाये रखना था. नाटक की प्रासंगिक कथावस्तु, आकाश विश्वकर्मा, विश्वाराज सुनर्या और प्रवीण का उम्दा निर्देशन, कलाकारों के दमदार अभिनय के कारण 'होली' नाटक अपने उद्देश्य में सफल रहा.

कलाकारों में विश्वाराज सुनर्या, प्रवीण केमया, अमन ठाकुर, अर्पित दुबे, अखिलेश, शुभम पटेल,विशु, निक्की, सागर ठाकुर,रिया, सिया, पूर्वा,यश्विनी शुभम, अप्रतिम मिश्रा, देव, आकाश श्रीवास्तव, आनंद, आयुषी, कृष्णा देवलिया आदि ने अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया.

संगीत - यशगोपाल तथा पार्थो घोष और रंगसज्जा (लाइट) - शुभम शरण का रहा.

नाटक के प्रारम्भ में डॉ. राकेश सोनी ने कुलानुशासक प्रो. चंदा बैन और हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किया. नाट्य प्रस्तुति के समय डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. संजय नैनवाड़, डॉ. वंदना राजोरिया, डॉ. हिमांशु यादव के साथ ही बहुत बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च द्वारा आचार्य सर प्रफुल्ल चंद्र रे की याद में हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 20 अगस्त से 24 अगस्त 2024 के मध्य कार्यशाला आयोजित होगी. विश्वविद्यालय में कई अत्यधिक परिष्कृत उपकरण है जिनकी ट्रेनिंग नई पीढ़ी के लिए अत्यावश्यक है. इसी आवश्यकता को देखते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता

की पहल पर विश्वविद्यालय अलग-अलग इंस्ट्रूमेंट पर कार्यशाला आयोजित कर रहा है. इसी तारतम्य में पहली कार्यशाला हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपिक पर आयोजित की जा रही है.

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय की कुलगुरु एवं उदघाटन सत्र की अध्यक्षता कर रही प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय में उपस्थित विशिष्ट उपकरणों को मध्य भारत में एक धरोहर की तरह देखा. प्रत्येक प्रतिभागी को इंस्ट्रूमेंट पर स्किल होने का और खुद अपने हाथ से इंस्ट्रूमेंट को चला कर देखने का अनुरोध किया ताकि वह केवल हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपिक के बारे में पढ़े ही नहीं बल्कि उसका इस्तेमाल करना भी सीख सके. शिक्षकों को उन्होंने अपने शोधों में ज्यादा से ज्यादा हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करने पर जोड़ दिया. आचार्य सर प्रफुल्ल चंद्र रे के योगदानों को याद करते हुए उन्होंने नई पीढ़ी को उन्हीं की तरह गंभीर कार्य करने को प्रेरित किया. कार्यशाला के दूसरे

सेशन में इंडियन जूलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के पूर्व निदेशक डॉक्टर कैलाश चंद्र ने लुप्त होती प्रजातियों के बारे में बड़ा सारगर्भित उद्बोधन दिया. उन्होंने बताया कि आज माइक्रोस्कोपिक के युग में प्रजातियों को खोजना आसान हो गया है. बायोडायवर्सिटी को समझने के लिए हमें उच्च संसाधनों की आवश्यकता है. कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर एसपी गौतम ने भारतीय ज्ञान परंपरा और उसमे वर्णित परमाणु, अणु, इलेक्ट्रॉन और फोटोन की शक्तियों के लिए हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कॉपी को ज्ञान एवं कर्म चक्षु से बड़े रोचक अंदाज में जोड़ा. उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में हम प्रकाश

से लेकर कण और कण से लेकर के ब्रह्मांड के बारे में बहुत कुछ वर्णित कर चुके थे। विश्वविद्यालय के शोध एवं विकास विभाग के निदेशक प्रो. हेरल थॉमस ने सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च की विशेषताएं एवं कार्य शैली पर प्रकाश डाला. कार्यशाला के प्रथम दिन के अंतिम सत्र में डॉ पुष्पाल घोष ने अपना वक्तव्य दिया. जिसका विषय था ऐन ओडिसी ऑफ इंडियन साइंसेस. जिस में भारतीय विज्ञान परंपरा के विकास का वर्णन किया गया. उन्होंने बताया कि भारतीय विज्ञान कैसे चरम पर पहुंचा, कैसे उसका पतन हुआ और फिर धीरे-धीरे कैसे अब उठ रहा है. कुल मिलाकर आज का सेशन भारतीय

विज्ञान परंपरा और सूक्ष्म से अलौकिक के विस्तार के बारे में ज्यादा रहा. कल से कार्यक्रम सूक्ष्म पर फोकस हो जाएगा. इस सारगर्भित कार्यशाला के कोपेट्रॉन प्रो. हरेल थॉमस एवं प्रो. श्वेता यादव रहे. समन्वयक डॉ. पुष्पम घोष, डॉ. विवेक प्रकाश मालवीय और डॉ. योगेश भार्गव थे. कार्यक्रम के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. विवेक प्रकाश मालवीय थे. संचालन डॉ. अभिलाषा दुर्गावंशी ने किया. कार्यक्रम में प्रो. नवीन कांगो, प्रो. जी.एस. पाटिल, प्रो. अस्मिता गजभिए, प्रो. ए.पी. मिश्रा आदि विशिष्ट गणमान्य लोग मौजूद थे. इस कार्यशाला में देश भर के 45 प्रतिभागी भाग ले रहे है. साथ ही इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय के 35 विद्यार्थी सहभागिता कर रहे है.

विश्वविद्यालय के शोधार्थी डॉ. मुनीर अहमद को जर्मनी की अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप मिली
प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व से केवल दस विद्वानों को मिलती है यह फेलोशिप

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शोधार्थी डॉ. मुनीर अहमद को अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप मिली है. डॉ. मुनीर अहमद 'क्रॉस किंगडम सिंथेसिस स्पेशियो-टेम्पोरल स्वायल माइक्रोबियल कम्युनिटी एक्रॉस डिफरेंट डायवर्सिटी ग्रेडिएंट' विषय पर शोध करेंगे. यह शोध जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं और इसके पारिस्थितिकी तंत्र के

कार्यों पर प्रभावों का अवलोकन और निगरानी की प्रक्रिया पर आधारित है. डॉ. मुनीर विश्वविद्यालय के पहले शोधार्थी हैं जिनको जर्मन सरकार द्वारा विश्व प्रतिष्ठित अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप मिली है. प्रत्येक वर्ष विश्वभर में यह फेलोशिप केवल दस शोधकर्ताओं को प्रदान किया जाता है. डॉ. मुनीर अहमद ने अपनी पीएचडी प्राणीशास्त्र विभाग से प्रो. श्वेता यादव (विभागाध्यक्ष, प्राणीशास्त्र) और डॉ. अश्विनी कुमार (वर्तमान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रो. के रूप में कार्यरत) के मार्गदर्शन में प्राप्तकी है. डॉ. मुनीर ने अपनी पीएचडी के दौरान विभिन्न ओमिक्स और मॉडलिंग दृष्टिकोणों का उपयोग करके कीटनाशक बायोरिमेडिएशन पर काम किया है. उनके एल्सेवियर, स्प्रिंगर और नेचर जैसी शीर्ष रैंकिंग वाली वैज्ञानिक पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं. विवि की कुलपति ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है. प्रो. श्वेता यादव. डॉ. अश्विनी कुमार एवं विभाग के सभी शिक्षकों ने डॉ. मुनीर अहमद की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की है और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं.

अपनी स्मृतियों को सहेजना मनुष्य का नैसर्गिक स्वभाव: प्रो. नीलिमा गुप्ता
विश्वविद्यालय के ई एम एम आर सी में फोटोग्राफी वर्कशॉप का आयोजन

हम सभी मनुष्यों का नैसर्गिक स्वभाव है कि हम अपनी मधुर स्मृतियों को सहेजकर रखते हैं फिर एक अवस्था के बाद उनमें अपना अतीत खोजते हैं. यह बात विश्वविद्यालय के ई. एम. एम. आर. सी. द्वारा रंगनाथन भवन में आयोजित दो दिवसीय फोटोग्राफी वर्कशॉप के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कही. उन्होंने कहा कि मोबाइल क्रांति आने के बाद अब प्रत्येक हाथ में कैमरा है किंतु उसकी बारिकियां, गहराईयां, तकनीकी ज्ञान जब तक नहीं होगा तब तक आप कुशल फोटोग्राफर नहीं बन सकते. इस तरह की वर्कशॉप आपके भीतर छिपी प्रतिभा को परिष्कृत करने में काफी सहायक होती हैं. उन्होंने कहा कि युवाओं को फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी करियर की असीम संभावनाएं छिपी हुई हैं, इसके अनेक आयाम हैं. ई एम एम आर सी के निदेशक डॉ. पंकज तिवारी ने कहा कि फोटोग्राफी

के सैद्धांतिक, प्रायोगिक और तकनीकी तीनों ही पक्षों के बारे में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन हेतु ही इस वर्कशॉप की योजना

तैयार की गई है. इस दौर में जो कैमरे की एडवांस टेक्नोलॉजी आ रही है , उसकी संपूर्ण यांत्रिकी को समझें बगैर हम फोटोग्राफी में दक्ष नहीं हो सकते. उन्होंने कहा कि एक फोटोग्राफर को अपने मिशन पर जाने के पूर्व अपने कैमरे की क्षमता उसके मेन्युअल का विधिवत अध्ययन कर लेना चाहिए। विविध क्षेत्रों की फोटोग्राफी के लिए अलग-अलग कैटेगरी के कैमरे उपलब्ध हैं उन्हीं से रुबरु कराने इस वर्कशॉप का आयोजन किया गया है. इस अवसर पर निकोन कंपनी के राहुल महेश्वरी ने समूह बना कर प्रतिभागियों को कैमरे के तथा लैंस के कई प्रयोग करवाए इसके अतिरिक्त पॉवर प्वाइंट के माध्यम से फोटोग्राफी के विभिन्न आयामों से परिचित कराया. साथ ही श्री शुभम पाण्डे ने फोटोग्राफी से संबंधित गिंबल मोबाइल उपकरण 360 और एक्शन कमरों के लाइव डेमो प्रस्तुत किए इस वर्कशॉप में करीब पचास प्रतिभागियों ने उत्साह से भागीदारी की. संचालन के के यादव ने किया. श्री देवेंद्र पाराशर ने आरंभ में वर्कशाप की उपयोगिता पर प्रकाश डाला.

इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ फोटोग्राफर श्री गोविंद सरवैया, डॉ. संजीव सराफ, डॉ. आशीष द्विवेदी, डॉ. अश्विनि सागर और नगर के अनेक फोटोग्राफर और ईएमएमआरसी टीम के सभी कर्मचारी उपस्थित थे.

विश्वविद्यालय के ईएमएमआरसी द्वारा आयोजित दो दिवसीय फोटोग्राफी कार्यक्रम का समापन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के ईएमएमआरसी द्वारा दो दिवसीय फोटोग्राफी का समापन हो गया। इस अवसर पर

मुख्य अतिथि रूपेश उपाधयाय अपर कलेक्टर ने कहा कि फोटोग्राफी का शौक सभी को होता है और यदि इसकी तकनीक को सीख कर फोटोग्राफी की जाए तो वह चित्र अविस्मरणीय बन जाते है। पर्यटन में फोटोग्राफी की भूमिका महत्वपूर्ण है। आपने कहा कि सागर जिले के पर्यटन स्थलों की फोटोग्राफी पर एक प्रतियोगिता का आयोजन ई एम एम आर सी के सहयोग से किया जाएगा। निदेशक डॉ पंकज तिवारी ने कहा कि वर्कशॉप में 50 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए और फोटोग्राफी की बारीकियों से परिचित हुए, आगे भी फोटोग्राफी पर एडवांस कार्यशाला आयोजित करने की योजना है इसके अतिरिक्त

वीडियो प्रोडक्शन पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। संचालन माधव चंद्रा ने किया। आभार डॉ संजीव सराफ ने व्यक्त किया। इस अवसर पर गोविंद सरवैया, डॉ आशीष द्विवेदी, डॉ अस्विनी सागर, रमेश कन्नौजिया, और ईएमएमआरसी के कर्मचारी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय: राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों को मनाते हुए 23 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की पहली वर्षगाँठ के अवसर पर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग एवं केन्द्रीय विद्यालय में मॉडल प्रदर्शनी का

आयोजन किया गया. बी.एस.सी, बी.एड. के 44 प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा कक्षा 2 से 10 तक विज्ञान की विभिन्न संकल्पनाओं से सम्बंधित कार्यरत मॉडल की प्रदर्शनी का आयोजन कार्यक्रम समन्वयक डॉ प्रीति वाधवानी के निर्देशन में किया गया. इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष प्रो. पी.के. कठल मुख्य अतिथि रहे जिन्होंने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया एवं प्रेरक उद्बोधन दिया. शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने केंद्रीय विद्यालय सागर क्र. 1 के उपप्राचार्य श्री सुनील तिवारी, के. वि. क्र. 1, 2 और 4 के शिक्षको एवं छात्रों की उपस्थिति में सभी को संबोधित किया.

सभी अतिथियों एवं छात्रों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मॉडल की सहायता से विज्ञान की जटिल अवधारणाओं को बहुत सरलता से प्रशिक्षु शिक्षकों से समझा. इस प्रदर्शनी से छात्र छात्राओं में विज्ञान के प्रति उत्सुकता बढ़ी जिसे अतिथियों ने भी सराहा. शिक्षक प्रशिक्षक अंजलि सिंह ने अपने अनुभव साझा किये. केंद्रीय विद्यालय क्र 4 के प्राचार्य श्री आर.एस. वर्मा ने धन्यवाद प्रेषित किया. समन्वयक डॉ. प्रीति वाधवानी ने विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के अधिगम को सुलभ एवं रुचिकर बनाने के इस सफल प्रयास पर हार्दिक बधाई दी एवं सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया. सभी अतिथियों द्वारा 44 प्रशिक्षु शिक्षकों को उनके योगदान के लिए प्रमाण पत्र दिए गये. केंद्रीय विद्यालय सागर क्र. 1, 2 और 4 के शिक्षको को विद्यालयों में शिक्षण हेतु मॉडल उपहार स्वरुप उन्हें भेंट किये गए. कार्यक्रम की व्यवस्था में अनिता डोंगरे (कला शिक्षिका के. वि. 4), अपर्णा श्रीवास्तव एवं डॉ. शकीला खान, शिक्षिका शिक्षा शास्त्र विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

विश्वविद्यालय में उपलब्ध उन्नत वैज्ञानिक उपकरण शोध को नई ऊंचाई दे रहे हैं- कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता

डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में आयोजित की गई पांच दिवसीय कार्यशाला

आचार्य सर प्रफुल्ल चंद्र रे की स्मृति में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी पर पांच दिवसीय कार्यशाला एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम दिनांक 20 अगस्त से 24 अगस्त के मध्य आयोजित किया गया। जिसमें देश भर के 45 प्रतिभागीयों ने भाग लिया। जैसा कि विदित है की डॉक्टर हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय में कई अत्यधिक परिष्कृत उपकरण है जिनकी ट्रेनिंग नई पीढ़ी के लिए अत्यावश्यक है। इसी आवश्यकता को देखते हुए कुलगुरु प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता की पहल पर विश्वविद्यालय

अलग-अलग उपकरणों पर कार्यशाला आयोजित कर रहा है। इसी तारतम्य में पहली कार्यशाला हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी पर आयोजित की गई है।

पहले दिन विश्वविद्यालय की कुलगुरु एवं इनॉग्रेशन सेशन की अध्यक्ष प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय में उपस्थित विशिष्ट उपकरणों को मध्य भारत में एक धरोहर की तरह प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि इन उपकरणों की मदद से विवि में हो रहे शोध नई ऊंचाई पा रहे हैं। इंडियन जूलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया के पूर्व निदेशक डॉक्टर कैलाश चंद्र ने लुप्त होती प्रजातियों के बारे में बड़ा सारगर्भित उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि आज माइक्रोस्कोपिक के युग में प्रजातियों को खोजना आसान हो गया है। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर एसपी गौतमजी ने भारतीय ज्ञान परंपरा और उसमे वर्णित परमाणु, अणु, इलेक्ट्रॉन और फोटोन की शक्तियों के लिए हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कॉपी को ज्ञान एवं कर्म चक्षु से बड़े रोचक अंदाज में जोड़ा। सेशन का अंतिम वक्तव्य डॉ पुष्पल घोष जी ने दिया, जिसमें भारतीय विज्ञान परंपरा के विकास का वर्णन किया गया।

कार्यशाला के दूसरे दिन IISER भोपाल से आए प्रोफेसर आशीष श्रीवास्तव जी ने TEM के मूलभूत सिद्धांतों तथा उसके उपयोगो के बारे में जानकारी दी। डॉ. के बी जोशी जी ने AFM तकनीक की बारीकियों को समझाया और उसके उपयोगों के बारे में विद्यार्थियों को अवगत कराया।इसी क्रम में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. योगेश भार्गव जी ने सूक्ष्मदर्शी के विकास और क्रमिक विस्तार पर एक रोचक व्याख्यान दिया।

कार्यशाला के तीसरे दिन आईआईटी हैदराबाद से आए प्रोफेसर सुहास रंजन डे ने इलेक्ट्रॉन इमेजिंग पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया। इसके उपरांत डॉ विवेक मालवीय जी ने एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कॉपी द्वारा प्राप्त विश्लेषण पर व्याख्यान दिया। डॉ पुष्पल घोष ने इलेक्ट्रॉन इमेजिंग के द्वारा नैनोपार्टिकल्स के कैरक्टराइजेशन पर एक बेहतरीन उद्बोधन दिया।

कार्यशाला के चौथे दिन राजा रामन्ना इंस्टीट्यूट इंदौर से आई डॉक्टर प्रज्ञा तिवारी ने इलेक्ट्रॉन तथा एक्स रे इमेजिंग के सिद्धांत एवं उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। रसायन विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर कल्पतरु दास ने न्यूक्लियर मैग्नेटिक रिजोनेंस के सिद्धांतों का विश्लेषण किया एवं उनके उपयोगो पर जानकारी प्रदान की। प्रत्येक दिन भोजनावकाश के बाद विद्यार्थीयों के लिए हैंड्स ऑन ट्रेनिंग का आयोजन किया गया, जिसमें अलग अलग संस्थान से आए विशेषज्ञों ने उपकरणों पर ट्रेनिंग दी। जिसके तकनीकी हिस्से को श्री रमेश चंद्र प्रजापति, डॉ. विवेक पांडे, श्री शिवप्रकाश सोलंकी, श्री सौरभ शाह, श्री आशीष चदार एवं श्री अरविंद चदार ने संभाला।

कार्यक्रम के पांचवे और अंतिम दिन भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर से आए प्रोफेसर संदीप निगम ने ऊर्जा तथा कण के सिद्धांत को बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया आईआईटी हैदराबाद से आई डॉक्टर अनामिका भार्गव ने सरफेस इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप और उसके जीव विज्ञान में उपयोग पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से आए

प्रोफेसर हृदयेश मिश्रा ने फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी और उनके उपयोगों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। कार्यशाला के समापन समारोह में डॉ योगेश भार्गव ने कार्यशाला में आयोजित हर व्याख्यान का सारांश प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों में से श्री बलराम जी, सुश्री लक्ष्मी कुर्मी ,श्री कृष्णा थॉमस सुश्री सुहानी नागर, श्री गौरव रावत एवं सुश्री अंचल गुप्ता ने कार्यशाला के बारे में विद्यार्थियों का पक्ष रखा एवं कार्यशाला की तारीफ की। समापन समारोह को प्रोफेसर ए के सिंह, प्रोफेसर डीसी

मेश्राम, प्रोफेसर हृदयेश मिश्रा, डॉ संदीप निगम एवं डॉक्टर अनामिका भार्गव ने कार्यक्रम के बारे में अपना अनुभव साझा किया एवं विद्यार्थियों को इस अच्छी कार्यशाला में शामिल होने के लिए बधाई दी। डॉ विवेक मालवीय जी ने सेंटर ऑफ सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च की तरफ से सबको धन्यवाद दिया और ऐसी कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर पुष्पालघोष ने किया। समापन समारोह का संचालन डॉक्टर नीरज उपाध्याय ने किया। इस सारगर्भित कार्यशाला के पेट्रॉन प्रोफेसर हरेल थॉमस एवं प्रोफेसर श्वेता यादव थीं। कन्वीनर डॉ. पुष्पम घोष, डॉ. विवेक प्रकाश मालवीय और डॉ. योगेश भार्गव थे। श्री रमेश प्रजापति एवं श्री शिवप्रकाश सोलंकी कोषाध्यक्ष थे। कार्यशाला के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. विवेक प्रकाश मालवीय थे। संचालन डॉक्टर अभिलाषा दुर्गावंशी ने किया।

विश्वविद्यालय: स्वास्थ्य केंद्र द्वारा परीक्षा विभाग में रक्तचाप और मधुमेह परीक्षण हेतु शिविर का आयोजन

सागर. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा स्क्रीनिंग स्वास्थ्य शिविर के आयोजन की शुरुआत परीक्षा विभाग के 72 अधिकारी एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर की गई. शिविर में डायबिटीज की जांच के लिए एचबीएवनसी एवं ब्लड ग्लूकोज की रैंडम जांच की गई. साथ ही बीएमआई, रक्तचाप परीक्षण और रुटीन चेकअप

किया गया. सभी मरीजों को चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया. विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं शिविर संयोजक डॉ. अभिषेक कुमार जैन ने बताया कि पॉपुलेशन-आधारित ऑक्यूपेशनल ओपर्च्यूनिस्टिक नॉन-इनवेसिव स्क्रीनिंग शिविर अन्य रोगों के लिए भी विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे जिससे सभी को इसका लाभ मिल सके. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र की ओर से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉ. अभिषेक कुमार जैन, डॉ भूपेंद्र कुमार पटेल, अरुण सारोठिया, प्रमोद कुशवाहा, जयप्रकाश, अंकिता, दुर्गेश, भगत सिंह आदि की टीम सम्मिलित रही. इसके अतिरिक्त परीक्षा विभाग से प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसपी गादेवर, श्रीमती ए.लक्ष्मी, प्रदीप तिवारी, अजब सिंह और सभी कर्मचारी अधिकारियों ने उपस्थित रहकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया. शिविर परीक्षण के दौरान 15 व्यक्तियों को डायबिटीज 18 व्यक्तियों को उच्च रक्तचाप एवं 10 व्यक्तियों का बॉडी मांस इंडेक्स सामान्य से अधिक पाया गया जिन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया.

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि स्वास्थ्य केंद्र द्वारा समय-समय ऐसे शिविर आयोजन किये जाते हैं. विवि के शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी एवं विद्यार्थियों का लगातार स्वास्थ्य परीक्षण होना आवश्यक है ताकि समय से उन्हें अपने शरीर की स्वास्थ्य स्थितियों का पता चल सके और रोगों का समय पर निदान किया जा सके. विकास एवं प्रगति के लिए उत्तम स्वास्थ्य का भी होना अति आवश्यक है. विवि स्वास्थ्य केंद्र इस दिशा में कार्य कर रहा है. आने वाले समय में शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़े अन्य शिविर भी लगाएं जायेंगे जिनका लाभ विवि परिवार के सभी सदस्यों को मिलेगा.

‘पिपिंग सेरेमनी’ (Pipping Ceremony) का आयोजन

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्वर्ण जयन्ती सभागार में विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को मानद कर्नल रैंक एवं एनसीसी के कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित करने के लिए ‘पिपिंग सेरेमनी’ (Pipping Ceremony) का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनसीसी निदेशालय (म.प्र. एवं छत्तीसगढ़) के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल ए. के. महाजन थे. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कन्हैयालाल बेरवाल की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न इस कार्यक्रम में ब्रिगेडियर विकास बहुगुणा, कर्नल ए. के. बेंसला भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम आरम्भ हुआ.

चरित्र निर्माण एवं जीवन शैली में एनसीसी की अहम् भूमिका - मेजर जनरल महाजन

मुख्य अतिथि मेजर जनरल ए. के. महाजन ने अपने वक्तव्य में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अकादमिक उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें कर्नल की पदवी से सम्मानित होने पर बधाई दी. विश्वविद्यालय की अकादमिक संरचना और उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर जैसे अन्य नामचीन व्यक्तियों की सूची में माननीय कुलपति जी का नाम भी जुड़ गया है जिन्हें कर्नल की उपाधि से नवाज़ा गया है. उन्होंने एनसीसी के कार्यों को व्याख्यायित करते हुए सागर यूनिट के एनसीसी कैडेट्स की राष्ट्रीय प्रतिभागिता और उच्च प्रदर्शन की सराहना की. उन्होंने बताया कि वर्तमान में एनसीसी कैडेट्स की संख्या 17 लाख है और आगे आने वाले समय में

यह 25 लाख होने वाली है. एनसीसी विश्व की सबसे बड़ी युवा वालंटियर सेवा संस्था है. आज़ादी के पूर्व एनसीसी को सेकंड लाइन ऑफ़ डिफेन्स के रूप में स्वीकृत किया गया जो आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में सहायक भूमिका निभाती रही है. 1962 के युद्ध के बाद भारतीय थल सेना का विस्तार होना आरम्भ हुआ और इसके बाद एनसीसी पूर्ण रूप से राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध संस्था के रूप में आई. उन्होंने कहा कि देश का भविष्य शिक्षाविदों के हाथों में है और वे अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करते हुए राष्ट्र के भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं. उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पूर्व एनसीसी कैडेट्स रह चुके हैं. एनसीसी आपके चरित्र निर्माण एवं जीवन शैली में अहम् भूमिका निभाती है. यह आपको कर्त्तव्यनिष्ठ बनाती है जिससे आप राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा कर देश का भविष्य बना सकते हैं. एनसीसी आपको पंख देती है, उड़ने का काम आपको स्वयं करना होगा.

विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, सेवा और समर्पण की महती भूमिका- कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री कन्हैयालाल बेरवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता और सम्मान की बात है कि मैं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी के मानद कर्नल कमांडेंट के रूप में सम्मानित करने के अवसर का साक्षी बन रहा हूँ. यह केवल एक व्यक्तित्व उपलब्धि का उत्सव नहीं है अपितु
उनकी उत्कृष्टता, नेतृत्व और सेवा का भी सम्मान है. कुलपति के रूप में प्रो. गुप्ता का कार्यकाल उनकी दूरदर्शी सोच और

छात्रों के बीच शैक्षणिक और नेतृत्व कौशल को प्रोत्साहित करने के प्रति उनकी समर्पित प्रतिबद्धता का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर ने अभूतपूर्व प्रगति की है. एनसीसी कैडेट्स को अपने प्रशिक्षण और विकास में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाने और प्रोत्साहन में उनकी बड़ी भूमिका है. प्रो. गुप्ता की यह नई भूमिका असाधारण योगदानों का सम्मान है और उनके गौरवपूर्ण सफर का एक नया अध्याय है. यह एक ऐसी भूमिका है जो समर्पण और जुनून मांगती है. मानद कर्नल कमांडेंट के रूप में वे हमारे कैडेट्स के लिए उत्कृष्टता और प्रतिबद्धता का उदाहरण पेश करते हुए प्रेरित और नेतृत्व करती रहेंगी. एनसीसी अनुशासन, सेवा, समर्पण और प्रतिबद्धता की शिक्षा देता है जो विद्यार्थियों के जीवन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. आइए हम नई ऊर्जा के साथ उत्कृष्टता और सेवा के प्रति साझा प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ें.

एनसीसी से मिला सम्मान डॉ. सर हरीसिंह गौर के आशीर्वाद का प्रतीक है- कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि एक बड़ा सम्मान मिलने के अवसर पर इतनी महत्त्वपूर्ण सभा को संबोधित करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है. उन्होंने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता और गौरव महसूस हो रहा है कि मुझे राष्ट्रीय कैडेट कोर के मानद कर्नल कमांडेंट का का रैंक प्रदान कर सम्मानित किया जा रहा है. यह सम्मान मेरे लिए महत्वपूर्ण है. उन्होंने इसके लिए भारत की माननीय राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

और रक्षा मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एनसीसी के महानिदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक और सभी समर्पित अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया. उन्होंने कहा कि आपका विश्वास और समर्थन अत्यधिक मूल्यवान है, और मैं इस भूमिका को अत्यधिक सम्मान और प्रतिबद्धता के साथ स्वीकार करती हूँ. उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय और डॉ. सर हरीसिंह गौर के आशीर्वाद का प्रतीक है. यह हमारे कुलाधिपति

के आत्मीय सहयोग, हमारे शिक्षकों की समर्पण भावना, और हमारे छात्रों की उत्सुकता को भी प्रतिबिंबित करता है. हम सबने मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित और विकसित किया है जो नेतृत्व, अनुशासन, और उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है. इस प्रतिष्ठित संस्था में अपने कार्यकाल के दौरान, विश्वविद्यालय और हमारे एनसीसी कैडेट्स के विकास और उन्नति में अर्थपूर्ण योगदान देने के लिए स्वयं को समर्पित करने का प्रयास किया है. हमारे कैडेट्स को प्रतिष्ठित शिविरों जैसे गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) और अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर (एआईटीएससी) में भाग लेते हुए मार्गदर्शन, समर्थन और प्रोत्साहित करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है. मुझे अत्यंत गर्व है कि इस वर्ष 2024 में हमारे 6 कैडेट्स का चयन आरडीसी के लिए हुआ, और 4 कैडेट्स एआईटीएससी में चयनित हुए, जहां हमारे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ निदेशालय ने 'जजिंग डिस्टेंस एंड फील्ड सिग्नल (जेडी एंड एफएस)' इवेंट में 17 निदेशालयों में से चौथा स्थान हासिल किया.

इसके अतिरिक्त, हमारे एक कैडेट ने एआईटीएससी में सेवा शूटिंग इवेंट में स्वर्ण पदक भी जीता. हमारे एनसीसी कैडेट्स को उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देखना और उनके कठोर परिश्रम और समर्पण को सराहना मिलते देखना अत्यंत संतोषजनक रहा है. इसके अलावा, उनकी मावलंकर शिविर, आईएमए अटैचमेंट कैंप, उन्नत नेतृत्व शिविर, माउंटेनियरिंग कैंप और राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में भागीदारी ने उन्हें अनमोल अनुभव प्रदान किए हैं. इन अवसरों ने उन्हें आवश्यक कौशल अर्जित करने और उन्हें निखारने में सक्षम बनाया है, जो निस्संदेह उनके भविष्य के प्रयासों में उनकी सहायता करेंगे। मैं हमारे प्रतिभाशाली कैडेट्स को हार्दिक बधाई देती हूँ. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में हमारे कैडेट्स को सेना भर्ती की तैयारी में सहायता करने के लिए एक नए बाधा प्रशिक्षण क्षेत्र, शिवाजी ऑब्स्टेकल कोर्स आज शुरू किया जा रहा है. यह एक चुनौतीपूर्ण कोर्स है, जिसमें मानसिक और शारीरिक दृढ़ता दोनों की आवश्यकता होती है. विश्वविद्यालय के प्रयासों ने न केवल हमारे शैक्षिक और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ाया है, बल्कि अन्य संस्थानों के लिए एक नया मानक भी स्थापित

किया है. समुदाय के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना और छात्रों में जिम्मेदारी की भावना का पोषण करना महत्वपूर्ण है। इसके तहत पर्यावरण दिवस, स्वास्थ्य
दिवस, और स्वच्छता जागरूकता पर विभिन्न रैलियों और अभियानों की शुरुआत करने के लिए प्रेरणा मिली. हमने कई सफल वृक्षारोपण अभियान भी किए हैं. इन पहलों ने न केवल हमारी अटूट समर्पण को प्रदर्शित किया है बल्कि हमारे विश्वविद्यालय के पर्यावरण को समृद्ध किया है और इसकी समग्र छवि में वृद्धि की है. उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल एक संगठन नहीं है, बल्कि यह एक जीवन शैली है जो आपको पूरी तरह से एक समग्र व्यक्तित्व व्यक्ति में परिवर्तित करता है. एनसीसी की वर्दी पहनना न केवल गर्व की बात है, बल्कि यह देश के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है. राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय गर्व और शक्ति का एक स्तंभ है। राष्ट्र निर्माण, व्यक्तिगत विकास, और सामाजिक समरसता में इसका योगदान अमूल्य है. एनसीसी विविधता में एकता के सिद्धांत को अपनाता है, जो विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए व्यक्तियों को एक सामान्य उद्देश्य के लिए एकत्र करता है. मैं इस समावेशिता और समर्पण की भावना को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ और आश्वस्त करती हूँ कि मुझ पर सौंपी गई जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पूरी तरह समर्पित रहूंगी.

शिवाजी ऑब्सटेकल कोर्स का अतिथियों ने किया उदघाटन

मंचस्थ अतिथियों के द्वारा शिवाजी ऑब्सटेकल कोर्स का उदघाटन किया गया. यह एक चुनौतीपूर्ण कोर्स है जिसमें शारीरिक और मानसिक रूप से दृढ़ता के साथ परीक्षण और ट्रेनिंग दी जाती है. यह कोर्स सेना और रक्षा के सभी क्षेत्रों के लिए महत्त्वपूर्ण है. इस कोर्स का संचालन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के स्टेडियम परिसर से किया जाएगा.

एनसीसी के एयर विंग की शुरुआत के लिए होंगे प्रयास, नई यूनिट भी शुरू होगी

सम्मान कार्यक्रम के पश्चात सभी अतिथियों ने गोष्ठी कक्ष में मीडिया से संवाद भी किया. इस अवसर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एनसीसी के एयर विंग शुरू किये जाने की मांग पर मेजर जनरल महाजन ने कहा कि निकट भविष्य में सभी तैयारियों एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर को दृष्टिगत रखते हुए इसे शुरू किया जा सकता है. कुलपति ने इस दौरान एनसीसी की अतिरिक्त यूनिट की भी मांग रखी जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को एनसीसी से जुड़ने का अवसर मिल सके. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. ए डी शर्मा, प्रो. डी के नेमा, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. अनिल जैन, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. सुशील काशव, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. आशुतोष मिश्र, डॉ. रजनीश, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. सुमन पटेल, डॉ. विवेक जायसवाल, उपकुलसचिव सतीश कुमार सहित विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, एनसीसी के अधिकारीगण, एनसीसी कैडेट्स एवं सागर शहर के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सम्मानित पत्रकारगण उपस्थित रहे.

कुलपति एवं कुलाधिपति ने गौर समाधि पहुँचकर डॉ. गौर को पुष्पांजलि दी

समारोह के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल एवं कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता गौर समाधि पहुँचे और डॉ. गौर की समाधि पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी.उपाध्याय, सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेन्द्र यादव सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक मौजूद रहे.

खबरों में विश्वविद्यालय

पौधारोपण को व्यवहार का जरूरी हिस्सा बनाएं

पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान छात्रावास परिसर में पौधारोपण किया गया। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत छात्रावास परिवार की ओर से 'प्रकृति के प्रति पौधारोपण की एक छोटी सी भेंट' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने छात्रावास के मुख्य कार्यालय पर अमलतास का पौधा लगाकर किया।

उन्होंने कहा कि "पेड़ प्रकृति के प्रति व्यक्त किया गया आश्वासन है। यदि हम आज एक पेड़ लगाते हैं तो हम अपने भविष्य को समृद्ध बना रहे हैं, इसलिए हमें पौधरोपण को अपने व्यवहार का एक जरूरी हिस्सा बनाना चाहिए। प्रतिपालकों, छात्रावासियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में आत्मीयता के साथ हिस्सा लेते हुए 100 पेड़ लगाएं। इस अवसर पर कुलपति जी ने छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों से संवाद भी किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष, प्रतिपालक परिषद प्रो.रत्नेश दास, प्रो. सुशील काशव, डा. राकेश सोनी, डा. अभिज्ञान द्विवेदी, डा. नीरज उपाध्याय, डा. बबलू राय, डा. अरविन्द गौतम, डा. गौतम प्रसाद, डा. आशुतोष, सुनील दुबे, अनीस खान, सत्यनारायण सारथी, राम शरण सिंह, महेन्द्र काकोटिया, रेशमपाल सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में छात्रवासी उपस्थित रहे।

पेड़ प्रकृति के प्रति व्यक्त की गई निर्मल कृतज्ञता हैः प्रो. गुप्ता

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि युवक छात्रावास में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत छात्रावास परिवार की ओर से प्रकृति के प्रति वृक्षारोपण की एक छोटी सी भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने छात्रावास के मुख्य कार्यालय पर अमलतास का पौधा लगाकर किया। उपस्थित लोगों के साथ संवाद करते हुए कुलपति ने कहा कि पेड़ प्रकृति के प्रति व्यक्त किया गया आश्वासन है। यदि हम आज एक पेड़ लगाते हैं तो हम अपने भविष्य को समृद्ध बना रहे हैं, इसलिये हमें पौधरोपण को अपने व्यवहार का एक जरुरी हिस्सा बनाना चाहिये। प्रतिपालकों, छात्रावासियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में आत्मीयता के साथ हिस्सा लेते हुए 100 पौधे लगाये। इस अवसर पर कुलपति ने छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों से संवाद भी किया। इस अवसर पर अध्यक्ष, प्रतिपालक परिषद प्रो. रत्नेश दास, प्रो. सुशील काशव, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी आदि सहित बड़ी संख्या में छात्रवासी उपस्थित रहे।

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे की जयंती मनाई

सागर @ पत्रिका. भारत के महान रसायनज्ञ, उद्यमी और आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे का जन्म दिवस पर डॉ. हरिसिंह गौर विवि के रसायन विभाग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. एपी मिश्रा ने कहा आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे भारतीय रसायनज्ञों के आत्मविश्वास को चरम तक पहुंचने वाले व्यक्ति थे। हम हर साल उनकी जयंती इतनी श्रद्धा के साथ मनाते हैं। इस मौके पर डॉ पुष्पम घोष, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आयुष गुप्ता एवं डॉ. कश्टी बल्लभ जोशी ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रितु यादव, डॉ. अभिलाषा दुर्गवंशी, डॉ. केबी जोशी, डॉ. कल्पतरु दास थे। अध्यक्षता प्रोफेसर एपी मिश्रा ने की।

पेड़ प्रकृति के प्रति व्यक्त की गई निर्मल कृतज्ञता हैः गुप्ता

सागर, आचरण। युवक छात्रावास, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत छात्रावास परिवार की ओर से प्रकृति के प्रति वृक्षारोपण की एक छोटी सी भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने छात्रावास के मुख्य कार्यालय पर अमलतास का पौधा लगाकर किया. उपस्थित लोगों के साथ संवाद करते हुए कुलपति ने कहा कि पेड़ प्रकृति के प्रति व्यक्त किया गया आश्वासन है. यदि हम आज एक पेड़ लगाते हैं तो हम अपने भविष्य को समृद्ध बना रहे हैं, इसलिए हमें पौधरोपण को अपने व्यवहार का एक जरुरी हिस्सा बनाना चाहिए. प्रतिपालकों, छात्रावासियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में आत्मीयता के साथ हिस्सा लेते हुए 100 पेड़ लगाये। इस अवसर पर कुलपति जी ने छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों से संवाद भी किया। इस अवसर पर अध्यक्ष, प्रतिपालक परिषद प्रो.रत्नेश दास, प्रो. सुशील काशव, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. अभिज्ञान द्विवेदी, डॉ. नीरज उपाध्याय, डॉ. बबलू राय, डॉ. अरविन्द गौतम, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. आशुतोष, सुनील दुबे, अनीस खान, सत्यनारायण सारथी, राम शरण सिंह, महेन्द्र काकोटिया, रेशमपाल सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में छात्रवासी उपस्थित रहे।

विवि छात्र का सम्मान

सागर. डा हरीसिंह गौर विवि के रसायन विभाग के शोध छात्र रवि भूषण पाठक को भावनगर गुजरात में मटेरियल्स ऐंड मैम्बरेन्स फॉर वाटर एंड इनर्जी विषय पर आयोजित सम्मेलन में ओरल प्रेजेंटेशन में पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. श्री पाठक प्रो. एपी मिश्रा के एवं प्रो. विजय वर्मा के निर्देशन में ईधन बैटरी पर शोध कार्य कर रहे हैं. उपलब्धि पर डा विवेक तिवारी, डा एनपी सिंह, अंकित चौबे ने बधाई प्रेषित दी.

पीजी में प्रवेश के लिए 5 अगस्त तक होंगे आवेदन, खाली सीटों पर प्रवेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर प्रोग्रामों में तीन काउंसलिंग के बाद रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए पुनः पोर्टल खोला गया है। नवीन पंजीकरण के लिए समर्थ पोर्टल खोला गया है। पंजीयन की अंतिम तारीख 5 अगस्त है, जो आवेदक विवि के पोर्टल पर पूर्व में पंजीकृत हैं, उन्हें पुनः पंजीकरण नहीं कराना है। जिन आवेदकों ने सीयूपीटी पीजी की परीक्षा दी थी, लेकिन किसी कारण से समर्थ पोर्टल पर प्रथम काउंसलिंग पूर्व पंजीकृत नहीं हो सके थे, वे पंजीकरण के लिए पात्र होंगे। इस क्राउंसलिंग में किसी एक विषय या डोमेन में पंजीकृत आवेदक अन्य विषयों एवं डोमेन में भी प्रवेश ले सकते हैं।

यूजी में प्रवेश के लिए अगस्त में खुलेगा पोर्टल

एनटीए द्वारा सीयूईटी यूजी का रिजल्ट 28 जुलाई को घोषित कर दिया है। विवि में यूजी प्रवेश के लिए पंजीयन पोर्टल अगस्त के पहले सप्ताह में ही खोला जाएगा। स्नातक प्रवेश के लिए काउंसलिंग दूसरे और तीसरे सप्ताह में होगी। केवल पोर्टल पंजीकृत आवेदक ही यूजी एड़मिशन काउंसलिंग में भाग ले सकेंगे। विवि की वेबसाइट पर भी विद्यार्थी जानकारी ले सकते हैं।

विवि के रसायन विभाग में मनाया आचार्य रे का जन्मदिवस

जागरण, सागर। डॉ.हरीसिंह गौर विवि के रसायनशास्त्र विभाग में आचार्य पीसी रे का जन्मदिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर विभाग के समस्त पूर्व अध्यक्ष और शिक्षकों को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और शोध छात्रों ने यह कार्यक्रम आयोजित किया था। कार्यक्रम के संयोजक विभाग अध्यक्ष प्रो.एपी मिश्रा द्वारा प्रारम्भ की गयी यह परंपरा प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी वृहद रूप से मनायी गई। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष प्रो.एसपी बनर्जी, प्रो.केएस पित्रे, प्रो.ओपी श्रीवास्तव, प्रो.अनूप बनर्जी, प्रो.अर्चना पांडे अतिथियों के रूप में सम्मानित हुए। सभी ने अपने ज्ञानवर्धक उद्बोधन से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। आयोजन में आचार्य पीसी रे के योगदान और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में प्रो.एनपी सिंह, डॉ.विवेक तिवारी, डॉ.रितु यादव, डॉ.केके राज, डॉ.मिलिंद देशमुख, डॉ.कल्पतरु दास, संदीप शुक्ला, अमूल केशरवानी, अनिल वाहे सहित विभाग के विद्यार्थी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सीयूईटी परीक्षा नहीं देने वाले विद्यार्थी भी विवि में पीजी में ले सकते हैं प्रवेश, आज ही करना होगा पंजीयन

दूसरे विषय में भी प्रवेश के लिए कर सकते हैं आवेदन, काउंसिलिंग 12 से 14 अगस्त तक

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की खाली सीटों पर ऐसे विद्यार्थी भी एडमिशन ले सकते हैं, जिन्होंने किन्हीं कारणों से एनटीए द्वारा आयोजित सीयूईटी-पीजी परीक्षा नहीं दी। ऐसे विद्यार्थी नॉन-सीयूईटी मोड में समर्थ पोर्टल पर पंजीयन 5 अगस्त यानी सोमवार तक करा सकते हैं। यह पंजीयन कराने की स्थिति में ही वे काउंसिलिंग में शामिल होंगे। स्नातकोत्तर की खाली सीटों पर प्रवेश के लिए चौथी काउंसलिंग 12 से 14 अगस्त तक चलेगी। प्रवेश प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. दिवाकर शुक्ला ने बताया कि ऐसे विद्यार्थी जो अपरिहार्य कारणों से पूर्व में समर्थ पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हो सके हैं, उनके लिए स्नातकोत्तर प्रवेश पोर्टल सोमवार तक खुला है। ऐसे विद्यार्थी जिनके पास सीयूईटी पीजी स्कोर किसी अन्य विषय से हैं, परंतु वे उन स्कोर पर अन्य विषय में प्रवेश लेना चाहते हैं, वे भी चौथी काउंसलिंग में 13 एवं 14 अगस्त को दोपहर बाद होने वाली काउंसिलिंग में शामिल हो सकते हैं। ऐसे सभी विद्यार्थी जो पूर्व में हुई तीन काउंसलिंग में किन्हीं कारणों से प्रवेश नहीं पा सके हैं, वे भी चौथी काउंसलिंग में 12 से 14 अगस्त को भाग ले सकते हैं। प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर जाकर ले सकते हैं। इसके साथ ही एडमिशन सेल से भी वे जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। छात्र हितों में यह पहली बार हुआ है, जब प्रवेश-परीक्षा से वंचित विद्यार्थियों को भी काउंसिलिंग के माध्यम से खाली सीटों पर प्रवेश मिल सकेगा। इससे विवि में खाली रहने वाली सीटों की संख्या भी कम होगी। विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ का आयोजन

विद्यार्थी बेहतर इंसान बनें और देश की सेवा करें : कुलपति

पत्रिका
पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ का आयोजन किया गया। स्वर्ण जयंती सभागार में मां सरस्वती व डॉ. सर गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई।

अधिष्ठाता छात्र-कल्याण प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा कि डॉ. गौर के स्वप्नों और विरासत को विश्व भर में पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आप सब के कंधों पर है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आपको डॉ. गौर की धरती पर उनके स्वप्नों के विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का अवसर मिला है। विश्वविद्यालय एक ऐसा स्थल है, जहां आप अपने जीवन को बेहतर बनाते हैं। आप यहां शिक्षा ग्रहण करते हुए एक बेहतर इंसान बनें, मनुष्यता की राह चुनें और देश की सेवा करें। उन्होंने कहा इस अवसर को परिणाम में बदलते हुए अपनी अकादमिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मेधा को विश्व पटल पर स्थापित कीजिए। प्रो. नवीन कांगो निदेशक अकादमिक गतिविधियां ने विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए विभिन्न पाठ्यक्रम संरचनाओं, विषयों के चयन व अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट जैसे विषयों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। अध्यक्ष प्रतिपालक परिषद प्रो. रत्नेश दास ने विश्वविद्यालय छात्रावासी सुविधाओं, सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों, खेल एवं शारीरिक शिक्षा के निदेशक डॉ. विवेक साठे ने खेल-कूद संबंधी सुविधाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक परिषद की ओर से विद्यार्थियों ने सांगीतिक प्रस्तुतियां दीं।

विद्यार्थी मनुष्यता की राह चुनें, बेहतर इंसान बनें और देश की सेवा करें : कुलपति

स्नातकोत्तर व शोध पाठ्यक्रम के प्रवेशित छात्रों का दीक्षारंभ समारोह हुआ। • नवदुनिया

दीक्षारंभ कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

स्वागत वक्तव्य देते हुए अधिष्ठाता, छात्र-कल्याण प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने कहा कि डा. गौर के स्वप्नों और विरासत को विश्व भर में पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आप सब के कंधों पर है। कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आपको डा. गौर की धरती पर उनके स्वप्नों के विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का अवसर मिला है। विश्वविद्यालय एक ऐसा स्थल है जहां आप अपने जीवन को बेहतर बनाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का पूरा लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त ज्ञान प्रदान करना और कौशल शिक्षा देना है जिससे विद्यार्थी आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के शिक्षा संबंधी विचार आज के समय में भी अति प्रासंगिक हैं क्योंकि उनका मानना था कि वह शिक्षा किसी काम की नहीं जो एक बेहतर इंसान न बना सके। इसलिए आप यहां शिक्षा ग्रहण करते हुए एक बेहतर इंसान बनें, मनुष्यता की राह चुनें और देश की सेवा करें।

अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने की दी जानकारी : कुलानुशासक प्रो. चंदा बैन ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। प्रो. नवीन कांगो, निदेशक, अकादमिक गतिविधियां एवं विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये गए विभिन्न पाठ्यक्रम संरचनाओं से अवगत कराया। प्रो. रत्नेश दास, डा. राकेश सोनी ने विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों से अवगत कराया। इसके अलावा खेल एवं शारीरिक शिक्षा के निदेशक डा. विवेक साठे, डा. संजय शर्मा, डा. अनुराग श्रीवास्तव, प्रो. पुणताम्बेकर, डा. रूपेंद्र चौरसिया, डा. रश्मि सिंह एवं डा. अभिषेक जैन ने विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं संबंधी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डा. शशि कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक परिषद् की ओर से विद्यार्थियों ने सांगीतिक प्रस्तुतियां दी।

विवि. का नाम रोशन करें : प्रो नीलिमा

विवि में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ का हुआ आयोजन

● **सागर / आरएनएन**

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न हुआ। स्वागत वक्तव्य देते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो अम्बिकादत्त शर्मा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों से कहा कि डॉ गौर के स्वप्नों और विरासत को विश्व भर में पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आप सब के कंधों पर है। विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आपको डॉ गौर की धरती पर उनके स्वप्नों के विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का अवसर मिला है। विश्वविद्यालय एक ऐंसा स्थल है जहां आप अपने जीवन को बेहतर बनाते हैं। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय में व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास, चारित्रिक विकास सहित विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए कई केंद्र और गतिविधियां संचालित हैं, सभी विद्यार्थी इसमें पूरे मनोयोग से सहभागी बनें और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। यहां के प्रत्येक विद्यार्थी में डॉ गौर की मेधा का प्रतिविम्ब परिलक्षित होना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक परिषद् की ओर से विद्यार्थियों ने सांगीतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर प्रो चन्दा बैन, प्रो नवीन कांगो, प्रो रत्नेश दास, डॉ राकेश सोनी, डॉ विवेक साठे, डॉ संजय शर्मा, डॉ अनुराग श्रीवास्तव, प्रो पुणताम्बेकर, डॉ रूपेंद्र चौरसिया, डॉ रश्मि सिंह, डॉ अभिषेक जैन आदि सहित विवि के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ शशि कुमार सिंह ने किया।

सम्मान | नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ का हुआ आयोजन

विद्यार्थी मनुष्यता की राह चुनें, बेहतर इंसान बनें और देश की सेवा करें: गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सत्र 2024-25 में स्नातकोत्तर एवं शोध पाठ्यक्रम में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ का आयोजन विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में संपन्न हुआ। देवी सरस्वती एवं डॉ. गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा कुलपति का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। स्वागत वक्तव्य देते हुए अधिष्ठाता, छात्र-कल्याण प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. गौर के स्वप्नों और विरासत को विश्व भर में पहुंचाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आप सब के कंधों पर है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आपको डॉ. गौर की धरती पर उनके स्वप्नों के विश्वविद्यालय में अध्ययन करने का अवसर मिला है. विश्वविद्यालय एक ऐसा स्थल है जहाँ आप अपने जीवन को बेहतर बनाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का पूरा लक्ष्य विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त ज्ञान प्रदान करना और कौशल शिक्षा देना है जिससे विद्यार्थी आत्मनिर्भर बन सकें. इस विश्वविद्यालय में व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास, चारित्रिक विकास सहित विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए कई केंद्र और गतिविधियाँ संचालित हैं। सभी विद्यार्थी इसमें पूरे मनोयोग से सहभागी बनें और विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के शिक्षा संबंधी विचार आज के समय में भी अति प्रासंगिक हैं क्योंकि उनका मानना था कि वह शिक्षा किसी काम की नहीं जो एक बेहतर इंसान न बना सके. इसलिए आप यहाँ शिक्षा ग्रहण करते हुए एक बेहतर इंसान बनें, मनुष्यता की राह चुनें और देश की सेवा करें। आप इस अवसर को परिणाम में बदलते हुए अपनी अकादमिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मेधा को विश्व पटल पर स्थापित कीजिये. यहाँ के प्रत्येक विद्यार्थी में डॉ. गौर की मेधा का प्रतिबिम्ब परिलक्षित होना चाहिए। कुलानुशासक प्रो. चन्दा बैन ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन व्यवस्था बनाये रखने में उनकी भूमिका को रेखांकित किया. प्रो. नवीन कांगो, निदेशक, अकादमिक गतिविधियां एवं विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये गए विभिन्न पाठ्यक्रम संरचनाओं, विषयों के चयन एवं अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट जैसे महत्वपूर्ण विषयों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। अध्यक्ष, प्रतिपालक परिषद् प्रो. रत्नेशदास ने विश्वविद्यालय छात्रावासी सुविधाओं, सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने विद्यार्थियों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों, खेल एवं शारीरिक शिक्षा के निदेशक डॉ. विवेक साठे ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध खेल-कूद संबंधी सुविधाओं, डॉ. संजय शर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रो. उत्सव आनंद ने छात्रवृत्ति संबंधी विभिन्न योजनाओं, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने पुस्तकालय, प्रो. पुणताम्बेकर ने प्लेसमेंट प्रकोष्ठ, आईटी सेल से डॉ. रूपेंद्र चौरसिया, कन्या छात्रावास के बारे में डॉ. रश्मि सिंह एवं डॉ. अभिषेक जैन ने विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं संबंधी जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शशि कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम के अंत में सांस्कृतिक परिषद् की ओर से विद्यार्थियों ने सांगीतिक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

जनता के बात पत्रिका के साथ के तहत कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दिए सवालों के जवाब

विद्यार्थियों को रोजगार मूलक शिक्षा देने के लिए शुरू हुए 22 नए पाठ्यक्रम

पत्रिका जनता की बात

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय

सागर. जनता की बात पत्रिका के साथ के डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता से जिले की जनता ने सवाल पूछे। शहर के लोगों का डॉ. हरिसिंह गौर विवि से खास लगाव है। ऐसे में कई वर्षों से विद्यार्थियों को आ रही समस्याएं, शिकायतें, विवि में नए कोर्स और जमीन के उपयोग आदि के प्रश्न लोगों ने पूछे हैं। विद्यार्थियों ने भी नए कोर्स की जानकारी मांगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने लोगों के सवालों के गंभीरता से उत्तर दिए हैं। उनका कहना है कि दुनिया के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों से तुलना करें तो हमारे विश्वविद्यालय के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की असीम क्षमता एवं संभावनाएं हैं। कुलपति ने बताया कि विवि में कृषि इंजीनियरिंग जैसे विषयों के अध्ययन-अध्यापन एवं शोध का कार्य शुरू किया जाएगा। इससे स्थानीय कृषि उत्पादकता को भी लाभ मिलेगा और स्थानीय स्वरोजगार के अवसर भी खुलेंगे। आयुष मंत्रालय, डाबर, बैद्यनाथ आदि से संपर्क स्थापित कर विवि अपनी भूमि पर औषधियुक्त पौधे लगाकर भी आय बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। इसी के साथ छात्रों के लिए स्टार्टअप तथा इनोवेशन के लिए स्थान देकर विवि आय का जरिया बनाने की ओर अग्रसर है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: मल्टीडिसप्लनरी एजुकेशन, मल्टीपल एंट्री-एक्जिट, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट आदि का प्रावधान

Q विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की कई समस्याएं एवं अन्य शिकायतें भी होती हैं। इनके निवारण के लिए आपने कौन से कदम उठाए हैं?

A विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की समस्या समाधान के लिए छात्र कल्याण बोर्ड, प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं यूजीसी के नियमों के तहत शिकायत निवारण प्रकोष्ठ एवं अन्य कई समितियां गठित हैं। शिकायतों के अनुसार उनका समयबद्ध निवारण किया जाता है। नियमानुसार विभिन्न समितियों के माध्यम से उचित क्रियान्वयन करते हुए समाधान किया जाता है। मुझे प्रसन्नता है कि वर्षों से लंबित कई पुरानी समस्याओं का निवारण कर दिया गया है। आज डॉ. हरिसिंह गौर सागर विश्वविद्यालय देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में गिना जाने लगा है।

Q आप देश-विदेश के कई शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़ी हुई हैं, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में शिक्षा का स्तर पर कहां पाती हैं ?

A डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय देश के प्राचीन एवं ख्यातिलब्ध विश्वविद्यालयों में से एक है। विदेश से भारत बहुत कम छात्र पढ़ने आते हैं। पिछले वर्ष मात्र 40 हजार छात्र भारत आए थे जबकि भारत से 10 लाख से अधिक छात्र विदेश पढ़ने गए। दुनिया के श्रेष्ठ विश्वविद्यालयों से तुलना करें तो हमारे विश्वविद्यालय के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने की असीम क्षमता एवं संभावनाएं हैं। विश्वविद्यालय में हो रहे शोधों के कारण हमें लगातार अच्छी रैंकिंग मिल रही है। विश्वविद्यालय में स्पेन, ताइवान, जर्मनी, नेपाल जैसे देशों के विश्वविद्यालयों से एकेडमिक एक्सचेंज, ज्वाइंट एवं डुअल डिग्री प्रोग्राम संचालित किये जाने की प्रक्रिया जारी है।

Q वर्तमान में शिक्षा को रोजगार मूलक बनाने के लिए जोर दिया जा रहा है। विवि में ऐसे कौन से कोर्स हैं, जो विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बना सकते हैं?

A राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य ही विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना है। हमने पूरी तरह से इस नीति को पाठ्यक्रमों के माध्यम से क्रियान्वयन कर लिया है। रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के कम्युनिटी कॉलेज नाम से एक पूरा केंद्र ही स्थापित है। जिसमें 22 पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके अलावा इंजीनियरिंग के 06 नए पाठ्यक्रम, मैनेजमेंट के 03 नए पाठ्यक्रम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पर्यावरण विज्ञान, होटल मैनेजमेंट जैसे विषयों में रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।

Q राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में ऐसे तीन प्रमुख बदलाव क्या हैं, जो शिक्षा को बेहतर बनाते हैं?

A राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 पूर्ववर्ती नीतियों की बेहतर बातों को समायोजित करते हुए कई नए बिंदुओं को विमर्श के केंद्र में लाती है। जिसमें मल्टीडिसप्लनरी एजुकेशन, मल्टीपल एंट्री-एक्जिट, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट आदि का प्रावधान है। इसमें रिसोर्स जेनरेशन, स्ट्रेंथनिंग ऑफ द रिसोर्सेज के साथ ही स्किल एजुकेशन एवं रिसर्च पर भी जोर दिया गया है।

Q डॉ. हरिसिंह गौर विवि देश के उन चुनिंदा विश्वविद्यालयों में एक है, जिसके पास एक हजार एकड़ से ज्यादा जमीन है। विवि प्रशासन इसको क्या आय का जरिया बना सकता है?

A देश के अन्य विश्वविद्यालयों की तुलना में निश्चित रूप से हमारे विश्वविद्यालय के पास विस्तृत भू-क्षेत्र है। पूरा परिसर प्रदूषण रहित और हरियाली से समृद्ध है। विद्यार्थियों के उपयोग के लिए नए अकादमिक भवन, लैब, छात्रावास, कन्वेंशन सेंटर, सिंथेटिक ट्रैक आदि कार्य प्रगति पर हैं। निकट भविष्य में भूमि का सदुपयोग करते हुए कृषि विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों जैसे प्लांट साइंस, बागवानी, क्रॉप साइंस, मृदा विज्ञान, फूड साइंस, कृषि इंजीनियरिंग जैसे विषयों के अध्ययन-अध्यापन एवं शोध का कार्य शुरू किया जाएगा। आयुष मंत्रालय, डाबर, बैद्यनाथ आदि से संपर्क स्थापित कर विवि अपनी भूमि पर औषधियुक्त पौधे लगाकर भी आय बढ़ाने का प्रयास कर रहा है।

विवि में होने वाले कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाएं महिलाएं : ओमिका

विवि में महिला कार्यकारिणी के चुनाव हुए। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के महिला समाज के सत्र 2024-2025 की नई कार्यकारिणी का गठन संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार किया गया। कार्यकारिणी गठन के लिए प्रो अर्चना पांडेय को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया, जिनके निर्देशन में चुनाव हुए। चुनाव में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी की अध्यक्षा ओमिका सिंह को नियुक्त किया गया। सचिव सरोज आनंद, सहसचिव अनुराधा उपाध्याय एवं कोषाध्यक्ष अंजली भागवत को बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्या कल्पना शर्मा और कीर्ति राज नियुक्त हुईं। नवनियुक्त अध्यक्षा ओमिका सिंह ने सभी सदस्यों से कहा कि सभी सदस्य इस सत्र में होने वाले सामाजिक और अन्य कार्यक्रमों में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति बनाए रखें और समाज के विकास एवं उत्थान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिला क्लब की पदाधिकारी उपस्थित थी।

विश्वविद्यालय में महिला समाज की नई कार्यकारिणी का गठन

विश्वविद्यालयः महिला समाज की नई कार्यकारिणी का गठन

सागर,आचरण। डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के महिला समाज के सत्र 2024-2025 की नई कार्यकारिणी का गठन संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार किया गया। कार्यकारिणी गठन के लिए प्रो अर्चना पांडेय को चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया, जिनके कुशल निर्देशन और सौहार्दपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी की अध्यक्षा श्रीमति ओमिका सिंह'को नियुक्त किया गया। सचिव श्रीमति सरोज आनंद, सहसचिव श्रीमति अनुराधा उपाध्याय एवम् कोषाध्यक्ष श्रीमति अंजली भागवत जी को बनाया गया। कार्यकारिणी सदस्या श्रीमति कल्पना शर्मा और श्रीमति कीर्ति राज नियुक्त हुईं। इस अवसर पर महिला क्लब के सदस्यों की पर्याप्त संख्या में उपस्थिति सराहनीय थी। नवनियुक्त अध्यक्षा श्रीमति ओमिका सिंह ने सभी सदस्यों से विनम्र आग्रह किया कि सभी सदस्य इस सत्र में होने वाले सामाजिक और अन्य कार्यक्रमों में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति बनाये रखें और समाज के विकास एवं उत्थान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं ।

उपलब्धि हिंदी, अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में लिखी गई पुस्तकों का प्रधानमंत्री ने किया विमोचन, विवि में पढ़ रहे कई राज्यों के विद्यार्थी

पढ़ाई को सरल बनाने के लिए शिक्षकों ने कई भाषाओं में लिखीं पुस्तकें

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रदेशों से आकर पढ़ने वाले विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विवि के प्रोफेसरों ने एक दर्जन भाषाओं में अलग-अलग पुस्तके लिख दी हैं। इन पुस्तकों के लाइब्रेरी और बाजार में आने से विभिन्न शहरों के विद्यार्थी को पढ़ाई करना आसान हो गया है और वह अपने विषय से संबंधित जानकारी अपनी स्थानीय भाषा में कर रहे हैं। विवि के शिक्षकों द्वारा लिखी गई इन पुस्तकों का पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान विमोचन भी किया गया है।

विवि की फाइल फोटो।

दरअसल केंद्रीय विवि होने के कारण विवि में गुजरात, बंगाल, केरल सहित कई प्रदेशों के विद्यार्थी पढ़ने आए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के तीन वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर नई दिल्ली के 'भारत मंडपम' में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम में शिक्षा और कौशल पाठ्यचर्या से संबंधित 12 भारतीय भाषाओं के सौ पुस्तकों का विमोचन किया गया था, जिनमें विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकें भी इन पुस्तकों में शामिल हैं।

विवि के शिक्षकों द्वारा बंगाली, उर्दू, गुजराती सहित अन्य भारतीय भाषाओं में लिखी गई पुस्तकों से अध्यन करने में इन विद्यार्थियों के लिए सुविधा मिलेगी। गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत ज्ञान के प्रत्येक अनुशासनों और पाठ्यक्रमों की पुस्तकों को 22 भारतीय भाषाओं में लाने का लक्ष्य है जिसके तहत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के मार्गदर्शन में विवि के शिक्षकों द्वारा सक्रिय भागीदारी करते हुए विभिन्न विषयों की 12 से अधिक पुस्तकें प्रकाशन के लिए प्रेषित की गई थी।

विवि के इन शिक्षकों ने लिखी पुस्तकों का हुआ विमोचन

भौतिक विज्ञान में 'माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोकंट्रोलर एक परिचय' (लेखक प्रो. आशीष वर्मा एवं सह लेखक रितु आर्य), प्राचीन भारतीय इतिहास में 'प्राचीन भारतीय राजनय एवं प्रशासन' (लेखक प्रो. नागेश दुबे एवं सह लेखक प्रो. आलोक श्रोत्रिय), हिंदी में 'प्रेमचन्दोत्तार हिंदी कहानी मूल्य और मूल्यांकन' (लेखक डा. आशुतोष), रसायन में 'पेप्टाइड नैनो तकनीकी आधारित जैवचिकित्सकीय अनुप्रयोग' (लेखक डा. खष्टी बल्लभ जोशी, सह लेखक आनंद कौतु एवं श्रुति शर्मा), भाषा विज्ञान में 'अनुप्रयुक्तर भाषा विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग' (लेखक डा. अभिज्ञान द्विवेदी),मशीनी अनुवाद परिचय (लेखक डा. अभिज्ञान द्विवेदी), फार्मेसी में 'त्वचा रोग में उपयोगी औषधीय पौधे' (लेखक प्रो. उमेश के पाटिल एवं सह लेखक प्रो. संजय के जैन) रसायन में 'डी और एफ ब्लाक तत्वों के रासायनिक सिद्धांत' लेखक डा. नीरज उपाध्यामयं, फार्मेसी में 'भारतीय मसालों के औषधीय गुण' (लेखक प्रो. उमेश के पाटिल एवं सह लेखक प्रो. संजय के. जैन), उर्दू में 'इंतेखाव ए गुज़लियात' (लेखक डा. वसीम अनवर), रसायन पर बंगला भाषा में 'इंट्रोडक्शन आफ़ स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड क्वांटम केमिस्ट्री' (लेखक डा. पुष्पल घोष) रसायन में 'क्वांटम रसायन विज्ञान और स्पेक्ट्रोस्कोपी का परिचय' (लेखक डा. पुष्पल घोष, डा. नीरज उपाध्याय एवं डा. मौतुसी मन्त्रा) ने लेखन कार्य किया है।

> कुलपति के निर्देशन में विवि के शिक्षकों द्वारा विभिन्न प्रदेशों के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए विभिन्न भाषाओं मे 12 पुस्तकें लिखी है। इन पुस्तकों से दूसरे प्रदेशों के विद्यार्थियों को पढ़ाई करने में आसानी होगी। पिछले दिनों दिल्ली मे आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान इन पुस्तकों का प्रधानमंत्री ने विमोचन भी किया है।
>
> \- डा. विवेक जायसवाल, मीडिया अधिकारी डा. हरीसिंह गौर विवि।

श्रम अध्ययन में विशेषज्ञता आर्थिक क्षेत्रों में रोजगार के लिए प्रासंगिक : कुलपति

विश्वविद्यालय में इसी सत्र से शुरू होगी अर्थशास्त्र में श्रम अध्ययन की पढ़ाई

दबंग बुंदेलखंड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के अर्थशास्त्र विभाग में नवाचारी पाठ्यक्रम श्रम अध्ययन में पीजी डिप्लोमा शुरू किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर अर्थशास्त्र की पढ़ाई पूर्व से संचालित है लेकिन विशेषज्ञता वाले इस विशेष पाठ्यक्रम को इसी सत्र से संचालित किये जाने की योजना है। गौरतलब है कि अर्थशास्त्र विषय से जुड़े कई क्षेत्रों में विशेषज्ञों की मांग बढ़ी है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में पारंपरिक विषयों से जुड़े विशेषज्ञता वाले कौशल की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है. इसी को दृष्टिगत रखते हुए स्पेशलाइजेशन वाले पाठ्यक्रम शुरू किये जा रहे हैं। श्रम अध्ययन विषय आर्थिक क्षेत्रों जैसे बैंकिंग, बैंकिंग, वित्त, बीमा, उद्योग एवं शिक्षा से जुड़े में काफी प्रासंगिक है। निश्चित रूप से यह पाठ्यक्रम कौशल के साथ रोजगार दे पाने में सक्षम होगा। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रकाश काम्बले ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में श्रम अर्थशास्त्र के व्यापक क्षेत्रों में दक्षता विकसित करना, उनमें श्रम बाजार विश्लेषण और व्याख्या से संबंधित कौशल विकसित करना तथा छात्रों को अर्थशास्त्र, उद्योग, सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में रोजगार के लिए तैयार करना है। इसमें किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं। कुल सीटों की संख्या 30 है जिनमें मेरिट के आधार पर प्रवेश होगा। यह स्ववित्तपोषित पीजी डिप्लोमा है इस पाठ्यक्रम को करने के बाद विद्यार्थी श्रम अध्ययन के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल का उपयोग कर सकेंगे। शीघ्र ही विवि वेबसाईट पर इसकी प्रवेश सूचना जारी की जायेगी।

विवि में इसी सत्र से अर्थशास्त्र में श्रम अध्ययन की पढ़ाई शुरू होगी

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के अर्थशास्त्र विभाग में नवाचारी पाठ्यक्रम श्रम अध्ययन में पीजी डिप्लोमा शुरू किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर अर्थशास्त्र की पढ़ाई पूर्व से संचालित है, लेकिन विशेषज्ञता वाले इस विशेष पाठ्यक्रम को इसी सत्र से संचालित किए जाने की योजना है। गौरतलब है कि अर्थशास्त्र विषय से जुड़े कई क्षेत्रों में विशेषज्ञों की मांग बढ़ी है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि वर्तमान में पारंपरिक विषयों से जुड़े विशेषज्ञता वाले कौशल की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए स्पेशलाइजेशन वाले पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। श्रम अध्ययन विषय आर्थिक क्षेत्रों जैसे बैंकिंग, वित्त, बीमा, उद्योग एवं शिक्षा से जुड़े में काफी प्रासंगिक है। निश्चित रूप से यह पाठ्यक्रम कौशल के साथ रोजगार देने में सक्षम होगा।

मेरिट के आधार पर प्रवेश होगा

विभागाध्यक्ष प्रो. प्रकाश काम्बले ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों में श्रम अर्थशास्त्र के व्यापक क्षेत्रों में दक्षता विकसित करना, उनमें श्रम बाजार विश्लेषण और व्याख्या से संबंधित कौशल विकसित करना व छात्रों को अर्थशास्त्र, उद्योग, सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में रोजगार के लिए तैयार करना है। इसमें किसी भी विषय में स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं। कुल सीटों की संख्या 30 है जिनमें मेरिट के आधार पर प्रवेश होगा। यह स्ववित्तपोषित पीजी डिप्लोमा है। इस पाठ्यक्रम को करने के बाद विद्यार्थी श्रम अध्ययन के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल का उपयोग कर सकेंगे। शीघ्र ही विवि वेबसाइट पर इसकी प्रवेश सूचना जारी की जाएगी।

भास्कर खास • बीए अंग्रेजी साहित्य में भी प्रवेश इसी साल से, अन्य पाठ्यक्रम अगले सत्र से

विवि में अब 12वीं के बाद पत्रकारिता की पढ़ाई, फ्रेंच और जर्मन भाषा में भी डिप्लोमा कर सकेंगे

संदीप तिवारी | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विद्यार्थी पत्रकारिता पाठ्यक्रम में अब सीधे 12वीं के बाद ही प्रवेश ले सकेंगे।

विश्वविद्यालय ने बीए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन का तीन वर्षीय पाठ्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया है। इससे पहले स्नातक की डिग्री करने वालों को ही बेचलर ऑफ जर्नलिज्म कोर्स में प्रवेश मिलता था। यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम था। इसमें पत्रकारिता की डिग्री करने की चाह रखने वाले विद्यार्थियों को स्नातक एवं बीजे करने में कुल 4 वर्ष लग जाते थे, अब एक साल की बचत होगी। इसके साथ ही अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपियन भाषाएं विभाग में बीए ऑनर्स अंग्रेजी साहित्य का नया पाठ्यक्रम भी शुरू होगा। साथ ही फ्रेंच और जर्मनी भाषा में अलग-अलग डिप्लोमा भी विद्यार्थी कर सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर के पाठ्यक्रमों से विवि की एक अलग पहचान बनेगी। इसके साथ ही अर्थशास्त्र विभाग में श्रम अध्ययन के पीजी डिप्लोमा को भी मंजूरी दी गई है। पत्रकारिता, जर्मन और फ्रेंच भाषा के पाठ्यक्रमों के साथ ही श्रम अध्ययन के सर्टिफिकेट कोर्स में प्रवेश इसी सत्र यानी 2024-25 से ही शुरू हो जाएगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में कर सकेंगे एमएससी

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड बिग डेटा एनॉलिसिस में एमएससी, थिएटर म्युजिक, क्लासिकल इंडियन कथक डांस सर्टिफिकेट कोर्स, इंटीग्रेटेड पेस्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेट कोर्स और एपीकल्चर शॉर्ट टर्म कोर्स, वैदिक गणित में एक साल का डिप्लोमा, हिंदुस्तानी वोकल म्युजिक और बैचलर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स- तबला-परकुशन के कोर्स भी कराए जाएंगे। इन सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश अगले साल यानी सत्र 2025-26 से दिया जाएगा।

पसंदीदा पाठ्यक्रम चयन के विकल्प बढ़ेंगे : कुलपति

कुलपति प्रो. नीलमा गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को पाठ्यक्रमों के चयन में ज्यादा से ज्यादा च्वाइस मिले। इसी को लेकर नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को ज्यादा च्वाइस मिलेगी। विद्यार्थियों को रोजागारोन्मुखी बनाने एवं आज की जरूरत को देखते हुए पाठ्यक्रमों को बनाया गया है। स्थानीय विद्यार्थियों के साथ ही अन्य राज्य से पढ़ने आने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यहां अनेक नए पाठ्यक्रम मिलेंगे।

कार्यक्रम • विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा को लेकर व्याख्यान हुए

पश्चिमी देशों की संस्कृति अपनाना महान भूल, हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा सर्वश्रेष्ठः प्रो. पांडे

भास्कर संवाददाता | सागर

विश्वविद्यालय में स्थापित स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र द्वारा विश्व इंडीजिनीयस दिवस पर शुक्रवार को भारतीय ज्ञान परंपरा व्याख्यान किया गया। मुख्य वक्ता कोलकाता विवि के सेवानिवृत्त प्रो. ओमप्रकाश पांडे ने कहा आज हम अपनी संस्कृति को भूलकर पश्चिमी देशों की संस्कृति को अपनाकर महान मान रहे हैं, यह भूल है।

सागर | विवि में शुक्रवार को भारतीय ज्ञान परंपरा पर व्याख्यान हुआ।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने मूल रहस्य को समझकर इसे आम जनमानस के सामने रखें। जिसका भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रयास हो रहा है। जबकि हमारी संस्कृति से अन्य संस्कृतियों का जन्म हुआ है। हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा सर्वश्रेष्ठ है। इस बात से हमें युवा पीढ़ी को अवगत करना होगा। हमारे वेद उपनिषदों में कई प्रमाण हैं जिन्हें पश्चिमी देशों ने अपनाया है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा भारत सरकार इस क्षेत्र में तेजी से काम कर रही है, जिस पर देश के सभी विश्वविद्यालय को अपना योगदान करना चाहिए। संभवतः देश का यह पहला विश्वविद्यालय है जहां पर वैदिक विभाग के साथ-साथ स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र खोला गया है। जहां पर पठन पाठन तथा अनुसंधान कार्य हो सकें। इसमें हमें सफलता भी मिलती जा रही है।

केंद्र द्वारा पारंपरिक चिकित्सकों, नाड़ी वैद्यों के कैंप लगाए गएः प्रो. शर्मा

केंद्र के प्रभारी प्रो. केकेएन शर्मा ने बताया केंद्र कि स्थापना 6 मार्च 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वीकृति के बाद इसके स्वतंत्र भवन तथा चार फैकल्टी स्टाफ का अनुमोदन मिला। अपने कम समय में इस केंद्र द्वारा अब तक विभिन्न विद्वानों के विशिष्ट व्याख्यान कराए गए। केंद्र द्वारा पारंपरिक चिकित्सकों, नाड़ी वैद्यों का कैंप लगाया गया। आम जनमानस का कहना था कि इस प्रकार का कैंप लगाकर लोगों को लाभान्वित किया जाना चाहिए, इस दिशा में केंद्र द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। आभार डॉ. शत्रुघन प्रसाद ने माना। कार्यक्रम में अधिष्ठाता प्रो. देवाशीष बोस, प्रो. एपी मिश्रा, प्रो जीएल पुणतांबेकर, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. यूके पाटिल, प्रो. राजेंद्र कुमार यादव, डॉ. विवेक साठे आदि मौजूद थे। संचालन आरबी अनुरागी ने किया।

आयोजन | वेद उपनिषदों में कई प्रमाण हैं जिसको पश्चिमी देशों ने माना है

ज्ञान के सभी अनुशासनों से जुड़ी है भारतीय ज्ञान परंपराः गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्थापित स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र द्वारा 'वर्ल्ड इंडिजेनस डे' मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय ज्ञान परम्परा पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. ओमप्रकाश पांडे, सेवानिवृत प्रोफेसर, भौतिकी विज्ञान कलकत्ता विवि ने विशिष्ट व्याख्यान दिया। उन्होंने भारतवर्ष के इस अनुपम ज्ञान पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि आज हम अपनी संस्कृति को भूल कर पश्चिमी देशों की संस्कृति को अपनाकर महान मान रहे है जो कि हमारी भूल है.

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने मूल रहस्य को समझ कर इसे आम जनमानस के सामने रखे. जिसका ध्यान भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रयास हो रहा है. जबकि इसी संस्कृति से अन्य संस्कृतियों का जन्म हुआ है. हमारी भारतीय ज्ञान परम्परा सर्वश्रेष्ठ है. यह बात हमें इस युवा पीढ़ी को अवगत कराना होगा. हमारे वेद उपनिषदों में कई प्रमाण है जिसकी पश्चिमी देश ने किया है. कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान समय में भारत में भारतीय ज्ञान परम्परा पर खोले गये केन्द्रों की स्थिति को बताया. भारत सरकार इस क्षेत्र में तेजी से काम कर रही है जिस पर देश के सभी विश्वविद्यालय को अपना योगदान करना चाहिए सभी विषय के अध्येताओं को इसमें रुचि लेनी चाहिए। स्वागत भाषण में केंद्र के प्रभारी प्रो. के. के. एन. शर्मा ने सभी का स्वागत करते हुए बताया की इस केंद्र की स्थापना मार्च 6, 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वीकृति के बाद इसके स्वतंत्र भवन तथा चार फैकल्टी स्टाफ का अनुमोदन मिला भविष्य में इस दिशा में केंद्र द्वारा प्रयास किये जा रहे है. कार्यक्रम का शुभारम्भ द्वीप प्रज्वलन कर माँ सरस्वती एवं संस्थापक डॉ. सर हरीसिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया. इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों का स्वागत पौधा दे कर किया गया. आभार प्रदर्शन स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. शत्रुधन प्रसाद द्वारा किया गया. इस अवसर पर प्रो. ए. पी. मिश्रा., प्रो. जी. एल. पुताम्बेकर, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. राजेंद्र कुमार यादव, डॉ. विवेक साठे, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. अभिषेक जैन, डॉ. परवेन्द्र कुमार, डॉ. रीना बासु, डॉ. ज्योति तिवारी, डॉ. निकलेश कुमार इत्यादि अनेक शिक्षको सहित विद्यार्थी एवं शोधार्थी कौस्तव, निकिता दास, वर्षा, दामिनी पदमिनी एवं काव्या सहित अन्य शोधार्थी उपस्थित थे।

पत्रिका

पत्रिका अभियान से जुड़कर शहर के प्रबुद्ध लोगों ने रखी अपनी राय

राष्ट्रीय अस्मिता और संस्कृति की पहचान खादी, इसे पहनकर मनाएंगे आजादी का जश्न

पत्रिका एक दिन खादी के नाम

सागर. खादी हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और संस्कृति की पहचान रही है। खादी को सादा व श्रेष्ठ पहनावा माना जाता रहा है और इससे ही हमारी पहचान रही है। इसे प्रमोट करने के लिए सरकार ने भी प्रयास तेज किए हैं। साथ ही शहर में विभिन्न वर्गों के लोग खादी के वस्त्र पहनकर ही आजादी का जश्न मनाएंगे। इसके लिए पहले से लोगों ने तैयारी भी शुरू कर दी है।

खादी भारतीय परंपरा है। पूर्व में लोग खादी ही पहना करते थे। खादी के वस्त्र पहनना देश का सम्मान है। साथ ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। पत्रिका की पहल सराहनीय है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हमारी कोशिश रहेगी कि डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में सभी लोग खादी के वस्त्र पहनकर ही आजादी का जश्न मनाए।

- प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय

खादी हमारा सम्मान और स्वाभिमान भी है। अगर हम इसके महत्व को समझते हैं तभी स्वतंत्रता के मायने सार्थक होंगे। 15 अगस्त पर कॉलेज में खादी के वस्त्र पहनकर ही हम ध्वाजारोहण करेंगे। खादी हमारी परंपरा है। आज की युवा पीढ़ी के लिए भी हम खादी का महत्व बताएंगे।

- डॉ. आनंद तिवारी, प्राचार्य, एक्सीलेंस गर्ल्स कॉलेज

जिस प्रकार 1857 की क्रांति में रोटी एक प्रतीक थी, उसी प्रकार स्वतंत्रता आंदोलन में गांधीजी ने चरखा चलाकर स्वदेशी अपनाने का संदेश दिया था। आचार्य विद्यासागर ने जेलों में खादी का निर्माण की प्रेरणा दी थी। सागर जेल में भी खादी के वस्त्र बनाए जा रहे हैं। खादी आत्मनिर्भता, अहिंसा और स्वदेशी का प्रतीक है।

- डॉ. महेंद्र प्रताप तिवारी, प्राचार्य, राष्ट्रपति पुरस्कार

खादी हमारा सम्मान और स्वाभिमान भी है। अगर हम इसके महत्व को समझते हैं तभी स्वतंत्रता के मायने सार्थक होंगे। खादी का महत्व बताने के लिए हम स्कूल के बच्चों को भी प्रोत्साहित करेंगे। स्वतंत्रता संग्राम के पहले से आज तक खादी राष्ट्रीयता की पहचान है।

- डॉ. प्रतिभा तिवारी, समाजसेवी एवं शिक्षक

राष्ट्रीयता और ओजस्विता की प्रतीक खादी हमारी स्वतंत्रता का श्रेष्ठ भान कराती है। हमारा कर्तव्य है हम 15 अगस्त पर खादी के वस्त्रों को पहने और देश के ग्रामीण उद्योग को प्रोत्साहन दें। भारत माता के जयकारे के साथ खादी के वस्त्रों के अधिक से अधिक उपयोग को अपना नारा बनाए।

- डॉ. नलिन निर्मल, साहित्यकार

स्वतंत्रता दिवस और खादी दोनों शब्द अलग-अलग हैं, लेकिन दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं। खादी आंदोलन के बिना आजादी असंभव थी, लेकिन आज आजादी के बाद हम खादी के महत्व को भूलते जा रहे हैं। आधुनिकीकरण के युग में खादी की प्रासंगिकता शून्य हो चुकी है। युवा वर्ग को खादी के महत्व को समझना चाहिए।

- डॉ. अखिल जैन आनंद, कवि

खादी वस्त्र नहीं विचार है। स्वतंत्रता आंदोलन में गरम दल, नरम दल, सेनानी आदि का बहुत ही महत्व है। उसी प्रकार खादी का भी हिस्सा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अधिकतर खादी ही पहनी। आज सरकारी नीतियों के कारण खादी बहुत महंगी हो गई है। खादी का सस्ता होना जरूरी हो गया है।

- राजेन्द्र दुबे, वरिष्ठ रंगकर्मी

10/08/2024 | Sagar City | Page : 4
Source : https://epaper.patrika.com/

आयोजन

डा. हरीसिंह गौर विवि में स्थापित "स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र" द्वारा 'वर्ल्ड इंडिजेनस डे' मनाया

ज्ञान के सभी अनुशासनों से जुड़ी है भारतीय ज्ञान परंपरा : कुलपति

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर : डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्थापित "स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र" द्वारा 'वर्ल्ड इंडिजेनस डे' मनाया गया। इस अवसर पर भारतीय ज्ञान परम्परा पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता प्रो. ओमप्रकाश पांडे, सेवानिवृत प्रोफेसर, भौतिकी विज्ञान कलकत्ता विश्वविद्यालय ने विशिष्ट व्यख्यान दिया।

उन्होंने भारतवर्ष के इस अनुपम ज्ञान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज हम अपनी संस्कृति को भूल कर पश्चिमी देशों की संस्कृति को अपनाकर महान मान रहे है जो कि हमारी भूल है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने मूल रहस्य को समझ कर इसे आम जनमानस के सामने रखे, जिसका ध्यान भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रयास हो रहा है जबकि इसी संस्कृति से अन्य संस्कृतियों का जन्म हुआ है। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए वर्तमान समय में भारत में भारतीय ज्ञान परंपरा पर खोले गए केंद्रों की स्थिति को बताया। भारत सरकार इस क्षेत्र में तेजी से काम कर रही है जिस पर देश के सभी विश्वविद्यालय को अपना योगदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संभवतः देश का यह पहला विश्वविद्यालय है, जहां पर वैदिक विभाग के साथ साथ स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र खोला गया है।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का पौधा देकर स्वागत किया गया। • नवदुनिया

पौधा देकर किया स्वागत

स्वागत भाषण में केंद्र के प्रभारी प्रो. केकेएन शर्मा ने बताया कि इस केंद्र की स्थापना मार्च 6, 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वीकृति के बाद इसके स्वतंत्र भवन तथा चार फेकल्टी स्टाफ का अनुमोदन मिला। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया। आभार प्रदर्शन स्वदेशी ज्ञान अध्ययन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डा. शत्रुघन प्रसाद द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. एपी मिश्रा, प्रो. जीएल पुताम्बेकर, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. यूके पाटिल, प्रो. राजेंद्र कुमार यादव, डा. विवेक साठे आदि उपस्थित थे।

हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी में पहल | हाईवे निर्माण और खेती में एआइ का दखल बढ़ेगा

1200 घंटे की पढ़ाई से तैयार होंगे एआइ इंजीनियर

रेशु जैन
patrika.com

सागर. प्रदेश में बड़े प्रोजेक्ट, हाईवे निर्माण और खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का दखल बढ़ेगा। निर्माण समय पर पूरे होंगे। काम में गड़बड़ी की गुंजाइश भी कम रहेगी। तकनीकी बदलाव को देखते हुए डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय एआइ इंजीनियरों की फौज तैयार कर रहा है। विवि ने बी. टेक और एमसीए में एआइ कोर्स शुरू किए हैं। इसके तहत 1200 घंटे की पढ़ाई और ट्रेनिंग पूरी कर एआइ इंजीनियर तैयार होंगे।

एआइ की पढ़ाई होगी अनिवार्य

आइटी इंजीनियरिंग विद्यार्थी 1200 घंटे की पढ़ाई और ट्रेनिंग लेते ही कहलांगे एआइ इंजीनियर

पॉलिटेक्निक के विद्यार्थियों को 150 घंटे की एआइ ट्रेनिंग पूरी करनी होगी।

स्कूली छात्रों के लिए एआइ की पढ़ाई अनिवार्य, सीबीएसई ने कोर्स में किया शामिल

गड़बड़ी की गुंजाइश कम

इसलिए पहल

डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के आइटी एक्सपर्ट डॉ. के कृष्णा राव ने बताया, पांच साल में दुनियाभर में बड़े बदलाव होंगे। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय ने एआइ से जुड़े कोर्स शुरू किए हैं। इससे एक ओर जहां एआइ कृषि विशेषज्ञ तैयार होंगे, वहीं एआइ आर्किटेक्ट और एआइ इंजीनियर भी तैयार होंगे। अन्य कोर्स भी एआइ की भूमिका बढ़ाई जाएगी। इन कोर्स में विद्यार्थियों की रुचि भी बढ़ रही है।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम 13 से 15 तक

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा 13 से 15 अगस्त 2024 तक विश्वविद्यालय में मनाया जायेगा. इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन, विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों, पुस्तकालय, केन्द्रों, छात्रावासों, शारीरिक शिक्षा विभाग, खेल परिसर, गौर जन्मस्थली, गौर अध्ययन केंद्र, गौर भवन, विश्राम गृह एवं केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 4 सहित समस्त विश्वविद्यालय भवनों के समक्ष 13 से 15 अगस्त 2024 तक राष्ट्रीय ध्वज फहराया जायेगा. इस अवसर विश्वविद्यालय परिसर के समस्त शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अतिथि शिक्षकगण, शोधार्थीगण एवं विद्यार्थी भी 13 से 15 अगस्त तक अपने-अपने निवास स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे.

गौर प्रांगण में मनाया जाएगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त 2024, गुरुवार को परंपरानुसार हर्षोल्लास पूर्वक गौर प्रांगण में मनाया जायेगा. प्रातः 9.30 बजे कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा. राष्ट्रगान के तत्पश्चात उनका उद्बोधन होगा. स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, शोधार्थीगण एवं विद्यार्थी सहित समारोह में परिवारजन तथा अभिभावक सादर आमंत्रित हैं।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशे के खिलाफ शपथ दिलाई

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत विकसित भारत का मंत्र भारत हो नशे से स्वतंत्र कार्यक्रम का आयोजन की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत अकादमिक अफेयर्स के निदेशक प्रो. नवीन कानगो ने नशा न करने की शपथ दिलाई। इस शपथ में नशा न करने और परिवार में नशा न आने देने पर केंद्रित है। अभियान के तहत विवि के डॉ. अम्बेडकर चेयर के तत्वाधान में नशे के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान की भी शुरुआत की गई। अभियान के तहत विद्यार्थियों द्वारा नशे के खिलाफ पोस्टर एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अभियान के तहत विद्यार्थियों का पोस्टर बैनर के साथ विवि परिसर और आसपास के गांवों में भी जागरूकता रैली जारी है जिसमें विद्यार्थियों ने लोगों को नशे से दूर रहने की अपील की। शपथ कार्यक्रम में प्रो. उत्सव आनंद, प्रो. विवेक साठे, प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसपी गादेवार, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. देवेंद्र कुमार सहित विवि के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय: विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी एवं विशेष व्याख्यान आज

दबंग बुंदेलखंड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार आज14 अगस्त 2024 को दोपहर 2:00 बजे से अभिमंच सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 2024 मनाया जाएगा। जिसमें स्वतंत्रता संग्राम पोस्टर प्रदर्शनी, स्वतंत्रता संग्राम स्मृति मंचन का प्रदर्शन, सागर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ताराचंद जैन जी का सम्मान एवं स्वतंत्रता संग्राम पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में समस्त निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अतिथि शिक्षकगण, शोधार्थीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहेंगे।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर प्रदर्शनी एवं विशेष व्याख्यान 14 को

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 14 अगस्त 2024 को दोपहर 2 बजे से अभिमंच सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 2024 मनाया जाएगा जिसमें स्वतंत्रता संग्राम पोस्टर प्रदर्शनी, स्वतंत्रता संग्राम स्मृति मंचन का प्रदर्शन, सागर के स्वतंत्रता संग्राम सैनानी का सम्मान एवं स्वतंत्रता संग्राम पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया है. इस कार्यक्रम में समस्त निदेशक, अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, अतिथि शिक्षकगण, शोधार्थीगण एवं विद्यार्थीगणों की उपस्थित रहेंगे।

स्वतंत्रता आंदोलन में बुलेटिन निकाले, जेल गए फिर भी हौसला बना रहा : जैन

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ताराचंद जैन ने चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। जैन ने बताया कि अगस्त 1942 में स्वतंत्रता आंदोलन के लगभग सभी नेताओं को जेल में बंद कर दिया था, तब उनके जैसे सैकड़ों छात्रों ने सागर शहर में आंदोलन किए और कई बार जेल गए। उन्होंने बताया कि वे किस तरह बुलेटिन निकाला करते थे। कैसे उन पर लाठी चार्ज भी हुए। उन्होंने कई अनुभव साझा किए।

खादी पहनकर मनाया आजादी का जश्न, बुनकरों को किया प्रोत्साहित

सागर. पत्रिका के अभियान के तहत शहर के लोगों ने आजादी का जश्न खादी पहनकर मनाया। एक दिन खादी के नाम को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ जंग का अस्त्र बनी खादी को लेकर शहर के लोगों ने जागरूकता दिखाई। खादी के वस्त्र पहनकर ध्वजारोहण किया और तिरंगा के साथ सेल्फी ली। पत्रिका ने इस अभियान को चलाकर इससे जुड़े हस्तशिल्पी एवं बुनकरों को खास प्रोत्साहन दिया।

प्रो.निलिमा गुप्ता, कुलपति

'स्वतंत्रता अधिकार है तो एक जिम्मेदारी भी है'

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा स्वतंत्रता केवल स्थिति ही नहीं बल्कि एक भावनात्मक रूहानी उपलब्धि है। स्वतंत्रता अधिकार है तो एक जिम्मेदारी भी है, स्वतंत्रता नीति भी है और निष्ठा भी है। हमें उन लोगों को भी याद रखना होगा जिन्होंने आजादी के लिए अपने जीवन का उत्सर्ग कर दिया। हमारी आज की खुशी की नींव में आजादी के दीवानों का बलिदान छुपा हुआ है।

भास्कर खास • लाइब्रेरी ऑटोमेशन आधुनिक पुस्तकालय की पहचानः कुलपति

विवि लाइब्रेरी की किताबें घर बैठे ही चुन सकेंगे विद्यार्थी, ई-कंटेंट भी एक क्लिक पर होगा उपलब्ध

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में अब पुस्तकों को लेना और जमा करना ऑनलाइन पद्धति से शुरू हो गया है। पुस्तकों की सुरक्षा के लिए आरएफआईडी तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। सभी पुस्तकों, संदर्भ ग्रंथों की जानकारी ऑनलाइन सिस्टम पर अपलोड कर दी गई है। जिससे विवि के विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक घर बैठे विवि में उपलब्ध पुस्तकों के बारे में जान सकेंगे। अपने कार्ड पर इन्हें ले सकेंगे।

ओपेक सिस्टम से समृद्ध हो रहा विश्वविद्यालय

विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने रंगनाथन भवन में ऑनलाइन ओपेक सिस्टम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा लाइब्रेरी ऑटोमेशन आधुनिक पुस्तकालय की पहचान है। पूरी दुनिया की बेहतरीन लाइब्रेरी इसी सिस्टम से संचालित हो रही हैं। हमारा विश्वविद्यालय अब इस सिस्टम को अपनाकर समृद्ध हो रहा है और प्रगति का एक नया मुकाम हासिल कर चुका है।

लाइब्रेरी की हर किताब का कंटेंट भी ऑनलाइन

कुलपति प्रो. गुप्ता ने बताया कि लाइब्रेरी में अभी 4 लाख किताबें हैं। ऑनलाइन रूप से उन्हें इस तरह से तैयार किया गया है कि विद्यार्थी को जिस विषय की किताब चाहिए, उसका की-वर्ड डालते ही उससे जुड़ी सारी किताबें उपलब्ध होंगी। निर्देश दिए हैं कि इनके कंटेंट भी साथ में ही अपलोड करें ताकि विद्यार्थी यह चुन सकें कि जो कंटेंट उसे चाहिए वह किस किताब में मिलेगा।

किताब किसके पास यह भी पता कर सकेंगे

नई व्यवस्था से यह भी पता लगेगा कि कौन-सी किताब किसके पास है। विद्यार्थी, शिक्षक उसे पहले से ही बुक कर सकेंगे, जैसे ही वह वापस लौटेगी, संबंधित को ही अलॉट होगी। लाइब्रेरी से जुड़ी सभी प्रकार की जानकारी संबंधितों को ई-मेल पर मिलती रहेगी। ई-सामग्री भी उपलब्ध होगी। विद्यार्थी की लाइब्रेरी में पहुंचते ही एंट्री होगी, वह कितनी देर लाइब्रेरी में रुका, यह डेटा भी उपलब्ध रहेगा।

रैगिंग जैसी कुप्रथा के प्रति विद्यार्थियों को नाटक के माध्यम से किया जागरूक

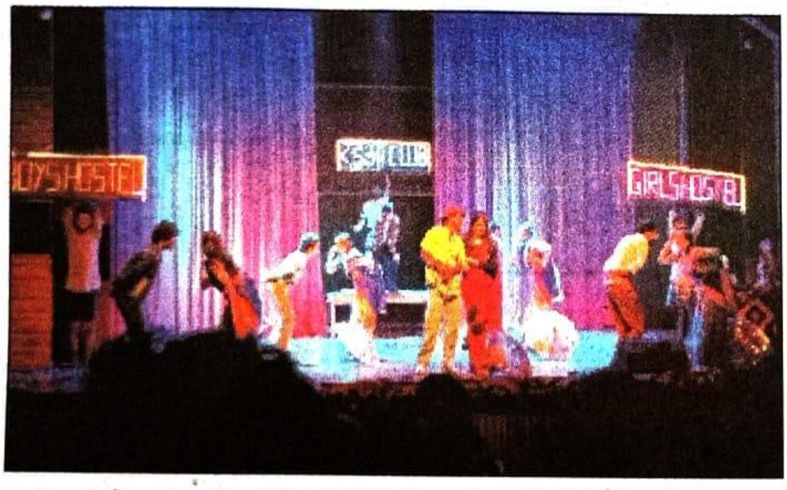

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में चलाये जा रहे एंटी रैगिंग सप्ताह के तहत स्वर्ण जयंती सभागार में विवि सांस्कृतिक परिषद और युगसृष्टि समिति के संयुक्त तत्वाधान में होली नाटक का मंचन किया गया। मूल रूप से मराठी भाषा में लिखित होली नाटक के लेखक महेश एल कुचवार हैं। इस नाटक में छात्रावास में रहने वाले युवाओं की दिनचर्या, मौजमस्ती के साथ ही रैगिंग जैसी कुप्रथा के दुष्प्रभावों का मार्मिक ढंग से चित्रण किया गया है। छात्रावासी युवाओं के बीच कब मजाक क्रूरता में और क्रूरता कब अपराध में बदल जाता है इसको नाटक में अत्यंत कुशलता के साथ दिखाया गया। नाटक के मंचन का उद्देश्य विश्वविद्यालयी विद्यार्थियों को रैगिंग जैसी अमानवीय प्रथा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने एवं उन्हें इस तरह की गतिविधियों से बचाये रखना था। नाटक की प्रासंगिक कथावस्तु, आकाश विश्वकर्मा, विश्वाराज सुनर्या और प्रवीण का उम्दा निर्देशन, कलाकारों के दमदार अभिनय के कारण होली नाटक अपने उद्देश्य में सफल रहा। कलाकारों में विश्वराज सुनर्या, प्रवीण केमया, अमन ठाकुर, अर्पित दुबे, अखिलेश, शुभम पटेल, विशु, निक्की, सागर ठाकुर, रिया, सिया, पूर्वा, यश्विनी शुभम, अप्रतिम मिश्रा, देव, आकाश श्रीवास्तव, आनंद, आयुषी, कृष्णा देवलिया आदि ने अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया। संगीत यशगोपाल तथा पार्थो घोष और रंगसज्जा लाइट शुभम शरण का रहा। नाटक के प्रारंभ में डॉ. राकेश सोनी ने कुलानुशासक प्रो. चंदा बैन और हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किया। नाट्य प्रस्तुति के समय डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. संजय नैनवाड़, डॉ. वंदना राजोरिया, डॉ. हिमांशु यादव सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंतरिक्ष दिवस ▶ सिरोंजा स्थित बीटीआईआरटी कॉलेज में इसरो से आए वैज्ञानिक

अंतरिक्ष विज्ञान में कैरियर बनाने के लिए प्रेरित कर संभावनाएं बताईं

नवभारत न्यूज

सागर 17 अगस्त. सिरोंजा स्थित बीटीआईआरटी में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ.

इस अवसर पर इसरो के विशेषज्ञों ने अंतरिक्ष अनुसंधान के महत्व, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी. साथ ही इसरो के विभिन्न अंतरिक्ष अभियानों की सफलताओं का उल्लेख करते हुए छात्र-छात्राओं को अंतरिक्ष विज्ञान में कैरियर बनाने के लिए प्रेरित किया गया और इस क्षेत्र में नई संभावनाओं के बारे में बताया गया. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि की कुलपति प्रो. डॉ नीलिमा गुप्ता ने इसरो के इस कार्यक्रम की सराहना की. चेयरमेन संतोष जैन घड़ी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन किया. कार्यक्रम में डॉ संजीत कुमार द्विवेदी यूके ने मार्गदर्शन दिया. कार्यक्रम में इसरो द्वारा विकसित की गई तकनीकों और उनके समाज पर प्रभाव के बारे में विस्तार से चर्चा की गई. इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, स्टोरी राइटिंग, प्रश्नोत्तरी, रंगोली मॉडल एवं पेंटिंग के माध्यम से इस क्षेत्र की गहराई को समझने का अवसर प्राप्त हुआ. उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया. कार्यक्रम में इसरो की वैज्ञानिक श्रीमती शिल्पी सोनी, नितिन उपाध्याय ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से इसरो की कार्यप्रणाली एवं महत्वपूर्ण मिशन के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताया. कार्यक्रम में आशीष जैन, सचिव डॉ सतेंद्र जैन, रजिस्ट्रार डॉ तरुण सिंह, प्राचार्य वीरेश फुसकेले, डायरेक्टर संदीप जैन घड़ी, श्रीमती रिचा जैन उपस्थित रहे. संचालन देवज्ञ मुखर्जी एवं मनीष श्रीवास्तव व आभार जयंत दुबे ने माना.

विवि पुस्तकालय में अब ऑनलाइन मिलेंगी किताबें

ऑटोमेशन पद्धति आधुनिक पुस्तकालय की पहचान- कुलपति

सागर @पत्रिका. डॉ. हरिसिंह विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय में अब पुस्तकों का अदान-प्रदान ऑनलाइन पद्धति से शुरू हो गया है। पुस्तकों की सुरक्षा के लिए आरएफआइडी तकनीक (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) का इस्तेमाल होगा। सभी पुस्तकों, संदर्भ ग्रंथों की जानकारी ऑनलाइन सिस्टम पर अपलोड की गई है। अब विद्यार्थी, शोधार्थी, शिक्षक घर बैठे विवि में उपलब्ध पुस्तकों के बारे में जान सकेंगे। अपने कार्ड पर आदान-प्रदान कर सकेंगे और उनके ईमेल पर सभी प्रकार की जानकारी उन्हें मिलती रहेगी। लाइब्रेरी में उपलब्ध ई-सामग्री भी को भी वे एक्सेस कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने रंगनाथन भवन में आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन ओपेक सिस्टम का उद्घाटन करते हुए कहा कि लाइब्रेरी ऑटोमेशन आधुनिक पुस्तकालय की पहचान है। पूरी दुनिया की बेहतरीन लाइब्रेरी इसी सिस्टम से संचालित हो रहीं हैं। हमारा विश्वविद्यालय अब इस सिस्टम को अपनाकर समृद्ध हो रहा है और प्रगति का एक नया मुकाम हासिल कर चुका है। इससे सभी लाइब्रेरी उपयोगकर्ताओं को सुविधा होगी। विश्वविद्यालय के साथ-साथ पूरी दुनिया के अध्येता हमारी समृद्ध लाइब्रेरी में उपलब्ध ज्ञान संपदा से परिचित हो सकेंगे और इसका लाभ भी ले सकेंगे। पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मोहन टीए ने लाइब्रेरी ऑटोमेशन की पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी और इसके विविध चरणों को बताया। इस अवसर पर विवि के प्रभारी कुलसचिव डॉ. एसपी उपाध्याय, वित्त अधिकारी कुलदीपक शर्मा, डॉ. अनिल तिवारी, डॉ. मुकेश साहू, डॉ. विवेक जायसवाल सहित विवि के कई शिक्षक, विद्यार्थी एवं शोधार्थी उपस्थित थे।

एरिया न्यूज

अंतरिक्ष विज्ञान में कैरियर बनाने के लिए प्रेरित कर संभावनाएं बताईं

सागर @ पत्रिका. सिरोंजा स्थित बीटीआईआरटी में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर इसरो के विशेषज्ञों ने अंतरिक्ष अनुसंधान के महत्व, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. हरिसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो. डॉ. नीलिमा गुप्ता ने कार्यक्रम की सराहना की। चेयरमेन संतोष जैन घड़ी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में डॉ. संजीत कुमार द्विवेदी यूके ने मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में इसरो की वैज्ञानिक शिल्पी सोनी एवं नितिन उपाध्याय ने प्रजेंटेशन के माध्यम से इसरो की कार्यप्रणाली एवं महत्वपूर्ण मिशन के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताया। कार्यक्रम में आशीष जैन, सचिव डॉ. सतेंद्र जैन, रजिस्ट्रार डॉ. तरुण सिंह, प्राचार्य वीरेश फुसकेले, डायरेक्टर संदीप जैन घड़ी एवं रिचा जैन उपस्थित रहे। संचालन देवज्ञ मुखर्जी एवं मनीष श्रीवास्तव व आभार जयंत दुबे ने माना।

रसायन विभाग में डा. केबी जोशी के निर्देशन तैयार हुआ प्रोजेक्ट

बाम्बे में हुए आडिया टू इनोवेशन में डा. गौर विव का प्रोजेक्ट विजेता घोषित

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः भारतीय नैनो इलेक्ट्रानिक्स यूजर प्रोग्राम और आईआईटी बाम्बे द्वारा आयोजित एनआईपीयू यूजरर्स मीट में आइडिया टू इनोवेशन (121) के तहत 2022-2023 हैकथान प्रतियोगिता में डा. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर का प्रोजेक्ट विजेता घोषित हुआ।

यह मिला अवार्ड।

यह प्रोजेक्ट डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि के डा. केबी जोशी के नेतृत्व में उनकी रिसर्च टीम माइक्रोविजओलाजिस्ट डा. सिद्धार्थ चोपड़ा, शोधार्थी आनंद कौतु, श्रुति शर्मा, नारायण स्वैन के योगदान से तैयार हुआ। बाम्बे उनके निर्देशन में छात्र आनंद कौतु ने यह पुरस्कार स्वीकार किया।

यह प्रोजेक्ट अब विश्वविद्यालय के रसायन विभाग में डा. जोशी के निर्देशन में चल रही तीन प्रमुख परियोजनाओं का एक सहक्रियात्मक समामेलन बन गया है। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालयों के भीतर प्रौद्योगिकी विकास को सुविधाजनक

शोधकार्य करते हुए।

बनाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) का निर्माण करना है। यह प्रोजेक्ट भोजन में रोगजनकों और जहरीले धातु आयनों की पहचान के लिए एक अत्याधुनिक फैब्रिकेटेड बायोकाम्पैटिबिल मैनोमटेरिअल विकसित करेगा। बाम्बे में हुए आयोजन में मेटी के सचिव एस. कृष्णन, ग्रुप कोआर्डिनेटर (रिसर्च एंड डवलपमेंट) सुनीता वर्मा,प्रो. आश्विन तलुपुरकर व डिपार्टमेंट आफ़ एलक्ट्रिकल इंजीनियरिंग आईआईटी-बी के प्रो. के नागेश्वरी के मौजूदगी में यह पुरस्कार दिया गया। अन्य अतिथियों में पूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डा. आर. चिदंबरम, पूर्व निदेश आईआईटी दिल्ली प्रो. बी रामगोपाल राव आदि शामिल थे।

रैगिंग जैसी कुप्रथा के प्रति विद्यार्थियों को नाटक के माध्यम से किया गया जागरूक

सागर, आचरण संवाददाता।

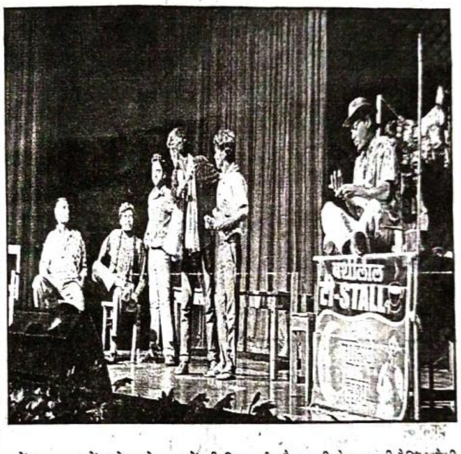

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्याल, सागर में चलाये जा रहे एंटी रैगिंग सप्ताह के तहत स्वर्ण जयंती सभागार में विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद और युगसृष्टि समिति, सागर के संयुक्त तत्वावधान में होली नाटक का मंचन किया गया. मूल रूप से मराठी भाषा में लिखित होली नाटक के लेखक महेश एल. कुचवार हैं। इस नाटक में छत्रावास में रहने वाले युवाओं की दिनचर्या, मौजमस्ती के साथ ही रैगिंग जैसी कुप्रथा के दुष्प्रभावों का मार्मिक ढंग से चित्रण किया गया है।

छत्रावासी युवाओं के बीच कब मज़ाक क्रूरता में और क्रूरता कब अपराध में बदल जाता है इसको नाटक में अत्यंत कुशलता के साथ दिखाया गया है। नाटक के मंचन का उद्देश्य विश्वविद्यालयी विद्यार्थियों को रैगिंग जैसी अमानवीय प्रथा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने एवं उन्हें इस तरह की गतिविधियों से बचाये रखना था। नाटक की प्रासंगिक कथावस्तु, आकाश विश्वकर्मा, विश्वाराज सुनर्या और प्रवीण का उम्दा निर्देशन, कलाकारों के दमदार अभिनय के कारण होली नाटक अपने उद्देश्य में सफ़ल रहा. कलाकारों में विश्वाराज सुनर्या, प्रवीण केमया, अमन ठाकुर, अर्पित दुबे, अखिलेश, शुभम पटेल,विशु, निक्की, सागर ठाकुर,रिया, सिया, पूर्वा,यश्विनी शुभम, अप्रतिम मिश्रा, देव, आकाश श्रीवास्तव, आनंद, आयुषी, कृष्णा देवलिया आदि ने अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय किया. संगीत-यशगोपाल तथा पार्थो घोष और रंगसज्जा (लाइट) - शुभम शरण का रहा। नाटक के प्रारम्भ में डॉ. राकेश सोनी ने कुलानुशासक प्रो. चंदा बैन और हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी का पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत किया. नाट्य प्रस्तुति के समय डॉ. राजेंद्र यादव, डॉ. संजय नैनवाड़, डॉ. वंदना राजोरिया, डॉ. हिमांशु यादव के साथ ही बहुत बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विवि में हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट कार्यशाला का शुभारंभ

नई पीढ़ी को उन्हीं की तरह गंभीर कार्य करने को प्रेरित किया

सत्ता सुधार ■ सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च द्वारा आचार्य सर प्रफुल्ल चंद्र रे की याद में हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 20 अगस्त से 24 अगस्त 2024 के मध्य कार्यशाला आयोजित होगी। विश्वविद्यालय में कई अत्यधिक परिष्कृत उपकरण है जिनकी ट्रेनिंग नई पीढ़ी के लिए अत्यावश्यक है।इसी आवश्यकता को देखते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता की पहल पर विश्वविद्यालय अलग-अलग इंस्ट्रूमेंट पर कार्यशाला आयोजित कर रहा है. इसी तारतम्य में पहली कार्यशाला हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपिक पर आयोजित की जा रही है।कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय की कुलगुरु एवं उदघाटन सत्र की अध्यक्षता कर रही प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय में उपस्थित विशिष्ट उपकरणों को मध्य भारत में एक धरोहर की तरह देखा. प्रत्येक प्रतिभागी को इंस्ट्रूमेंट पर स्किल होने का और खुद अपने हाथ से इंस्ट्रूमेंट को चला कर देखने का अनुरोध किया ताकि वह केवल हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपिक के बारे में पढ़े ही नहीं बल्कि उसका इस्तेमाल करना भी सीख सके। शिक्षकों को उन्होंने अपने शोधों में ज्यादा से ज्यादा हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करने पर जोड़ दिया. आचार्य सर प्रफुल्ल चंद्र रे के योगदानों को याद करते हुए उन्होंने नई पीढ़ी को उन्हीं की तरह गंभीर कार्य करने को प्रेरित किया। कार्यशाला के दूसरे सेशन में इंडियन जूलॉजिकल सर्वे

आफ इंडिया के पूर्व निदेशक डॉक्टर कैलाश चंद्र ने लुप्त होती प्रजातियों के बारे में बड़ा सारगर्भित उद्बोधन दिया. उन्होंने बताया कि आज माइक्रोस्कोपिक के युग में प्रजातियों को खोजना आसान हो गया है. बायोडायवर्सिटी को समझने के लिए हमें उच्च संसाधनों की आवश्यकता है. कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर एसपी गौतम ने भारतीय ज्ञान परंपरा और उसमे वर्णित परमाणु, अणु, इलेक्ट्रॉन और फोटोन की शक्तियों के लिए हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कॉपी को ज्ञान एवं कर्म चक्षु से बड़े रोचक अंदाज में जोड़ा। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में हम प्रकाश से लेकर कण और कण से लेकर के ब्रह्मांड के बारे में बहुत कुछ वर्णित कर चुके थे। विश्वविद्यालय के शोध एवं विकास विभाग के निदेशक प्रो. हेरल थॉमस ने सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च की विशेषताएं एवं कार्य शैली पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के प्रथम दिन के अंतिम सत्र में डॉ पुष्पाल घोष ने अपना वक्तव्य दिया. जिसका विषय था ऐन ओडिसी ऑफ इंडियन साइंसेस. जिस में भारतीय विज्ञान परंपरा के विकास का वर्णन किया गया. उन्होंने बताया कि भारतीय विज्ञान कैसे चरम पर पहुंचा, कैसे उसका पतन हुआ और फिर धीरे-धीरे कैसे अब उठ रहा है।कुल मिलाकर आज का सेशन भारतीय विज्ञान परंपरा और सूक्ष्म से अलौकिक के विस्तार के बारे में ज्यादा रहा. कल से कार्यक्रम सूक्ष्म पर फोकस हो जाएगा. इस सारगर्भित कार्यशाला के कोपेट्रॉन प्रो. हरेल थॉमस एवं प्रो. श्वेता यादव रहे। समन्वयक डॉ. पुष्पम घोष, डॉ. विवेक प्रकाश मालवीय और डॉ. योगेश भार्गव थे. कार्यक्रम के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. विवेक प्रकाश मालवीय थे।संचालन डॉ. अभिलाषा दुर्गावंशी ने किया. कार्यक्रम में प्रो. नवीन कांगो, प्रो. जी.एस. पाटिल, प्रो. अस्मिता गजभिए, प्रो. ए.पी. मिश्रा आदि विशिष्ट गणमान्य लोग मौजूद थे।इस कार्यशाला में देश भर के 45 प्रतिभागी भाग ले रहे है. साथ ही इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय के 35 विद्यार्थी सहभागिता कर रहे है।

शिक्षक शोधों में ज्यादा से ज्यादा हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करें : प्रो. नीलिमा गुप्ता

विवि में हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम पर राष्ट्रीय कार्यशाला

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागरः डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सेंटर फार एडवांस रिसर्च द्वारा आचार्य सर प्रफुल्ल चंद्र रे की याद में हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला एवं फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 20 अगस्त से 24 अगस्त के मध्य शुरू हुई। विश्वविद्यालय में कई अत्यधिक परिष्कृत उपकरण है, जिनकी ट्रेनिंग नई पीढ़ी के लिए अत्यावश्यक है। इसी आवश्यकता को देखते हुए विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता की पहल पर विश्वविद्यालय अलग-अलग इंस्ट्रूमेंट पर कार्यशाला आयोजित कर रहा है। इसी तारतम्य में पहली कार्यशाला हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपिक पर आयोजित की जा रही है।

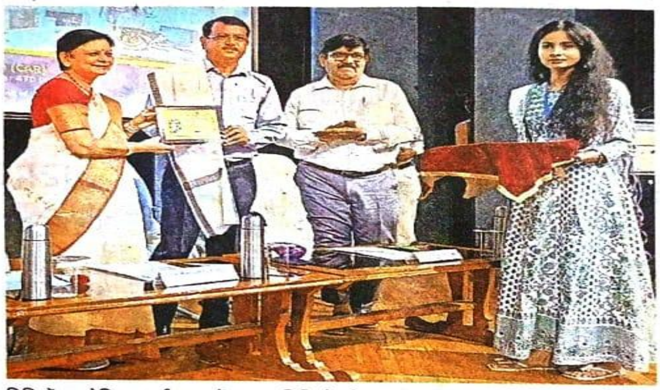

विवि में आयोजित कार्यशाला में आए अतिथियों को सम्मानित करती कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता। • नवदुनिया

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रही प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विवि में उपस्थित विशिष्ट उपकरणों को मध्य भारत में एक धरोहर की तरह देखा। प्रत्येक प्रतिभागी को इंस्ट्रूमेंट पर स्किल होने का और खुद अपने हाथ से इंस्ट्रूमेंट को चला कर देखने का अनुरोध किया, ताकि वह केवल हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपिक के बारे में पढ़े ही नहीं, बल्कि उसका इस्तेमाल करना भी सीख सके।

शिक्षकों को उन्होंने अपने शोधों में ज्यादा से ज्यादा हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी का उपयोग करने पर जोर दिया। आचार्य सर प्रफुल्ल चंद्र रे के योगदानों को याद करते हुए उन्होंने नई पीढ़ी को उन्हीं की तरह गंभीर कार्य करने को प्रेरित किया।

कार्यशाला के दूसरे सेशन में इंडियन जूलाजिकल सर्वे आफ इंडिया के पूर्व निदेशक डाक्टर कैलाश चंद्र ने लुप्त होती प्रजातियों के बारे में उद्बोधन दिया। उन्होंने बताया कि आज माइक्रोस्कोपिक के युग में प्रजातियों को खोजना आसान हो गया है। बायोडायवर्सिटी को समझने के लिए हमें उच्च संसाधनों की आवश्यकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता प्रोफेसर एसपी गौतम ने भारतीय ज्ञान परंपरा और उसमे वर्णित परमाणु, अणु, इलेक्ट्रान और फोटोन की शक्तियों के लिए हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कापी को ज्ञान एवं कर्म चक्षु से बड़े रोचक अंदाज में जोड़ा। उन्होंने बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में हम प्रकाश से लेकर कण और कण से लेकर के ब्रह्मांड के बारे में बहुत कुछ वर्णित कर चुके थे। विवि के शोध एवं विकास विभाग के निदेशक प्रो. हेरल थामस ने सेंटर फार एडवांस्ड रिसर्च की विशेषताएं एवं कार्य शैली पर प्रकाश डाला।

भारतीय विज्ञान परंपरा के विकास का वर्णन किया

कार्यशाला के प्रथम दिन के अंतिम सत्र में डा. पुष्पाल घोष ने ऐन ओडिसी आफ इंडियन साइंसेस विषय पर भारतीय विज्ञान परंपरा के विकास का वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि भारतीय विज्ञान कैसे चरम पर पहुंचा, कैसे उसका पतन हुआ और फिर धीरे-धीरे कैसे अब उठ रहा है। कुल मिलाकर यह सत्र भारतीय विज्ञान परंपरा और सूक्ष्म से अलौकिक के विस्तार के बारे में ज्यादा रहा।

गुरुवार से कार्यक्रम सूक्ष्म पर केंद्रित हो जाएगा। इस कार्यशाला के कोपेट्रान प्रो. हरेल थामस एवं प्रो. श्वेता यादव रहे। समन्वयक डा. पुष्पम घोष, डा. विवेक प्रकाश मालवीय और डा. योगेश भार्गव थे। कार्यक्रम के आर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डा. विवेक प्रकाश मालवीय थे।

संचालन डा. अभिलाषा दुर्गावंशी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. नवीन कांगो, प्रो. जीएस पाटिल, प्रो. अस्मिता गजभिए, प्रो. एपी मिश्रा आदि विशिष्ट जन मौजूद थे। इस कार्यशाला में देश भर के 45 प्रतिभागी भाग ले रहे है। साथ ही इस कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय के 35 विद्यार्थी सहभागिता कर रहे हैं।

आयोजन | विवि के ईएमएमआरसी में फोटोग्राफी वर्कशॉप का शुभारंभ

अपनी स्मृतियों को सहेजना मनुष्य का नैसर्गिक स्वभावः प्रो. गुप्ता

सागर, आचरण संवाददाता।

हम सभी मनुष्यों का नैसर्गिक स्वभाव है कि हमें अपनी मधुर स्मृतियों को सहेज कर रखते हैं फिर एक अवस्था के बाद उनमें अपना अतीत खोजते हैं। यह बात विश्वविद्यालय के ई. एम. एम. आर. सी. द्वारा रंगनाथन भवन में आयोजित दो दिवसीय फोटोग्राफी वर्कशॉप के शुभारंभ अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि कुलगुरु प्रो.नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि मोबाइल क्रांति आने के बाद अब प्रत्येक हाथ में कैमरा है किंतु उसकी बारिकियां, गहराईयाँ, तकनीकी ज्ञान जब तक नहीं होगा तब तक आप कुशल फोटोग्राफर नहीं बन सकते। इस तरह की वर्कशॉप आपके भीतर छिपी प्रतिभा को परिष्कृत करने में काफी सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को फोटोग्राफी के क्षेत्र में भी करियर की असीम संभावनाएं छिपी हुई हैं, इसके अनेक आयाम हैं। ई एम एम आर सी के निदेशक डॉ. पंकज तिवारी ने कहा कि फोटोग्राफी के सैद्धांतिक, प्रायोगिक और तकनीकी तीनों ही पक्षों के बारे में विशेषज्ञों से मार्गदर्शन हेतु ही इस वर्कशॉप की योजना तैयार की गई है। इस दौर में जो कैमरे की एडवांस टेक्नोलॉजी आ रही है, उसकी संपूर्ण यांत्रिकी को समझें बगैर हम फोटोग्राफी में दक्ष नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि एक फोटोग्राफर को अपने मिशन पर जाने के पूर्व अपने कैमरे की क्षमता उसके मेन्युअल का विधिवत अध्ययन कर लेना चाहिए। विविध क्षेत्रों की फोटोग्राफी के लिए अलग-अलग कैटेगरी के कैमरे उपलब्ध हैं उन्हीं से रुबरु कराने इस वर्कशॉप का आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर निकोन कंपनी के राहुल महेश्वरी ने समूह बना कर प्रतिभागियों को कैमरे के तथा लेंस के कई प्रयोग करें इसके अतिरिक्त पावर प्वाइंट के माध्यम से फोटोग्राफी के विभिन्न आयामों से परिचित कराया। साथ ही श्री शुभम पांडे ने फोटोग्राफी से संबंधित गिंबल मोबाइल उपकरण 360 और एक्शन कमरों के लाइव डेमो प्रस्तुत किए इस वर्कशॉप में करीब पचास प्रतिभागियों ने उत्साह से भागीदारी की। संचालन के के यादव ने किया। श्री देवेंद्र पाराशर ने आरंभ में वर्कशाप की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ फोटोग्राफर श्री गोविंद सरवैया, डॉ. संजीव सराफ, डॉ. आशीष द्विवेदी, डॉ अश्विनी सागर और नगर के अनेक फोटोग्राफर और ईएमआरसी टीम के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

डॉ. मुनीर अहमद को मिली फैलोशिप

सागर @ पत्रिका. डॉ. हरिसिंह गौर विवि के शोधार्थी डॉ. मुनीर अहमद को अलेकजेंडर वॉन हम्बोल्ट फैलोशिप मिली है। डॉ. मुनीर अहमद क्रॉस किंगडम सिंथेसिस स्पेशियो-टेम्पोरल स्वायल माइक्रोबियल कम्युनिटी एक्रॉस डिफरेंट डायवर्सिटी ग्रेडिएंट विषय पर शोध करेंगे। यह शोध जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं और इसके पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों पर प्रभावों का अवलोकन और निगरानी की प्रक्रिया पर आधारित है। डॉ. मुनीर विश्वविद्यालय के पहले शोधार्थी हैं जिनको जर्मन सरकार द्वारा विश्व प्रतिष्ठित अलेकजेंडर वॉन हम्बोल्ट फैलोशिप मिली है।

विश्वविद्यालय के शोधार्थी डॉ. मुनीर अहमद को जर्मनी की अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप मिली

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के शोधार्थी डॉ. मुनीर अहमद को अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप मिली है. डॉ. मुनीर अहमद ह्यक्रॉस किंगडम सिंथेसिस स्पेशियो-टेम्पोरल स्वायल माइक्रोबियल कम्युनिटी एक्रॉस डिफरेंट डायवर्सिटी ग्रेडिएंटह्न विषय पर शोध करेंगे। यह शोध जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं और इसके पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यों पर प्रभावों का अवलोकन और निगरानी की प्रक्रिया पर आधारित है. डॉ. मुनीर विश्वविद्यालय के पहले शोधार्थी हैं जिनको जर्मन सरकार द्वारा विश्व प्रतिष्ठित अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फेलोशिप मिली है। प्रत्येक वर्ष विश्वभर में यह फेलोशिप केवल दस शोधकताओं को प्रदान किया जाता है. डॉ. मुनीर अहमद ने अपनी पीएचडी प्राणीशास्त्र विभाग से प्रो. श्वेता यादव (विभागाध्यक्ष, प्राणीशास्त्र) और डॉ. अश्विनी कुमार (वर्तमान में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रो. के रूप में कार्यरत) के मार्गदर्शन में प्राप्तकी है. डॉ. मुनीर ने अपनी पीएचडी के दौरान विभिन्न ओमिक्स और मॉडलिंग दृष्टिकोणों का उपयोग करके कीटनाशक बायोरिमेडिएशन पर काम किया है उनके एल्सेवियर, स्प्रिंगर और नेचर जैसी शीर्ष रैंकिंग वाली वैज्ञानिक पत्रिकाओं में कई शोध पत्र प्रकाशित हुए हैं। विवि की कुलपति ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है। प्रो. श्वेता यादव. डॉ. अश्विनी कुमार एवं विभाग के सभी शिक्षकों ने डॉ. मुनीर अहमद की इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की है और उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

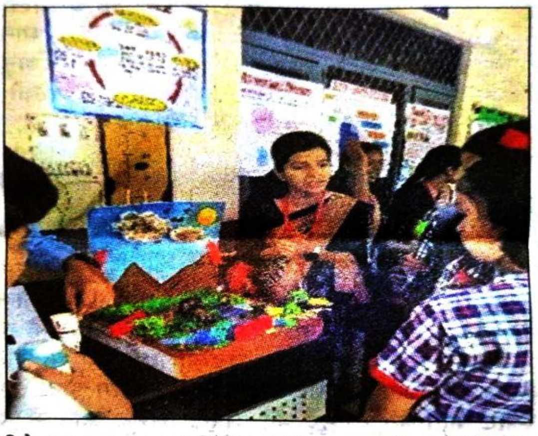

सागर, देशबन्धु। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों को मनाते हुए 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की पहली वर्षगांठ के अवसर पर डॉ. हरिसिंह गौर विवि के शिक्षाशास्त्र विभाग एवं केन्द्रीय विद्यालय में मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बीएससी, बीएड के 44 प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा कक्षा 2 से 10 तक विज्ञान की विभिन्न संकल्पनाओं से संबंधित कार्यरत मॉडल की प्रदर्शनी का आयोजन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रीति वाधवानी के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष प्रो. पीके कठल मुख्य अतिथि रहे जिन्होंने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया एवं प्रेरक उद्बोधन दिया। शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने केंद्रीय विद्यालय सागर क्र. 1 के उपप्राचार्य सुनील तिवारी, के.वि. क्र. 1, 2 और 4 के शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति में सभी को संबोधित किया। सभी अतिथियों एवं छात्रों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मॉडल की सहायता से विज्ञान की जटिल अवधारणाओं को बहुत सरलता से प्रशिक्षु शिक्षकों से समझा। इस प्रदर्शनी से छात्र-छात्राओं में विज्ञान के प्रति उत्सुकता बढ़ी जिसे अतिथियों ने भी सराहा, शिक्षक प्रशिक्षक अंजली सिंह ने अपने अनुभव साझा किये। केंद्रीय विद्यालय क्र. 4 के प्राचार्य आरएस वर्मा ने धन्यवाद प्रेषित किया। समन्वयक डॉ. प्रीति वाधवानी ने विवि के छात्रों द्वारा केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के अधिगम को सुलभ एवं रुचिकर बनाने के इस सफल प्रयास पर बधाई दी एवं सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी अतिथियों द्वारा 44 प्रशिक्षु शिक्षकों को उनके योगदान के लिये प्रमाण पत्र दिये गये। केंद्रीय विद्यालय सागर क्र. 1, 2 और 4 के शिक्षको को विद्यालयों में शिक्षण के लिये मॉडल उपहार स्वरुप उन्हें भेंट किये गये। कार्यक्रम की व्यवस्था में अनिता डोंगरे कला शिक्षिका के. वि. 4, अपर्णा श्रीवास्तव एवं डॉ. शकीला खान, शिक्षिका शिक्षा शास्त्र विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

सागर, आचरण। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की उपलब्धियों को मनाते हुए 23 अगस्त 2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की पहली वर्षगाँठ के अवसर पर डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग एवं केन्द्रीय विद्यालय में मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. बी.एस.सी, बी.एड. के 44 प्रशिक्षु शिक्षकों द्वारा कक्षा 2 से 10 तक विज्ञान की विभिन्न संकल्पनाओं से सम्बंधित कार्यरत मॉडल की प्रदर्शनी का आयोजन कार्यक्रम समन्वयक डॉ प्रीति वाधवानी के निर्देशन में किया गया. इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय प्रबंधन समिति के नामित अध्यक्ष प्रो. पी.के. कठल मुख्य अतिथि रहे जिन्होंने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया एवं प्रेरक उद्बोधन दिया. शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार जैन ने केंद्रीय विद्यालय सागर क्र. 1 के उपप्राचार्य श्री सुनील तिवारी, के. वि. क्र. 1, 2 और 4 के शिक्षको एवं छात्रों की उपस्थिति में सभी को संबोधित किया. सभी अतिथियों एवं छात्रों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मॉडल की सहायता से विज्ञान की जटिल अवधारणाओं को बहुत सरलता से प्रशिक्षु शिक्षकों से समझा. इस प्रदर्शनी से छात्र छात्राओं में विज्ञान के प्रति उत्सुकता बढ़ी जिसे अतिथियों ने भी सराहा. शिक्षक प्रशिक्षक अंजलि सिंह ने अपने अनुभव साझा किये. केंद्रीय विद्यालय क्र 4 के प्राचार्य श्री आर.एस. वर्मा ने धन्यवाद प्रेषित किया. समन्वयक डॉ. प्रीति वाधवानी ने विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों के अधिगम को सुलभ एवं रुचिकर बनाने के इस सफल प्रयास पर हार्दिक बधाई दी एवं सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया. सभी अतिथियों द्वारा 44 प्रशिक्षु शिक्षकों को उनके योगदान के लिए प्रमाण पत्र दिए गये. केंद्रीय विद्यालय सागर क्र. 1, 2 और 4 के शिक्षको को विद्यालयों में शिक्षण हेतु मॉडल उपहार स्वरुप उन्हें भेंट किये गए. कार्यक्रम की व्यवस्था में अनिता डोंगरे (कला शिक्षिका के. वि. 4), अपर्णा श्रीवास्तव एवं डॉ. शकीला खान, शिक्षिका शिक्षा शास्त्र विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दो दिवसीय फोटोग्राफी सेमिनार का समापन

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विवि के ईएमएम आरसी द्वारा दो दिवसीय फोटोग्राफी का समापन हुआ. मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर रूपेश उपाधयाय ने कहा कि फोटोग्राफी का शौक सभी को होता है और यदि इसकी तकनीक को सीख कर फोटोग्राफी की जाए तो वह चित्र अविस्मरणीय है. निदेशक डॉ पंकज तिवारी ने कहा कि वर्कशॉप में 50 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए और फोटोग्राफी की बारीकियों से परिचित हुए. संचालन माधव चंद्रा ने किया. आभार डॉ संजीव सराफ ने माना. इस अवसर पर गोविंद सरवैया, डॉ आशीष द्विवेदी, डॉ अश्विनी सागर, रमेश कन्नौजिया आदि मौजूद थे.

बीएड, लॉ की सीटें फुल, शेष में दूसरी काउंसिलिंग

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए चल रही स्नातक की पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी हो गई है। विवि से मिली जानकारी के मुताबिक बीएड इंटीग्रेटेड कोर्स, बीए एलएलबी और बीफार्मा के साथ ही स्कूल ऑफ कैमिकल साइंस पाठ्यक्रमों की सभी सीटें फुल हो गई हैं। ज़बकि स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल साइंस एवं बीकॉम में 90% सीटें भर गईं। बीए में 83%, बीसीए में 80%, स्कूल ऑफ मैथमेटिकल साइंस में 50% सीटें भर गईं। विवि की कुल 2253 सीटों में से 70% सीटें भरने की जानकारी सामने आई है। विद्यार्थियों के लिए सूचना जारी की गई है कि काउंसिलिंग में जिन्हें सीट आवंटित हुई है उनके लिए फीस भरने की लिंक 27-28 अगस्त को भेज दी जाएगी। 1 सितंबर तक विद्यार्थी फीस भर सकेंगे। इसके बाद खाली सीटों पर दूसरे चरण की काउंसिलिंग होगी।

रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी कार्यशाला में 45 प्रतिभागियों ने लिया भाग

सागर. आचार्य सर प्रफुल्ल चंद्र रे की स्मृति में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में हाई रेजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर के 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के समापन पर भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर से आए प्रो. संदीप निगम ने ऊर्जा तथा कण के सिद्धांत को बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया। आईआईटी हैदराबाद से आई डॉ. अनामिका भार्गव ने सरफेस इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप और उसके जीव विज्ञान में उपयोग पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से आए प्रोफेसर हृदयेश मिश्रा ने फ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी और उनके उपयोगों पर विस्तृत व्याख्यान दिया। समापन समारोह को प्रोफेसर एके सिंह, प्रो. डीसी मेश्राम, हृदयेश मिश्रा, डॉ संदीप निगम एवं डॉ अनामिका भार्गव शामिल हुए।

विवि में फीस जमा करने के लिए लिंक कल होगी जारी

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 में स्नातक में प्रवेश के लिए पहले चरण की काउंसिलिंग पूरी हो गई है। विश्वविद्यालय की कुल 2253 सीटों में से 70% सीटें भरने की जानकारी सामने आई है। विद्यार्थियों के लिए सूचना जारी की गई है कि काउंसिलिंग में जिन्हें सीट आवंटित हुई है उनके लिए फीस भरने की लिंक 27-28 अगस्त को भेज दी जाएगी। 1 सितंबर तक विद्यार्थी फीस भर सकेंगे। इसके बाद खाली सीटों पर दूसरे चरण की काउंसिलिंग होगी। कोर्सवार बची हुई खाली सीटों की जानकारी भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। साथ ही दूसरे चरण की काउंसिलिंग के लिए कटऑफ लिस्ट भी जारी होगी। इसी के आधार पर विद्यार्थी पंजीयन कराकर दूसरी काउंसिलिंग में हिस्सा ले सकेंगे।

राष्ट्र के निर्माण व विकास में बनें सहायक

आज के युवा, कल का भविष्य

प्रो. नीलिमा गुप्ता
कुलपति, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि

आज के युवा, कल का समाज, कल का भविष्य। मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने इस ओर भारतीय शिक्षा व शिक्षाविदों का ध्यान आकर्षित करते हुए युवाओं में एक नया उत्साह उत्पन्न किया है और वह बहुमुखी विकास की दिशा में अग्रसर हैं। आज विश्वविद्यालयों में मूल्य आधारित शिक्षा द्वारा छात्रों ने भारतीय मूल्यों को पहचाना है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत के आज के युवा मूल्यवान तथा चरित्रवान बनकर राष्ट्र के निर्माण तथा विकास में योगदान देंगे और मैं सभी युवाओं से अपेक्षा करती हूँ कि वह देश प्रेम की भावना से परिपूर्ण, राष्ट्र के निर्माण व विकास में सहायक बनें। युवा लक्ष्य को तय करके मेहनत करें और तब तक उस कार्य में लगे रहें, जब तक उन्हें सफलता हासिल नहीं हो जाती है। आज का युवा चाहे वह ग्रामीण परिवेश का हो या फिर शहरी, उसमें कुछ कर दिखाने का जज्बा है और यही जोश उसको बनाकर रखना है।

परीक्षण । विवि के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा परीक्षा विभाग में...

रक्तचाप, मधुमेह परीक्षण हेतु शिविर का आयोजन

सागर, आंचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा स्क्रीनिंग स्वास्थ्य शिविर के आयोजन की शुरुआत परीक्षा विभाग के 72 अधिकारी एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर की गई. शिविर में डायबिटीज की जांच के लिए एचबीएवनसी एवं ब्लड ग्लूकोज की रैंडम जांच की गई. साथ ही बीएमआई, रक्तचाप परीक्षण और रुटीन चेकअप किया गया. सभी मरीजों को चिकित्सीय परामर्श प्रदान किया. विश्वविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं शिविर संयोजक डॉ. अभिषेक कुमार जैन ने बताया कि पॉपुलेशन-आधारित ऑक्यूपेशनल ओपर्च्यूनिस्टिक नॉन-इनवेसिव स्क्रीनिंग शिविर अन्य रोगों के लिए भी विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में समय-समय पर आयोजित किए जाएंगे जिससे सभी को इसका लाभ मिल सके. विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र की ओर से आयोजित स्वास्थ्य शिविर में डॉ. अभिषेक कुमार जैन, डॉ भूपेंद्र कुमार पटेल, अरुण सारोठिया, प्रमोद कुशवाहा, जयप्रकाश, अंकिता, दुर्गेश, भगत सिंह आदि की टीम सम्मिलित रही. इसके अतिरिक्त परीक्षा विभाग से प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसपी गादेवर, श्रीमती ए.लक्ष्मी, प्रदीप तिवारी, अजब सिंह और सभी कर्मचारी अधिकारियों ने उपस्थित रहकर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया. शिविर परीक्षण के दौरान 15 व्यक्तियों को डायबिटीज 18 व्यक्तियों को उच्च रक्तचाप एवं 10 व्यक्तियों का बॉडी मॉस इंडेक्स सामान्य से अधिक पाया गया जिन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श दिया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि स्वास्थ्य केंद्र द्वारा समय-समय ऐसे शिविर आयोजन किये जाते हैं. विवि के शिक्षक, कर्मचारी, अधिकारी एवं विद्यार्थियों का लगातार स्वास्थ्य परीक्षण होना आवश्यक है ताकि समय से उन्हें अपने शरीर की स्वास्थ्य स्थितियों का पता चल सके और रोगों का समय पर निदान किया जा सके. विकास एवं प्रगति के लिए उत्तम स्वास्थ्य का भी होना अति आवश्यक है. विवि स्वास्थ्य केंद्र इस दिशा में कार्य कर रहा है. आने वाले समय में शारीरिक स्वास्थ्य से जुड़े अन्य शिविर भी लगाएं जायेंगे जिनका लाभ विवि परिवार के सभी सदस्यों को मिलेगा।

डॉ हरीसिंह गौर विवि में राष्ट्रीय खेल-दिवस मनाया

सागर | शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ हरीसिंह गौर विवि में गुरुवार को मेजर ध्यानचंद जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस को उल्लास के साथ मनाया गया। बीपीईएस के विद्यार्थियों के बीच व्हालीबाल मैच खेला गया, जिसमें पटेल हाउस ने 2-1 से जीत अर्जित की। इसके बाद स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन प्रो. डीके नेमा के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय खेल दिवस का कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता निदेशक शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ विवेक बी साठे ने की। प्रो डीके नेमा ने बताया कि खिलाड़ी को हमेशा कठिन मेहनत और अनुशासन ही सफल बनाता है। डॉ. विवेक बी साठे ने सभी खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद के संघर्ष के बारे में बताया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को अनुशासन में रहने की शपथ दिलाई।

एनसीसी से मिला सम्मान डॉ. सर हरीसिंह गौर के आशीर्वाद का प्रतीक है : कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता कर्नल रैंक एवं कर्नल कमांडेट पद से हुई विभूषित

जनचिंगारी-9302303212

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्वर्ण जयन्ती सभागार में विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को मानद कर्नल रैंक एवं एनसीसी के कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित करने के लिए 'पिपिंग सेरेमनी' का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनसीसी निदेशालय (म.प्र. एवं छत्तीसगढ़) के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल ए. के. महाजन थे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न इस कार्यक्रम में ब्रिगेडियर विकास बहुगुणा, कर्नल ए. के. बेंसला भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम आरम्भ हुआ।

चरित्र निर्माण एवं जीवन शैली में एनसीसी की अहम् भूमिका - मेजर जनरल महाजनः मुख्य अतिथि मेजर जनरल ए. के. महाजन ने अपने वक्तव्य में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अकादमिक उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें कर्नल की पदवी से सम्मानित होने पर बधाई दी. विश्वविद्यालय की अकादमिक संरचना और उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर जैसे अन्य नामचीन व्यक्तियों की सूची में माननीय कुलपति जी का नाम भी जुड़ गया है जिन्हें कर्नल की उपाधि से नवाज़ा गया है. उन्होंने एनसीसी के कार्यों को व्याख्यायित करते हुए सागर यूनिट के एनसीसी कैडेट्स की राष्ट्रीय प्रतिभागिता और उच्च प्रदर्शन की सराहना की. उन्होंने बताया कि वर्तमान में एनसीसी कैडेट्स की संख्या 17 लाख है और आगे आने वाले समय में यह 25 लाख होने वाली है. एनसीसी विश्व की सबसे बड़ी युवा वालंटियर सेवा संस्था है। आज़ादी के पूर्व एनसीसी को सेकंड लाइन ऑफ़ डिफेन्स के रूप में स्वीकृत किया गया जो आर्मी, नेवी और एयरफोर्स में सहायक भूमिका निभाती रही है. 1962 के युद्ध के बाद भारतीय थल सेना का विस्तार होना आरम्भ हुआ और इसके बाद एनसीसी पूर्ण रूप से राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध संस्था के रूप में आई. उन्होंने कहा कि देश का भविष्य शिक्षाविदों के हाथों में है और वे अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए राष्ट्र के भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं।

MY CITY
माय सिटी | 03 | पत्रिका
सागर, शनिवार, 31 अगस्त 2024

स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया 'पिपिंग सेरेमनी'

केंद्रीय विवि की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिली कर्नल कमांडेंट रैंक, तीसरी कुलपति बनीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को मानद कर्नल रैंक एवं एनसीसी के कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित करने के लिए 'पिपिंग सेरेमनी' का शुक्रवार को आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. गुप्ता मप्र और छत्तीसगढ़ में यह रैंक हासिल करने वालीं तीसरी कुलपति हैं।

मुख्य अतिथि एनसीसी निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल एके महाजन की उपस्थिति में हुआ। विवि के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल, ब्रिगेडियर विकास बहुगुण एवं कर्नल एके बेंसला विशिष्ट अतिथि के तौर पर मंच पर उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मेजर जनरल एके महाजन ने कहा कि क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर जैसे अन्य नामचीन व्यक्तियों की सूची में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता का नाम भी जुड़ गया है। जिन्हें कर्नल की उपाधि से नवाजा गया है। उन्होंने सागर यूनिट के एनसीसी कैडेट्स की राष्ट्रीय प्रतिभागिता और उच्च प्रदर्शन की सराहना की। कुलपति ने इस दौरान एनसीसी की अतिरिक्त यूनिट की भी मांग रखी जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को एनसीसी से जुड़ने का अवसर मिल सके। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. एडी शर्मा, प्रो. डीके नेमा, प्रो. यूके पाटिल, प्रो. अनिल जैन, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. सुशील काशव, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. आशुतोष मिश्र, डॉ. रजनीश, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. सुमन पटेल, डॉ. विवेक जायसवाल, उपकुलसचिव सतीश कुमार सहित विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, एनसीसी के अधिकारी एवं कैडेट्स मौजूद रहे।

एनसीसी के एयर विंग की शुरुआत के लिए होंगे प्रयास, नई यूनिट भी शुरू होगी

सम्मान कार्यक्रम के बाद सभी अतिथियों ने गोष्ठी कक्ष में मीडिया से संवाद भी किया। इस अवसर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एनसीसी के एयर विंग शुरू किए जाने की मांग पर मेजर जनरल महाजन ने कहा कि निकट भविष्य में सभी तैयारियों एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर को दृष्टिगत रखते हुए इसे शुरू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभी इस दिशा में कोई नया काम नहीं हो रहा है। जब कोई पहल होगी तो सागर में एयर यूनिट दिलाने का प्रयास किया जाएगा। अभी एयर यूनिट भोपाल और इंदौर में संचालित है। महाजन ने कहा कि कुलपति प्रो. गुप्ता ने एनसीसी को आगे बढ़ाने कई सालों से काम किया है। विश्वविद्यालय में एनसीसी को बढ़ावा, अनुशासन आदि मापदंडों को देखते हुए इस रैंक के लिए कुलपति का चयन किया गया है। अब वह यूनिफार्म पहन सकती हैं। उन्होंने बताया कि कुलपति प्रो. गुप्ता मप्र और छत्तीसगढ़ में यह रैंक हासिल करने वालीं तीसरी कुलपति हैं।

शिवाजी ऑब्सटेकल कोर्स का हुआ उद्घाटन

इस अवसर पर शिवाजी ऑब्सटेकल कोर्स का उद्घाटन किया गया। यह एक चुनौतीपूर्ण कोर्स है जिसमें शारीरिक और मानसिक रूप से दृढ़ता के साथ परीक्षण और ट्रेनिंग दी जाती है। यह कोर्स सेना और रक्षा के सभी क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। इस कोर्स का संचालन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के स्टेडियम परिसर से किया जाएगा।

कार्यक्रम : केंद्रीय यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को मिली कर्नल कमांडेंट रैंक

विवि में एनसीसी कैडेट्स के लिए शुरू होगी फायरिंग रेंज

अतुल्य भास्कर, सागर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को मानद कर्नल रैंक और एनसीसी के कर्नल कमांडेंट पद से नवाजा गया है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित पिपिंग सेरेमनी में कुलपति प्रो. गुप्ता को रैंक दी गई। कार्यक्रम में एनसीसी निदेशालय (मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़) के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल एके महाजन और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल शामिल हुए। मानद कर्नल रैंक कभी-कभी नागरिकों को किसी विशिष्ट क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन या राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए प्रदान की जाती है। इस पहल का उद्देश्य कुलपतियों को उनके कार्यकाल के दौरान कर्नल कमांडेंट के रूप में नियुक्त करके विश्वविद्यालय परिसर में अनुशासन और देशभक्ति के एनसीसी के लोकाचार को शामिल करना है।

छात्र-छात्राओं में राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना को बढ़ावा और सैन्य सेवा के प्रति उनके झुकाव को मजबूत करने का प्रयास करना होता है। कुलपति प्रो. गुप्ता मप्र और छत्तीसगढ़ में यह रैंक हासिल करने वालीं तीसरी कुलपति हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान एनसीसी को बढ़ावा दिया है। एनसीसी की गतिविधियों में विश्वविद्यालय के कैडेट्स बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। उनका लगातार एनसीसी के प्रति लगाव है। अनुशासन के साथ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं को एनसीसी के प्रति जागरूक किया जा रहा है। एनसीसी निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल एके महाजन ने कहा कि कुलपति प्रो. गुप्ता ने एनसीसी को आगे बढ़ाने कई सालों से काम किया है। जिससे एनसीसी के कैडेट्स को मोटीवेशन मिला है। ताकि वह यूनिवर्सिटी के अंदर एनसीसी विषय ले सकें। विश्वविद्यालय में एनसीसी को बढ़ावा, अनुशासन आदि मापदंडों को देखते हुए इस रैंक के लिए कुलपति का चयन किया गया है। अब वह यूनिफार्म पहन सकती हैं। जिससे उनकी जिम्मेदारी और बढ़ेगी एनसीसी को आगे बढ़ाने के लिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में एनसीसी कैडेट्स के लिए फायरिंग रेंज बनाई जा रही है। ताकि एनसीसी कैडेट्स ट्रेनिंग ले सकें।

कर्नल कमांडेंट रैंक मिलने के बाद कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह रैंक मिलने के बाद विश्वविद्यालय और एनसीसी के प्रति मेरी और जिम्मेदारी बढ़ गई है। विश्वविद्यालय में एनसीसी के माध्यम से बच्चों को योग्य बनाने का काम किया जा रहा है। अब विश्वविद्यालय में छात्राओं को एनसीसी के प्रति जागरूक कर आगे लगाया जाएगा।

इस दौरान उन्होंने सागर में एनसीसी के लिए एयर यूनिट शुरू कराने की मांग रखी। जिस पर एनसीसी के अतिरिक्त महानिदेशक महाजन ने कहा कि अभी इस दिशा में कोई नया काम नहीं हो रहा है। जब कोई पहल होगी तो सागर में एयर यूनिट दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

आयोजन । चरित्र निर्माण एवं जीवन शैली में एनसीसी की अहम् भूमिका: मेजर

कुलगुरु प्रो. गुप्ता एनसीसी के मानद कर्नल रैंक एवं कर्नल कमांडेट पद से हुईं विभूषित

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के स्वर्ण जयन्ती सभागार में विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता को मानद कर्नल रैंक एवं एनसीसी के कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित करने के लिए 'पिपिंग सेरेमनी' का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनसीसी निदेशालय (म.प्र. एवं छत्तीसगढ़) के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल ए. के. महाजन थे। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न इस कार्यक्रम में ब्रिगेडियर विकास बहुगुणा, कर्नल ए. के. बेंसला भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम आरम्भ हुआ। मुख्य अतिथि मेजर जनरल ए. के. महाजन ने अपने वक्तव्य में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अकादमिक उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें कर्नल की पदवी से सम्मानित होने पर बधाई दी. विश्वविद्यालय की अकादमिक संरचना और उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी, सचिन तेंदुलकर जैसे अन्य नामचीन व्यक्तियों की सूची में माननीय कुलपति जी का नाम भी जुड़ गया है जिन्हें कर्नल की उपाधि से नवाज़ा गया है. उन्होंने एनसीसी के कार्यों को व्याख्यायित करते हुए सागर यूनिट के एनसीसी कैडेट्स की राष्ट्रीय प्रतिभागिता और उच्च प्रदर्शन की सराहना की।

विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, सेवा और समर्पण की महती भूमिका- कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि मेरे लिए अत्यंत प्रसन्नता और सम्मान की बात है कि मैं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी के मानद कर्नल कमांडेंट के रूप में सम्मानित करने के अवसर का साक्षी बन रहा हूं. यह केवल एक व्यकित्व उपलब्धि का उत्सव नहीं है अपितु उनकी उत्कृष्टता, नेतृत्व और सेवा का भी सम्मान है।

एनसीसी से मिला सम्मान डॉ. सर हरीसिंह गौर के आशीर्वाद का प्रतीक है: गुप्ता

कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि एक बड़ा सम्मान मिलने के अवसर पर इतनी महत्त्वपूर्ण सभा को संबोधित करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है. उन्होंने कहा कि मुझे अत्यंत प्रसन्नता और गौरव महसूस हो रहा है कि मुझे राष्ट्रीय कैडेट कोर के मानद कर्नल कमांडेंट का का रैंक प्रदान कर सम्मानित किया जा रहा है. यह सम्मान मेरे लिए महत्वपूर्ण है. उन्होंने इसके लिए भारत की माननीय राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष श्रीमती द्रौपदी मुर्मू और रक्षा मंत्रालय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए एनसीसी के महानिदेशक, अतिरिक्त महानिदेशक और सभी समर्पित अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिवाजी ऑब्सटेकल कोर्स का अतिथियों ने किया उद्घाटन

मंचस्थ अतिथियों के द्वारा शिवाजी ऑब्सटेकल कोर्स का उद्घाटन किया गया. यह एक चुनौतीपूर्ण कोर्स है जिसमें शारीरिक और मानसिक रूप से दृढ़ता के साथ परीक्षण और ट्रेनिंग दी जाती है. यह कोर्स सेना और रक्षा के सभी क्षेत्रों के लिए महत्त्वपूर्ण है. इस कोर्स का संचालन विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के स्टेडियम परिसर से किया जाएगा।

एनसीसी के एयर विंग की शुरुआत के लिए होंगे प्रयास, नई यूनिट भी शुरू होगी

सम्मान कार्यक्रम के पश्चात सभी अतिथियों ने गोष्ठी कक्ष में मीडिया से संवाद भी किया. इस अवसर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने एनसीसी के एयर विंग शुरू किये जाने की मांग पर मेजर जनरल महाजन ने कहा कि निकट भविष्य में सभी तैयारियों एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर को दृष्टिगत रखते हुए इसे शुरू किया जा सकता है. कुलपति ने इस दौरान एनसीसी की अतिरिक्त यूनिट की भी मांग रखी जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों को एनसीसी से जुड़ने का अवसर मिल सके. कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. एडी शर्मा, प्रो. डीके नेमा, प्रो. यू.के. पाटिल, प्रो. अनिल जैन, प्रो. अजीत जायसवाल, प्रो. सुशील काशव, प्रो. दिवाकर राजपूत, प्रो. नवीन कानगो, डॉ. पंकज तिवारी, डॉ. आशुतोष मिश्र, डॉ. रजनीश, डॉ. गौतम प्रसाद, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. सुमन पटेल, डॉ. विवेक जायसवाल, उपकुलसचिव सतीश कुमार सहित विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी, एनसीसी के अधिकारीगण, एनसीसी कैडेट्स एवं सागर शहर के प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सम्मानित पत्रकारगण उपस्थित रहे।

कुलपति एवं कुलाधिपति ने गौर समाधि पहुँचकर डॉ. गौर को पुष्पांजलि दी

समारोह के पश्चात विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल एवं कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता गौर समाधि पहुँचे और डॉ. गौर की समाधि पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया. इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रभारी कुलसचिव डॉ. एस. पी.उपाध्याय, सुरक्षा अधिकारी प्रो. राजेन्द्र यादव सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

Amarujala Page no.05

एएमयू की पूर्व छात्रा को मिली मानद कर्नल रैंक

वीसी नीलिमा को करनल को रैंक प्रदान करते अधिकारी। स्रोत स्वयं

अलीगढ़। एएमयू की पूर्व छात्रा व डॉ. हरी सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर, मध्यप्रदेश की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को एनसीसी की मानद कर्नल रैंक व कर्नल कमांडेंट पद से विभूषित किया गया है। विश्वविद्यालय में आयोजित पिपिंग सेरेमनी में मुख्य अतिथि एनसीसी निदेशालय (मप्र व छत्तीसगढ़) के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल एके महाजन, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति कन्हैयालाल बेरवाल, ब्रिगेडियर विकास बहुगुणा, कर्नल एके बेंसला की उपस्थिति में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। ब्यूरो

Roznama Sahara Page no.04

’اے ایم یو کے طلبا نے ہر جگہ ملک وملت کا نام روشن کیا ہے‘

علی گڑھ (ایس این بی) علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کے موجودہ طلبہ ہوں یا سابق انھوں نے ہمیشہ مادر علمی درسگاہ کے نام کے علاوہ ملک وملت کا نام ملک اور بیرون ملک میں روشن کیا ہے۔ ڈاکٹر ہری سنگھ گوڑ سینٹرل یونیورسٹی، ساگر مدھیہ پردیش کی وائس چانسلر پروفیسر نیلیما گپتا کو ان کی بہترین کارکردگی کے نتیجہ میں انہیں کرنل کا اعزازی رینک اور این سی سی کے کرنل کمانڈنٹ کے عہدے سے نوازا گیا ہے۔ یونیورسٹی میں منعقدہ پائپنگ تقریب کے مہمان خصوصی این سی سی ڈائرکٹوریٹ (ایم پی اور چھتیس گڑھ) ایڈیشنل ڈائرکٹر جنرل میجر جنرل اے کے مہاجن، یونیورسٹی کے چانسلر کنہیالال بروال، بریگیڈیر وکاس بہوگنا، کی موجودگی میں یہ

اعزاز انہیں دیا گیا، جو کہ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی سمیت پورے اتر پردیش کے لیے قابل فخر کارنامہ ہے۔ اس موقع پر خطاب کرتی ہوئیں وائس چانسلر پروفیسر نیلیما گپتا نے کہا کہ میں انتہائی خوشی اور فخر کر رہی ہوں کہ مجھے نیشنل کیڈٹ کور کے اعزازی کرنل کمانڈنٹ کے عہدے سے نوازا جا رہا ہے۔ اس کے لیے انہوں نے صدر جمہوریہ ہند اور یونیورسٹی وزیٹر محترمہ دروپدی مرمو اور وزارت دفاع کا شکریہ ادا کیا اور ڈائریکٹر جنرل، این سی سی کے ایڈیشنل ڈائریکٹر جنرل اور تمام افسران کا شکریہ ادا کیا۔ انہوں نے کہا کہ یہ اعزاز صرف میرا ہی نہیں بلکہ ڈاکٹر ہری سنگھ گوڑ یونیورسٹی اور ڈاکٹر سر ہری سنگھ گوڑ کے احسانات کی علامت ہے۔ این سی سی صرف ایک تنظیم نہیں ہے بلکہ یہ ایک طرز زندگی ہے جو آپ کو مکمل طور پر ایک جامع شخصیت میں بدل دیتی ہے۔ این سی سی کی وردی پہننا نہ صرف فخر کی بات ہے بلکہ یہ ملک کے تئیں وابستگی کی علامت بھی ہے۔ نیشنل کیڈٹ کور قومی فخر اور طاقت کا ستون ہے۔ قوم کی تعمیر، ذاتی ترقی اور سماجی ہم آہنگی میں اس کا حصہ انمول ہے۔ این سی سی تنوع میں اتحاد کے اصول کو اپناتا ہے، جو مختلف پس منظر سے تعلق رکھنے والے افراد کو ایک مشترکہ مقصد کے لیے اکٹھا کرتا ہے۔ میں شمولیت اور لگن کے اس جذبے کو پروان چڑھانے کے لیے پرعزم ہوں اور یقین دلاتی ہوں کہ مجھے تفویض کردہ ذمہ داریوں کو پورا کرنے کے لیے میں پوری طرح وقف رہوں گی۔

Inquilab Page no.03

اے ایم یو کی سابق طالبہ پروفیسر نیلیما گپتا کو کرنل کی اعزازی رینک سے نوازا گیا

علی گڑھ (پریس ریلیز) علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کے موجودہ طلبہ ہوں یا سابق انہوں نے ہمیشہ مادر درسگاہ کے نام کے علاوہ ملک و ملت کا نام ملک اور بیرون ملک میں روشن کیا ہے۔ ڈاکٹر ہری سنگھ گوڑ سنٹرل یونیورسٹی، ساگر مدھیہ پردیش کی وائس چانسلر پروفیسر نیلیما گپتا کو ان کی بہترین کارکردگی کے نتیجہ میں انہیں کرنل کا اعزازی رینک اور این سی سی کے کرنل کمانڈنٹ کے عہدے سے نوازا گیا ہے۔ یونیورسٹی میں منعقدہ پائپنگ تقریب کے مہمان خصوصی این سی سی ڈائریکٹوریٹ (ایم پی اور چھتیس گڑھ) ایڈیشنل ڈائریکٹر جنرل میجر جنرل اے کی مہاجن، یونیورسٹی کے چانسلر کنہیا لال بروال، بریگیڈیر وکاس بہوگنا، کرنل اے کی یہ اعزاز انہیں بنسالہ کی باوقار موجودگی میں دیا گیا، جو کہ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی سمیت پورے اتر پردیش کے لیے قابل فخر کارنامہ ہے۔ اس موقع پر خطاب کرتے ہوئے وائس چانسلر پروفیسر نیلیما گپتا نے کہا کہ میں انتہائی خوشی اور فخر محسوس کر رہی ہوں کہ مجھے نیشنل کیڈٹ کور کے اعزازی کرنل کمانڈنٹ کے عہدے سے نوازا جا رہا ہے۔ اسکے لیے انہوں نے صدر جمہوریہ ہند اور یونیورسٹی وزیٹر محترمہ دروپدی مرمو اور وزارت دفاع کا شکریہ ادا کیا اور ڈائریکٹر جنرل، این سی سی کے ایڈیشنل ڈائریکٹر جنرل اور تمام افسران کا شکریہ ادا کیا۔ انہوں نے کہا کہ یہ اعزاز صرف میرا ہی نہیں بلکہ ڈاکٹر ہری سنگھ گوڑ یونیورسٹی اور ڈاکٹر سر ہری سنگھ گوڑ کے احسانات کی علامت ہے۔ این سی سی صرف ایک تنظیم نہیں ہے بلکہ یہ ایک طرز زندگی ہے جو آپ کو مکمل طور پر ایک جامع شخصیت میں بدل دیتی ہے۔ این سی سی کی وردی پہننا نہ صرف فخر کی بات ہے بلکہ یہ ملک کے تئیں وابستگی کی علامت بھی ہے۔ نیشنل کیڈٹ کور قومی فخر اور طاقت کا ستون ہے۔ قوم کی تعمیر، ذاتی ترقی اور سماجی ہم آہنگی میں اس کا حصہ انمول ہے۔

सोशल मीडिया लिंक -

SAGAR NEWS || BUNDELI HALCHAL

https://youtu.be/0CWv3MbytzI?si=ADV5nVun3Me4vkqB

https://www.facebook.com/share/r/CLKmYawwuYYu1BAZ/?mibextid=qi2Omg

https://www.instagram.com/reel/C_SrfACSeUQ/?igsh=MWpqNmV5dHhiaDhx

त्राहिमाम.कॉम

https://youtu.be/nnvbVEzMq4w?si=l_xHp_d_L7xZGceY

https://www.facebook.com/share/v/pkc82vjfiis56m97/?mibextid=oFDknk

https://chat.whatsapp.com/FvLpNOruE1eKBcXoyIBcnJ

Jantantra Setu News

https://jantantrasetunews.com/23m2

mpnews.live

https://mpnews.live/vice-chancellor-prof-neelima-gupta-honored-with-the-rank-of-honorary-colonel-and-colonel-commandant-of-ncc/

SAGAR TV NEWS (STVN INDIA)

https://www.sagartvnews.com/news_only.php?newsidget=28885

https://youtu.be/7Yu1zVQfsgc

https://fb.watch/uhsg30l4_g/

तीनबत्ती न्यूज.कॉम

https://www.teenbattinews.com/2024/08/ncc.html?m=0

NAVSHINDHU CRP NEWS

https://youtu.be/GK5gYnxe6FQ?si=O-izvX5rM28JhlFq

AMARUJALA

https://www.amarujala.com/video/madhya-pradesh/sagar/vice-chancellor-of-sagar-university-gets-honorary-colonel-rank-for-ncc-cadets-firing-range-will-start-in-the-university-sagar-news-c-1-1-noi1338-2052710-2024-08-30

SAGARWATCH

https://www.sagarwatch.in/2024/08/pipping-ceremony.html

DIGITAL SAGAR NEWS

https://youtu.be/Lkxz_xeJ_Og

https://www.facebook.com/share/v/cVXFjwQ9JeBZE2A8/?mibextid=oFDknk

HINDI.NEWS18

https://hindi.news18.com/news/madhya-pradesh/sagar-central-university-vc-neelima-gupta-awarded-honorary-colonel-rank-joins-dhoni-tendulkar-list-8643075.html

SAGARMIRRORNEWS

https://sagarmirrornews.in/education/18929/

https://sagarmirrornews.in/

MPNEWSLIVE

https://youtu.be/U0DFv1czsIU

ETVBHARAT

https://www.etvbharat.com/hi/!state/sagar-hari-singh-gaur-university-1st-female-vice-chancellor-neelima-gupta-awarded-ncc-honour-madhya-pradesh-news-mps24083004412

HINDI.NEWS18

https://hindi.news18.com/news/education/sagar-university-ncc-cadets-special-course-will-get-tough-training-like-army-know-benefits-8646639.html

MYNATIONDAILY.COM

https://mynationdaily.com/ncc-vice-chancellor-prof-neelima-guma-was-awarded-the-rank-of-honorary-colonel-and-colonel-commandant/

AAJKAL.ORG

https://aajkal.org/2024/09/01/dr-harisingh-gour-universitys-vice-chancellor-prof-neelima-gupta-was-conferred-with-ncc-honorary-colonel-rank-colonel-commandant-post/

THEINDIARISE.COM

https://theindiarise.com/dr-harisingh-gour-universitys-vice-chancellor-prof-neelima-gupta-achieved-a-big-achievement-know-more/

BHARATTODAY24

https://bharattoday24.com/2024/09/01/vice-chancellor-prof-neelima-gupta-was-honoured-with-ncc-honorary-colonel-rank-and-colonel-commandant-post/

ETVBHARAT

https://www.etvbharat.com/hi/!state/sagar-hari-singh-gaur-university-1st-female-vice-chancellor-neelima-gupta-awarded-ncc-honour-madhya-pradesh-news-mps24083004412

हिंदुस्थान समाचार, राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी

https://urdu.hindusthansamachar.in/Encyc/2024/9/1/Prof-Nileema-Gupta-news.php

AIMAMEDIA.ORG

https://aimamedia.org/newsdetails.aspx?type=Share&nid=311033

PATRIKA NEWS

https://www.patrika.com/sagar-news/the-vice-chancellor-of-central-university-got-the-rank-of-colonel-commandant-she-will-be-the-third-vice-chancellor-to-get-this-rank-in-mp-and-chhattisgarh-18951688

FREEPRESSJOURNAL.IN

https://www.freepressjournal.in/bhopal/bhopal-sagar-universitys-vice-chancellor-honored-with-ncc-colonel-commandant-rank